THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 155 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.8 2081 सोमवार, 26 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कोर्ट के सामने चक्कर शब्द मेंडेटरी हो गया था : पीएम

इसमें फंस गए तो कब निकलेंगे पता नहीं, दशकों बाद इसके लिए प्रभावी कदम उठाए

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोधपुर में कहा, दशकों से कोर्ट के सामने चक्कर शब्द कोई बुरा मत मानना, चक्कर शब्द मेंडेटरी हो गया था। कोर्ट का चक्कर मुकदमे का चक्कर यानी एक ऐसा चक्कर इसमें फंस गए तो कब निकलेंगे पता नहीं।

मोदी ने कहा, आज दशकों बाद आम नागरिकों की पीड़ा को खत्म करने के लिए देश ने प्रभावी कदम उठाए हैं। मेरा मानना है न्याय हमेशा सरल एवं स्पष्ट होता है। कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती है। हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है हम न्याय को सरल और स्पष्ट बनाएं। प्रधानमंत्री ने राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनम जुबली समापन समारोह में ये बात कही। मोदी ने हाईकोर्ट म्यूजियम का भी उद्घाटन किया।

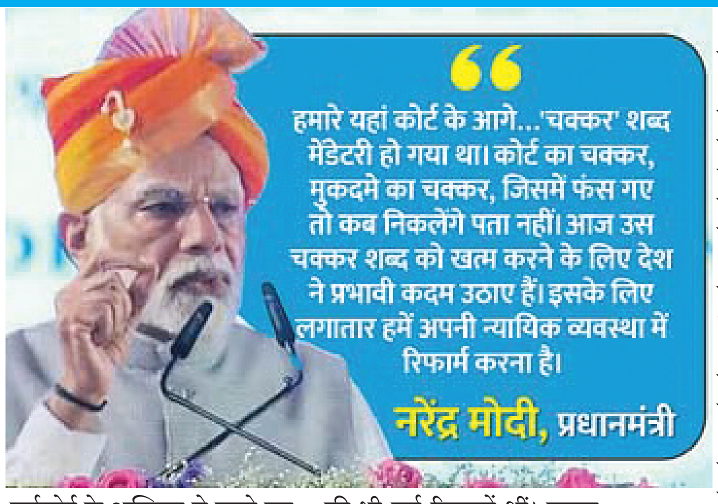

पीएम मोदी ने कहा, राजस्थान हाईकोर्ट के अस्तित्व से हमारे राष्ट्र की एकता का इतिहास जुड़ा है। आप सब जानते हैं, सरदार पटेल ने जब 500 से ज्यादा रियासतों को जोड़कर देश को एक सूत्र में पिरोया था, तो उसमें राजस्थान की भी कई रियासतें थीं। जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसी कई रियासतों के अपने हाईकोर्ट भी थे। इनके इंटिग्रेशन से राजस्थान हाईकोर्ट अस्तित्व में आया यानी राष्ट्रीय एकता ये हमारे ज्यूडिशियल सिस्टम का भी फाउंडिंग स्टोन है। ये फाउंडिंग स्टोन जितना मजबूत होगा, हमारा देश और देश की व्यवस्थाएं भी उतनी ही मजबूत होंगी।

न्याय हमेशा सरल होता है, कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती हैं :

मोदी ने कहा, मेरा मानना है, न्याय हमेशा सरल और स्पष्ट होता है, लेकिन कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती हैं। ये हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम न्याय को ज्यादा से ज्यादा सरल और स्पष्ट बनाएं और मुझे संतोष है कि देश ने इस दिशा में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाए हैं। हमने पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुके सैकड़ों औपनिवेशिक कानूनों को रद्द किया है। आजादी के इतने दशक बाद गुलामी की मानसिकता से उबरते हुए देश ने इंडियन पीनल कोड की जगह 'भारतीय न्याय संहिता' को अडॉप्ट किया है। दंड की जगह न्याय ये भारतीय चिंतन का आधार है। संहिता इस मानवीय चिंतन को आगे बढ़ाती है।

पीएम ने कहा, आज देश के सपने भी बड़े हैं, देशवासियों की आकांक्षाएं भी बड़ी हैं, इसलिए जरूरी है कि हम नए भारत के हिसाब से नए इनोवेशन करें और अपनी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाएं। ये 'जस्टिस फॉर ऑल' के लिए भी उतना ही जरूरी है। आज देश में 18 हजार से ज्यादा कोर्ट्स कम्प्यूटराइज्ड हो चुकी हैं। मुझे बताया गया है कि नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड से 26 करोड़ से ज्यादा मुकदमों की जानकारी एक सेंट्रलाइज्ड ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जुड़ चुकी है।

मोदी ने कहा, आज पूरे देश की 3 हजार से ज्यादा कोर्ट परिसर और 1200 से ज्यादा जेलें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ गई हैं और मुझे खुशी है कि राजस्थान भी इस दिशा में काफी तेज गति से काम कर रहा है। हमारी न्यायपालिका ने निरंतर राष्ट्रीय विषयों पर सजगता और सक्रियता की नैतिक जिम्मेदारी निभाई है। कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाने का... देश के संवैधानिक एकीकरण का उदाहरण हमारे सामने है।

यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न : खड़गे

लेटरल एंट्री-ब्रॉडकास्ट बिल के बाद अब पेंशन स्कीम, पीएम के अहंकार पर जनता हावी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के नई पेंशन स्कीम के बाद यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लाने के फैसले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यूपीएस में यू का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न है।

खड़गे ने एक्स पर कहा, 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद जनता की शक्ति पीएम के सत्ता के अहंकार पर हावी हुई है। सरकार ने पहले बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन/इंडेक्सेशन का फैसला वापस लिया। इसके बाद ब्रॉडकास्टिंग बिल, यूपीएससी के उच्च पदों पर लेटरल एंट्री का फैसला भी वापस लिया। हम सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करते रहेंगे। 140 करोड़ भारतीयों को इस सरकार से बचाते रहेंगे।

दरअसल, केंद्र सरकार शनिवार (24 अगस्त) को न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) की जगह यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लेकर आई। स्कीम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा होगा।

शिवसेना बोली, विपक्ष के दबाव में फैसला लिया :

शिवसेना उद्धव गुट के नेता आनंद दुबे ने कहा, विपक्ष के दबाव के कारण सरकार ने यूपीएस को अप्रूव किया है। इस बार भाजपा सिर्फ 240 सीटें जीती हैं। इसलिए उन्होंने सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों के लिए स्कीम लाई है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, जो काम सरकार को पहले ही कर देना चाहिए था, वह अब दबाव में आकर कर रही है। पूरा विपक्ष कह रहा है कि सरकार को पेंशन को लेकर कोई फैसला लेना चाहिए। रिटायर्ड कर्मचारियों को उनके वेतन (रिटायरमेंट से पहले) का 50 प्रतिशत नहीं, बल्कि पूरा 100 प्रतिशत मिलना चाहिए। आप ऐसे कर्मचारियों के लिए ऐलान कर रहे हैं, जो देश के लिए काम करने के बाद रिटायर्ड होता है। यूपीएस के जरिए भी केंद्र सरकार भ्रम पैदा कर रहे है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप : मोदी

जलगांव, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उन 11 लाख नई 'लखपति दीदी' को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया, जिन्होंने उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान इस मुकाम को हासिल किए हैं। पीएम मोदी ने 2,500 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड भी जारी किया। इससे 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभ होगा। पीएम मोदी ने 5,000 करोड़ का बैंक ऋण भी वितरित किया।

इससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्य लाभान्वित होंगे। समारोह के दौरान पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। कोलकाता के महिला डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्याकांड को लेकर पूरे देश मचे बवाल के बीच पीएम मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार मुद्दे पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को सशक्त करने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी देश की प्राथमिकता है। मैंने लाल किले से बार-बार इस मुद्दे को उठाया है।

पाकिस्तान ने पीएम मोदी को भेजा न्योता

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान आने का न्योता दिया है। यह बैठक इस साल अक्टूबर में इस्लामाबाद में होनी है और इस बैठक में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुख शामिल होंगे। हालांकि भारत और पाकिस्तान के संबंधों को देखते हुए इसकी बहुत कम संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इस्लामाबाद का दौरा करें। देखने वाली बात ये होगी कि क्या पीएम मोदी अपनी जगह अपने किसी मंत्री को पाकिस्तान भेजते हैं या नहीं। पाकिस्तान 15-16 अक्टूबर को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक की मेजबानी करेगा। शंघाई सहयोग संगठन की मेजबानी बारी-बारी से इसके सदस्य देशों को मिलती है। इसी के तहत इस बार बैठक की मेजबानी की जिम्मेदारी पाकिस्तान को मिली है। शंघाई सहयोग संगठन की राष्ट्र प्रमुखों की बैठक में पीएम मोदी शामिल होते रहे हैं, लेकिन इस साल कजाखस्तान में हुई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हुए थे क्योंकि यह बैठक आम चुनाव के समय हुई थी।

रेप-मर्डर केस के आरोपी संजय का पॉलीग्राफ टेस्ट

सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर छापा मारा, 15 जगहों पर टीम पहुंची

कोलकाता/नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के आरोपी संजय का पॉलीग्राफ टेस्ट हो गया है। सीबीआई और सेंट्रल फॉरेंसिक टीम के मेंबर्स रविवार (25 अगस्त) को प्रेसीडेंसी जेल पहुंचे, यहां संजय बंद है। मेंबर्स ने दोपहर करीब 12:30 बजे से 3:30 बजे तक संजय से सवाल किए।

एक दिन पहले 24 अगस्त को आरजी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, 4 फेलो डॉक्टर और एक वॉलंटियर का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया था। सीबीआई ने आज संदीप घोष के घर छापा मारा। एजेंसी ने घोष और उनसे जुड़े लोगों के 15 ठिकानों पर तलाशी ली। सीबीआई के लगभग 7 अधिकारी सुबह 8 बजे से घोष से उनके बेलियाघाटा आवास पर पूछताछ कर रहे हैं। सीबीआई टीम आज सुबह जब घोष के घर पहुंची तो परिवारवालों ने 1 घंटे 15 मिनट तक दरवाजा ही नहीं खोला था। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। अस्पताल के सेमिनार हॉल में उनकी बॉडी मिली थी। इस मामले में सिविक वॉलंटियर संजय रॉय को अब तक गिरफ्तार किया गया है।

घोष पर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय गड़बड़ी का आरोप है। कॉलेज के पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली ने उन पर कई आरोप लगाए थे।

किसान आंदोलन के दौरान रेप-मर्डर हुए : कंगना

सरकार कमजोर होती तो पंजाब बांग्लादेश बन जाता, कांग्रेस नेता बोले- एक्ट्रेस पर एनएसए लगे

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनोट ने कहा है कि अगर हमारा शीर्ष नेतृत्व मजबूत नहीं रहता तो किसान आंदोलन के दौरान पंजाब को भी बांग्लादेश बना दिया जाता।

कंगना ने कहा कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे। वहां रेप और हत्याएं हो रही थीं। किसान बिल को वापस ले लिया गया वर्ना इन उपद्रवियों की बहुत लंबी प्लानिंग थी। वे देश में कुछ भी कर सकते थे। पंजाब के कांग्रेस नेता राजकुमार वेरका ने कहा, कंगना लगातार किसानों पर ऐसे बयान दे रही हैं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और उन पर एनएसए लगाया जाए।

कंगना को डिब्रूगढ़ जेल भेजा जाए :

राजकुमार वेरका 2 बार कांग्रेस विधायक रह चुके हैं। 2017 से 2022 तक पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे। वेरका दो बार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। कंगना के इंटरव्यू के बाद वेरका ने वीडियो जारी किया है।

उन्होंने कहा, कंगना रनोट रोज पंजाब के नेताओं के खिलाफ जहर उगलती हैं। उन्होंने किसान को खालिस्तानी कहा। देश के किसानों को गाली दी। वे किसी की शह पर बोल रही हैं। भाजपा इसके लिए सफाई दें। मैं मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग करता हूं कि एफआईआर दर्ज की जाए।

मिस इंडिया में एक भी दलित-आदिवासी नहीं : राहुल

रिजिजू ने कहा- बाल बुद्धि सौंदर्य प्रतियोगिता में भी आरक्षण चाहते हैं, सरकार उन्हें नहीं चुनती

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में दलित-आदिवासी महिलाओं की कमी वाले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान की आलोचना की है।

रिजिजू ने रविवार को कहा कि राहुल मिस इंडिया में भी आरक्षण चाहते हैं। ये सिर्फ बाल बुद्धि की दिक्कत नहीं है। जो लोग उनकी जय-जयकार करते हैं, वे भी उतने ही जिम्मेदार हैं। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 24 अगस्त को प्रयागराज में कहा कि मैंने मिस इंडिया की लिस्ट चेक की। इसमें कोई दलित, आदिवासी या ओबीसी कम्युनिटी की महिला नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि देश सुपर पावर बन गया। कैसे सुपर पावर बन जाएगा? 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं।

रिजिजू बोले- सरकार मिस इंडिया नहीं चुनती :

राहुल के बयान पर रिजिजू ने कहा, बाल बुद्धि मनोरंजन के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन राहुल अपनी विभाजनकारी बातों से हमारे पिछड़े समुदायों का मजाक न उड़ाएं। सरकार मिस इंडिया को सिलेक्ट नहीं करती। सरकार ओलिंपिक के लिए एथलीट्स और फिल्मों के एक्टर्स को नहीं चुनती है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, पीएम मोदी जी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सुप्रीम कोर्ट को आईएएस, आईपीएस, आईएफएस समेत सभी शीर्ष सेवाओं की भर्ती में आरक्षण में बदलाव करने की इजाजत नहीं देगी। रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी से हैं। रिकॉर्ड संख्या में कैबिनेट मंत्री हैं, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हैं। राहुल को ये सब नहीं दिखता।

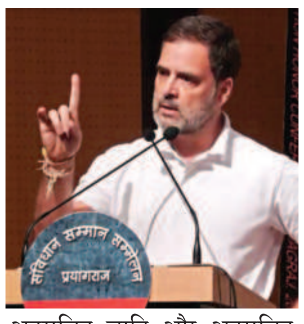

राहुल शनिवार (24 अगस्त) को प्रयागराज में 'संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसमें उन्होंने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, मैं कह रहा हूं कि जाति जनगणना करना है, मीडिया वाले कहते हैं नहीं करना है। मुझे बस डेटा चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, जाति जनगणना संविधान को मजबूत करने का काम है। इसको 10 प्रतिशत ने नहीं बनाया। इसको 100 प्रतिशत ने बनाया है। इसकी रक्षा आप लोग करते हो। अडाणी जी नहीं करते है। इकॉनोमी सोशल सर्वे कराना चाहता हूं, वो इसकी रक्षा है।

राहुल ने कहा, देश के कितने संस्थानों में दलितों-आदिवासियों की भागीदारी है। अगर उद्योगपतियों की लिस्ट निकालूं तो एक भी बड़े उद्योगपति 90 प्रतिशत वाले लोगों में नहीं हैं। सिर्फ उद्योग में ही नहीं, कॉर्पोरेट, मीडिया, बैंकिंग सिस्टम में भी दलित नहीं है। राहुल गांधी ने कहा था कि मोदीजी राजा, महाराजा, शहंशाह वाला मॉडल चलाना चाह रहे थे। मैंने मोदी जी को संविधान माथे पर लगाने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन बता दूं कि बीजेपी को मैं अपना गुरु मानता हूं। उन्होंने मुझे क्या करना है, क्या नहीं करना है, सिखाया।

पाकिस्तानी एयरस्पेस में 46 मिनट रहा पीएम मोदी का विमान

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोलैंड से लौटते वक्त पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल किया। पाकिस्तानी मीडिया हाउस ने वहां की सिविल एविएशन अथॉरिटी के अधिकारी के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी 46 मिनट तक पाकिस्तान के एयरस्पेस में थे। उनका विमान लाहौर और इस्लामाबाद से होते हुए अमृतसर पहुंचा। भारत ने फिलहाल इस मामले पर कुछ नहीं कहा है।

भारत ने 26 फरवरी 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया था। पाकिस्तान ने मार्च में, आंशिक रूप से एयरस्पेस खोला, लेकिन भारतीय उड़ानों के लिए इसे प्रतिबंधित रखा। डॉन ने ये भी दावा किया है कि 2019 में भारत ने पीएम मोदी के विमान के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल करने की परमिशन मांगी थी।

बांग्लादेश के बाद अब म्यांमार पर निगाह

भारत के पड़ोस में कुछ बड़ा होने वाला है?

नेपीडॉ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश के बाद अब म्यांमार में भी कूटनीतिक स्तर पर हलचल देखने को मिल रही है। साल 2021 से अनिश्चिचतता के माहौल में रह रहे म्यांमार की सेना जिस तरह विद्रोही गुटों के हाथों क्षेत्रों पर नियंत्रण खो रही है, उससे चीनी खेमे में निराशा का माहौल है।

दो दिन पहले ही जुंटा प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने चीनी एंबेसेडर मा जिआ के क्रेडेंशियल स्वीकार करने के दौरान कहा था कि म्यांमार चीन के साथ अपने रिश्तों को बहुत प्राथमिकता देता है।

इससे पहले, अगस्त के दूसरे हफ्ते में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार का दौरा किया था और इस दौरे में उन्होंने कहा था कि वे जुंटा और विद्रोहियों के बीच हल निकालने की कोशिश के साथ साथ चुनाव कराने के लिए अपनी ओर से मदद भी देंगे। जिस वक्त चीनी प्रतिनिधिमंडल म्यांमार में था उसी वक्त अमेरिकी अधिकारी म्यांमार के विपक्ष से वॉशिंगटन डीसी में मिल रहे थे।

अमेरिका की ओर से कहा गया कि वे मिलिट्री शासन पर दबाव डालेंगे और जनता की चुनी हुई सरकार की दिशा में काम करेंगे। जानकार कहते हैं कि अब जबकि बांग्लादेश में अमेरिका विरोधी हसीना सरकार नहीं है, ऐसे में अमेरिका म्यांमार को लेकर सक्रिय रोल निभा सकता है।

म्यांमार में चीन के प्रति भरोसा कम :

म्यांमार में गठबंधन के लड़ाकों ने हाल ही में म्यांमार चीन सीमा के पास के क्षेत्र लैशियों को जब्त किया है। इस बीच जुंटा लीडर्स के मन में चीन के प्रति भरोसा भी कम हुआ है, हालांकि ये अलग बात है कि साल 2021 के तख्तापलट के बाद उन्होंने चीन को एक भागीदार के तौर पर अपनाया भी। चीन के म्यांमार में बड़े आर्थिक हित हैं। वहां चीन की ओर से माइंस, तेल, गैस पाइपलाइन और चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे समेत बुनियादी ढांचे में काफी निवेश किया है। जानकार कहते हैं कि आने वाले वक्त में म्यांमार जियो पॉलिटिक्स का नया केंद्र बन सकता है, जिसमें चीन और अमेरिका दोनों की सक्रिय भूमिका दिख सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले आप को बड़ा झटका, पांच पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आप के पांच पार्षद भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में आप पार्षद भाजपा में शामिल हुए।

रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पांच पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों में वार्ड 178 से सुगंधा बिधूड़ी, वार्ड 28 से राम चन्द्र, वार्ड 30 से पवन सहरावत, वार्ड 180 से मंजू निर्मल, वार्ड 177 से ममता पवन शामिल हैं। आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, एकीकृत पेंशन योजना नई पेंशन योजना से भी ज्यादा खराब है। यह देश के कर्मचारियों के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। इस पेंशन योजना से देश के अर्ध सैनिक बलों को निकालकर बाहर कर दिया गया है।

रक्षा मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो को लेकर यूट्यूबर पर मामला दर्ज

गाजियाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से जुड़ा एक आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करने के आरोप में गाजियाबाद में एक यूट्यूबर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस बात की जानकारी गाजियबाद पुलिस ने शनिवार को दी। शालीमार गार्डन के एसएचओ राजेश कुमार ने कहा कि साइबर टीम वीडियो की जांच कर रही है। हम मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई करेंगे।

साहिबाबाद निवासी राजेश सिंह पर धारा 197 (भारत की एकता, संप्रभुता, अखंडता या सुरक्षा को खतरे में डालने वाली झूठी या भ्रामक जानकारी प्रकाशित करना), 353 (झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाना) और आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उनके यूट्यूब चैनल के करीब 27,000 फॉलोअर्स हैं।

2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी किंजल सिंह ने एक यूट्यूबर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आईएएस अधिकारी ने लखनऊ के गोमतीनगर थाने में इस संबंध में दर्ज कराई है। उन्होंने आरोपी यूट्यूबर पर अपने स्वर्गवासी माता-पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। इस मामले में धारा 501 व 66 आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपी यूट्यूबर उस्मान सैफी उर्फ उस्मान अली पर गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है। आईएएस अधिकारी ने आरोप लगाया कि यू-ट्यूब चैनल संचालक ने उनके स्वर्गवासी माता-पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और गलत सूचना को सोशल मीडिया पर प्रसारित किया है।

आईएएस अधिकारी की शिकायत पर गोमती नगर थाने की पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई थी। आरोपी यूट्यूबर, उस्मान सैफी सफरनामा के नाम से अपना यूट्यूब चैनल चलाते हैं। इस चैनल पर उस्मान सैफी ने आईएएस किंजल सिंह के माता-पिता को लेकर खबर

जनगणना के लिए कोई रॉकेट साइंस नहीं चाहिए बल्कि एक कॉलम जोड़ना है

अमित शाह की टिप्पणी पर आरजेडी का कटाक्ष

नई दिल्ली/पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजद ने जनगणना पर टिप्पणी के लिए रविवार को गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनगणना को कोई रॉकेट साइंस नहीं चाहिए बल्कि एक कॉलम जोड़ना है और उस कॉलम के आधार पर समाज की हकीकत सामने आ जाएगी। 2021 के बाद जनगणना ही नहीं हुई राजद नेता मनोज कुमार झा ने कहा कि 2021 के बाद जनगणना ही नहीं हुई है।

ऐसा इस देश में पहली बार हुआ है। क्यों रोके हुए हैं? चिंता होती है, संदेह होता है कि इतना विशाल देश, जहां बड़े से बड़े मुश्किल दौर में भी जनगणना नहीं रुकी। इसके लिए कोई रॉकेट साइंस नहीं चाहिए बल्कि एक कॉलम जोड़ना है और उस कॉलम के आधार पर समाज की हकीकत सामने आ जाएगी।

अगर हम यह हासिल नहीं करना चाहते तो जाहिर तौर पर हम उसी व्यवस्था को बनाए रखना चाहते हैं कि 2.5-3 प्रतिशत लोग 96 प्रतिशत लोगों की तकदीर का लगातार फैसला करते रहें। उचित समय पर कराई जाएगी जनगणनाः अमित शाह बता दें कि शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि जनगणना उचित समय पर कराई जाएगी। जब इस पर निर्णय हो जाएगा, तब इसकी घोषणा की जाएगी। पूरे देश में एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक जनगणना के मकान सूचीकरण चरण और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन करने की कवायद की जानी थी, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

वास्तविक घरेलू आय में आई अभूतपूर्व गिरावट

अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती के प्रति सरकार ने बंद की आंखें: कांग्रेस

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि धीमी वेतन वृद्धि और "कमरतोड़" महंगाई के कारण वास्तविक घरेलू आय में अभूतपूर्व गिरावट आई है। "शुतुरमुर्ग वाली कहावत" की तरह सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष खड़ी सबसे बुनियादी चुनौती के प्रति आंखें बंद किए हुए है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि एक जानी-मानी ब्रोकरेज कंपनी की नयी रिपोर्ट ने एक बार फिर उस सच्चाई को सामने ला दिया है जिसे केंद्र सरकार लगातार नकारती रही है भारत में वास्तविक घरेलू आय में लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने एक बयान में कहा, "धीमी वेतन वृद्धि और कमरतोड़ महंगाई के कारण वास्तविक मजदूरी (महंगाई के हिसाब से समायोजित वेतन) या कहें कि आय में अभूतपूर्व गिरावट आयी है।" रमेश ने कहा कि कई सर्वेक्षण और

डेटा, जिनमें अपंजीकृत उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डेटा और घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) शामिल हैं, ने कामकाजी भारतीयों के बीच वित्तीय संकट को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के अपने आधिकारिक आंकड़ों सहित डेटा के कई स्रोतों ने इस बात के स्पष्ट प्रमाण भी दिखाए हैं कि श्रमिकों की क्रय शक्ति (खरीदारी करने की क्षमता) 10 साल पहले की तुलना में आज कम हो गयी है। कांग्रेस नेता ने कहा, "श्रम ब्यूरो का वेतन दर सूचकांक (सरकारी डेटा) : श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी 2014-2023 के बीच स्थिर रही और 2019-2024 के बीच इसमें गिरावट आयी है। कृषि मंत्रालय की कृषि सांख्यिकी (सरकारी डेटा) : डॉ। मनमोहन सिंह के कार्यकाल में खेतिहर मजदूरों की वास्तविक मजदूरी हर साल 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में खेतिहर मजदूरों की वास्तविक मजदूरी में हर साल शून्य से नीचे 1.3 प्रतिशत की गिरावट आयी।" जयराम रमेश ने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण सीरीज (सरकारी डेटा) के हवाले से कहा कि समय के साथ औसत वास्तविक कमाई 2017 और 2022 के बीच सभी प्रकार के रोजगारों - वेतनभोगी श्रमिकों, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और स्व-रोजगार श्रमिकों में स्थिर हो गयी है। उन्होंने श्रम अनुसंधान एवं कार्रवाई केंद्र के हवाले से कहा कि 2014 और 2022 के बीच ईंट भट्ठा श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी या तो स्थिर हो गयी है या घट गयी है। उन्होंने कहा कि ईंट भट्ठों में भारी श्रम लगता है और यह भारत के सबसे गरीब लोगों के लिए कम वेतन वाला अंतिम विकल्प होता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, "आठ अगस्त 2024 को राज्यसभा में वित्त विधेयक पर अपने हस्तक्षेप में, मैंने नॉन-बायलॉजिकल प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों से अर्थव्यवस्था की स्थिति पर सीधे चार सवाल पूछे थे।" उन्होंने कहा, "नॉन-बायलॉजिकल प्रधानमंत्री ने अभी तक इन पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है, इसलिए इन्हें दोहराना उचित होगा : निजी निवेश सुस्त क्यों बना हुआ है? ओवरऑल निवेश में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी चार वर्षों में सबसे निचले स्तर पर क्यों गिर गई है?" उन्होंने पूछा, "उपभोग वृद्धि इतनी कमजोर क्यों है? और निजी अंतिम उपभोग व्यय- जीडीपी का सबसे बड़ा घटक- वित्त वर्ष 2014 में केवल चार प्रतिशत के आसपास क्यों बढ़ा? वास्तविक मजदूरी और आय स्थिर क्यों या इसमें गिरावट क्यों आ रही है? कांग्रेस नेता ने कहा, "जीडीपी के प्रतिशत के रूप में विनिर्माण संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के कार्यकाल में 16.5 प्रतिशत से अब गिरकर 14.5 प्रतिशत क्यों हो गया है? कपड़ा जैसे श्रम प्रधान विनिर्माण क्षेत्र में यह गिरावट विशेष रूप से तेज क्यों रही है? भारत का कपड़ा निर्यात 2013-14 में 15 अरब डॉलर से गिरकर 2023-24 में 14.5 अरब डॉलर क्यों हो गया है?" जराम रमेश ने कहा, "केंद्रीय बजट आया और चला गया, लेकिन शुतुरमुर्ग वाली कहावत की तरह नॉन-बायलॉजिकल प्रधानमंत्री और उनकी सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष खड़ी सबसे बुनियादी चुनौती के प्रति आंखें बंद किए हुए हैं।"

लोसर और काजा को जोड़ने वाला पुल ढहा साथ में डंपर भी गिरा

कुल्लू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। एनएच 505 पर लोसर और काजा को जोड़ने वाला पुल आज सुबह 11:00 बजे के आसपास ढह गया। साथ में पुल से गुजर रहा एक डंपर भी गिर गया। यातायात को अब चिचोंग गांव से होकर भेजा जा रहा है। वहीं, लाहौल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने कहा कि स्पीति के चिचोंग पुल ढहने की सूचना मिली। तत्काल बीआरओ के ओसी से बात हो चुकी है और मौके पर 2 ओएसी रवाना हो चुके हैं। डंपर में मौजूद व्यक्ति सुरक्षित है और यह हादसा अधिक लोड के कारण हुआ बता रहे हैं। फिलहाल के लिए ट्रैफिक को कियामो पुल के द्वारा डायवर्ट किया गया है और बीआरओ जल्द ही कल्वर्ट बनाने का कार्य आरंभ करेगी, ताकि स्थानीय लोगों को समस्या न रहे।

टीएमसी नेता ने सीतारमण से बीमा प्रीमियम पर 18 % जीएसटी वापस लेने का अनुरोध किया

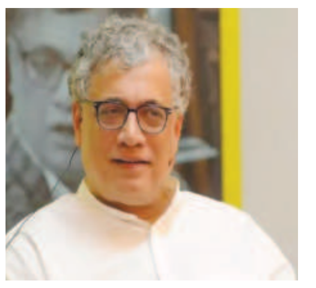

कोलकाता, 25 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की "तत्काल समीक्षा" करने और इसे वापस लेने का आग्रह किया है। ओ'ब्रायन ने 24 अगस्त को लिखे पत्र में मांग की कि जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में स्वास्थ्य तथा जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लिया जाए। 18 % जीएसटी 45 करोड़ भारतीयों पर बोझ राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता ओ'ब्रायन ने कहा, "स्वास्थ्य तथा जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर मध्यम वर्ग के 45 करोड़ भारतीयों पर एक बोझ है।" उन्होंने कहा, "ये बीमा योजनाएं संकट के समय वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती हैं, चाहे वह कोई बीमारी, दुर्घटना या असामयिक मृत्यु हो।

यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि समाज के सभी वर्ग इस महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा का खर्च उठाने में सक्षम हों।" मध्यम वर्ग पर इसका गंभीर असर पड़ा है ओ'ब्रायन ने यह भी आशंका व्यक्त की कि हो सकता है कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर उच्च जीएसटी दर लगाने से कई नागरिक बीमा योजनाओं का विकल्प न चुनें या यहां तक कि मौजूदा पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी को नवीनीकृत नहीं करें। उन्होंने कहा, "व्यापक रूप में जनता और खासतौर से मध्यम वर्ग पर इसका गंभीर असर पड़ा है।" उन्होंने कहा कि तृणमूल तथा कई अन्य विपक्षी दलों ने संसद में इस मुद्दे को उठाया था जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस महीने की शुरुआत में वित्त मंत्री को पत्र लिखा था तथा उनसे अनुरोध किया था कि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस ली जाए। नितिन गडकरी ने भी इस मुद्दे पर आपको पत्र लिखा था तृणमूल नेता ने कहा, "20 राजनीतिक दलों के 350 सांसदों ने छह अगस्त को संसद में इसका विरोध किया था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस मुद्दे पर आपको पत्र लिखा था।"

उन्होंने कहा, "जीएसटी दर घटाने का समर्थन वित्त मामलों पर स्थायी समिति ने संसद में फरवरी 2024 में सौंपी अपनी 66वीं रिपोर्ट में भी किया था।" वहीं, सीतारमण ने पहले कहा था कि जीएसटी में कोई भी संशोधन जीएसटी परिषद द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

पाखरो टाइगर सफारी केस: सीबीआई की जांच जारी पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत से 2 घंटे चली पूछताछ

देहरादून, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड में पाखरो सफारी निर्माण की जांच सीबीआई कर रही है। कल सीबीआई ने पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत से कई सवाल पूछे लगभग 2 घंटे तक ये पूछ ताछ चली हरक सिंह रावत ने सीबीआई को कुछ दस्तावेज भी सोपे है। पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत से सीबीआई ने करीब दो घंटे तक पूछताछ की। उन्होंने सीबीआई को कुछ गोपनीय दस्तावेज सौंपे और दावा किया कि उनका इस मामले में कोई लेना-देना नहीं है। पाखरो रेंज में टाइगर सफारी बनाने में अनियमितताएं सामने आई थीं। इसे लेकर विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी बाद में इस जांच को सीबीआई को सौंप दिया गया सीबीआई ने जांच को आगे बढ़ाते हुए हरक सिंह रावत से पूछताछ की। वहीं पूर्व मंत्री ने सीबीआई को कुछ दस्तावेज सौंपे है। हरक सिंह रावत ने अपनी बेगुनाही का दावा किया है, लेकिन सीबीआई की जांच में सच्चाई सामने आएगी। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें सजा मिलेगी।

बता दें की इस घोटाले में कई अनियमितताएं सामने आई हैं, जिनमें टाइगर सफारी बनाने में भ्रष्टाचार, नियमों का उल्लंघन और सरकारी धन का दुरुपयोग शामिल है। सीबीआई की जांच में इन अनियमितताओं के पीछे के लोगों का पता लगा रही है। सीबीआई ने पिछले साल देहरादून से लेकर कोटद्वार तक कई संस्थानों और कार्यालयों में छापा मारा था। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद सीबीआई ने गत 14 अगस्त को पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत को भी इंदिरा नगर स्थित कार्यालय बुलाकर पूछताछ की थी। इस पूरे मामले में उनसे विस्तृत जानकारी ली गई है।

यूपी में फिर अपने मिशन को धार देने में लगे सीएम नीतीश कुमार, इस मंत्री को दी जिम्मेदारी

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की सत्ताधारी राजनीतिक दल जनता दल यूनाइडेट ने अब उत्तर प्रदेश की सियासत में एंट्री की तैयारी कर ली है। सीएम नीतीश कुमार ने यूपी में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री और जदयू के यूपी प्रभारी श्रवण कुमार को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जिसके बाद उन्होंने आगे की रणनीति में काम करना शुरू कर दिया है। लखनऊ में यूपी प्रभारी श्रवण कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं और तमाम पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की, जिसमें उन्होंने यूपी में पार्टी के संगठन को और मजबूत करने पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा कि बिना संगठन को मजबूत किए पार्टी आगे नहीं बढ़ सकती है। इसलिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों को साथ मिलकर इसके लिए आगे मिलकर काम करना होगा।

यूपी में पार्टी को मजबूत करने की तैयारी

श्रवण कुमार ने लखनऊ में पदाधिकारियों के साथ दिनभर बैठक की। इस दौरान इस बात को लेकर चर्चा की गई कि प्रदेश में पार्टी को आगे कैसे बढ़ाना है। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगे की रुपरेखा भी बताई। इस बैठक में जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारी पार्टी के साथ हर वर्ग और समुदाय के लोग जुड़ रहे हैं। जिससे जेडीयू का जनाधार प्रदेश में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को जमीन पर उतरकर लोगों को पार्टी के साथ जोड़ना होगा।

हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर उत्तर प्रदेश में भी जेडीयू मज़बूत हो सकती है। हमें यूपी में पार्टी की ज़मीन तैयार करनी होगा। उत्तर प्रदेश में अभी विधानसभा चुनाव में समय है। ऐसे में अभी से पार्टी को काम पर जुटना होगा। ताकि चुनाव तक पार्टी के साथ ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ सके।

जेडीयू की इस बैठक में जेडीयू युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत सिंह पटेल, महिला प्रदेश अध्यक्ष पूनम सिंह, वरिष्ठ नेता अवधेश सिंह, कल्पनाथ वर्मा, ममता सिंह, देव कुमार साकेत, आनंद कुमार सिंह, अभिषेक पटेल, सुभाष पाठक, कल्पनाथ वर्मा समेत कई नेता मौजूद रहे

'मोदी सरकार के कारण ही ले सके रात्रि भोज का आनंद', डॉ. जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी पर कसा तंज

जम्मू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर में स्थिरता लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इससे राहुल गांधी जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शांति के माहौल में श्रीनगर के अहदूस रेस्तरां में रात्रि भोज का आनंद ले सके। यह इसलिए संभव हुआ, क्योंकि मोदी सरकार ने घाटी में हालात सामान्य बनाया है। अब वह शांति का माहौल है। एक निजी चैनल के साथ बातचीत में उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के बीच हालिया गठबंधन को राजनीतिक हताशा की उपज बताया।

डॉ. जितेंद्रसिंह ने कहा राजनीतिक अस्तित्व की खातिर विचाराधारा त्यागकर यह अपवित्र गठबंधन बना है। ऐसा लोगों की सेवा के लिए नहीं, बल्कि आत्मरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा कि यह सत्ता के नेपथ्य में बना गठबंधन है, जिसमें जम्मू-कश्मीर के नागरिकों की आकांक्षाओं या जरूरतों की कोई परवाह नहीं है। उनका परोक्ष एजेंडा दो झंडे, दो संविधान के

विभाजनकारी ढांचे को बहाल करने के प्रयास से कम नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाकर जवाहरलाल नेहरू के अधूरे काम को पूरा करने के लिए कांग्रेस को पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहिए। नेहरू ने रिकॉर्ड पर कहा था कि अनुच्छेद 370 समय के साथ गायब हो जाएगा, लेकिन यह निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए काम करता रहा। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के ऐतिहासिक फैसले से जम्मू-कश्मीर में एक बड़ी आबादी को न्याय और समान अधिकार मिले, जो पिछले सात दशक इनसे वंचित थे। पिछले पांच वर्ष में मोटे तौर पर लोकतांत्रिक शासन, विकास और सुरक्षा हालात में बड़ा बदलाव आया है।

किसानों को राहत, जमीन बेचने को नहीं लेनी होगी एनओसी

प्रयागराज, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने नोएडा के जिला मजिस्ट्रेट के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें किसानों को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में यमुना और हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अपनी कृषि भूमि बेचने के लिए 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (एनओसी) प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम के अनुरूप नहीं है। न्यायालय ने कहा कि नोएडा के अधिकारी ऐसी शर्तें लगाकर अपनी गलतियों को नहीं छिपा सकते, जिनका (आपदा प्रबंधन) अधिनियम के साथ कोई औचित्य नहीं है।

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, जिला मजिस्ट्रेट को हिंडन और यमुना नदियों के डूब क्षेत्र में संपत्ति हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने का अधिकार नहीं देता है। गौरतलब है कि साल 2020 में, आपदा प्रबंधन समिति ने एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि दोनों नदियों के डूब क्षेत्रों

में मौजूद कृषि भूमि की खरीद-बिक्री के लिए नोएडा प्राधिकरण और सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य है। सिंचाई विभाग और नोएडा प्राधिकरण से एनओसी लेना टेढी खीर बन गया। प्रक्रिया सुव्यवस्थित नहीं थी। अधिकारियों के लिए रजिस्ट्री आवेदनों को मंजूरी देने के लिए कोई विशिष्ट समयसीमा नहीं थी, जिससे लंबे समय तक आवेदन लटकते रहे। इससे किसान अपनी जमीन बेचने से वंचित रहे गए और उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया।

व्यवस्था का मजाक बना दिया

सुरेश चंद और अन्य द्वारा दायर रिट याचिकाओं का निपटारा करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम के अनुरूप नहीं है और इसलिए एनओसी की अनिवार्यता को अवैध पाया गया। अदालत ने बाढ़ क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों को रोकने में विफल रहने के लिए नोएडा अधिकारियों की कड़ी आलोचना की। अदालत ने आश्चर्य व्यक्त किया कि डीएम के आदेश में विक्रेताओं को एनओसी लेने के लिए कहा गया था। अदालत ने कहा कि यह व्यवस्था का पूरी तरह से मजाक उड़ाने के समान है।

अवैध निर्माण रोकें पर किसानों के अधिकारों का हनन न करें

न्यायालय ने कहा कि भविष्य में किसी भी तरह की आपदा और मानव जीवन और संपत्ति के नुकसान को कम करने के लिए उचित प्रतिबंध लगाना और डूब क्षेत्र में आने वाले अवैध/अनधिकृत निर्माणों पर रोक लगाना अनिवार्य है। हालांकि, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005, जिला मजिस्ट्रेट को हिंडन और यमुना नदियों के डूब क्षेत्र में संपत्ति हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने का अधिकार नहीं देता है।

अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि नोएडा प्राधिकरण किसानों को एनओसी जारी करने वाला कोई नहीं है और कहा कि प्रत्येक नागरिक को संपत्ति हासिल करने, बेचने और निपटाने का अधिकार है। किसी व्यक्ति के संपत्ति अधिकारों पर अधिकारियों द्वारा लगाए गए किसी भी प्रतिबंध से भारत के संविधान के अनुच्छेद 300 ए का उल्लंघन होगा, जिसमें कहा गया है कि कानून के अधिकार के बिना किसी को भी उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता है।

जो लड़कियों को हाथ लगाए उसे नपुंसक बना दें

महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर अजित पवार का बयान

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बदलापुर में स्कूल की छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर लोगों के बीच काफी गुस्सा है। बदलापुर में लोगों ने कई दिन तक प्रदर्शन कर यह सुनिश्चित किया कि आरोपी को सजा मिले और स्कूल में बच्चियों की सुरक्षा के लिए प्रशासन कुछ कदम उठाए। इस बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजीत पवार ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को नपुंसक बना दिया जाना चाहिए। पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल में महिलाओं के लिए महायुति सरकार की प्रमुख 'लड़की बहिन' योजना के बारे में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, पवार ने कहा कि राज्य में भाजपा-शिवसेना-एनसीपी सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोपी किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ेगी। पवार ने कहा, जो लोग हमारी लड़कियों पर हाथ डालते हैं, उन्हें कानून का ऐसा कोप दिखाना चाहिए कि वे दूसरी बार इसके बारे में सोचें भी नहीं। मेरी भाषा में, मैं कहूंगा कि उन्हें नपुंसक बना दिया जाना चाहिए, ताकि अपराध की पुनरावृत्ति न हो। इन लोगों के साथ ऐसा ही किया जाना चाहिए जो इतने बेकार हैं। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार ने महा विकास अघाड़ी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधकर पुणे में बदलापुर की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ईसी के ऐलान से बीजेपी का बिगड़ा समीकरण अब वो चुनावी हार की संभावनाओं को देख अभी से भयभीत है', मनीष सिसोदिया का दावा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा बीजेपी के अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडोली द्वारा चुनाव आयोग से एक अक्टूबर को मतदान की तिथि बदलने की मांग के बाद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा एक अक्टूबर को हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर मतदान कराने की घोषणा से भारतीय जनता का चुनावी समीकरण गड़बड़ा गया है। अब वो चुनावी हार की संभावनाओं को देख अभी से भयभीत है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने अपने तय कैलकुलेशन के आधार पर समय से 20 दिन पहले हरियाणा में चुनाव कराने का फैसला लिया। उसके आधार पर हरियाणा और महाराष्ट्र का चुनाव जान बूझकर अलग-अलग करवाने की व्यवस्था की, लेकिन जमीन की स्थिति बता रही है कि बीजेपी का हरियाणा में इससे चुनाव कैलकुलेशन अब गड़बड़ा चुका है। मनीष सिसोदिया का दावा है कि अपनी हार सामने देख बीजेपी घबरा गई है,

इसीलिए वो अब चुनाव से भागने की कोशिश कर रही है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि उसके प्रदेश अध्यक्ष ने एक अक्टूबर को मतदान की तारीख टालने के लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। आप नेता मनीष सिसोदिया ने आगे कहा है कि हमारे संविधान और हमारे लोकतंत्र की यही खूबी है कि कोई भी पार्टी कितनी ही अहंकार से भरी क्यों ना हो, जांच एजेंसियों का भले ही दुरुपयोग कर ले, वो ना तो चुनाव से भाग सकती है और ना जनता से। दरअसल, हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली ने 22 अगस्त को निर्वाचन आयोग को एक पत्र लिखा है कि 28 और 29 सितंबर को शनिवार व रविवार का अवकाश है। एक अक्टूबर को मतदान होना है। दो अक्टूबर को गांधी जयंती है। यानी सरकारी कर्मचारियों को 28 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच केवल एक दिन (30 सितंबर) को काम करने का मौका मिलेगा। इससे मतदान की तैयारियां प्रभावित होंगी। लोग चार से पांच दिन लगातार छुट्टियों का लाभ उठाकर घर से बाहर निकल सकते हैं। ऐसे में मतदान प्रतिशत कम हो सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग मतदान की तारीख आगे बढ़ा दे। ऐसा करने से मतदान में अधिक से अधिक मतदाता भाग ले पाएंगे।

मनचलों ने सरेआम दो बहनों से छेड़छाड़ की

छिंदवाड़ा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जुन्नारदेव में छेड़खानी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कुछ मनचलों ने सरेराह दो बहनों से छेड़खानी की। लेकिन जुन्नारदेव पुलिस टाला मटोली करती रही। जब एसपी तक मामला गया, तब पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई की।

जुन्नारदेव में किराए से रहकर पढ़ाई कर रही दो बहनों ने पुलिस को बताया कि 22 अगस्त की रात वह जब मार्केट से लौट रही थी। तब स्कार्पियो सवार कुछ लड़कों ने उनके साथ गाड़ी अड़ाकर छेड़खानी की। इसके बाद वह अपनी जान बचाकर अस्पताल के अंदर चली गई। जैसे-तैसे अस्पताल के गार्ड ने उन्हें अपने घर तक सुरक्षित पहुंचाया।

पुणे कलेक्टर दफ्तर के बाहर लगे 'सर तन से जुदा'के नारे, पुलिस ने दर्ज किया केस

पुणे, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर महंत रामगिरी के खिलाफ 'सर तन से जुदा' के नारे लगाए गए। दरअसल, शुक्रवार को पुणे में चंद्रशेखर रावण की पार्टी आजाद समाज पक्ष की तरफ से पुणे कलेक्टर कार्यालय पर विशाल मोर्चा निकाला गया था। यह मोर्चा महंत रामगिरी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर निकाला गया था। जैसे ही यह मोर्चा कलेक्टर कार्यालय पहुंचा तब मोर्चे में शामिल लोगों ने 'गुस्ताख ए रसूल की एक ही सजा, सर तन से जुदा' का नारा लगाया था। पुलिस ने इस विवादित नारे को लेकर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पुणे पुलिस ने बीएनएस की धारा 189, 190, 196, 223 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

कुल 28 आरोपियों की पहचान की गई है। इनके अलावा 200 से 300 के करीब अज्ञात आरोपी हैं। बताया जाता है कि आजाद समाज पार्टी के भीमराव कांबले ने बगैर पुलिस परमिशन के यह मोर्चा निकाला था। दरअसल, महंत रामगिरी पर नासिक के सिन्नर स्थित पंचाले गांव में एक प्रवचन के दौरान भड़काऊ टिप्पणी करने का आरोप है। इस सबंध में उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

संभाजी नगर और अहमदनगर भी उनके खिलाफ भीड़ ने प्रदर्शन किया था। महंत रामगिरी के खिलाफ कई थानों में मामला दर्ज कराया गया गया है। बताया जाता है कि महंत रामगिरी ने कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
प्रारंभ किसी काम का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

हेरिटेज टॉवर कंक्रीट के जंगल में आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करेगा : मुख्यमंत्री

ऐसा दुर्लभ अवसर जीवन में केवल एक बार ही आता है।

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद में हरे कृष्ण हेरिटेज टॉवर की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद में हरे कृष्ण हेरिटेज टॉवर की आधारशिला रखी। इस अवसर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा ऐसा दुर्लभ अवसर जीवन में केवल एक बार ही आता है। मैं मुख्य अतिथि के रूप में इतने बड़े कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा हूँ। हेरिटेज टॉवर कंक्रीट के जंगल में आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करेगा। 430 फीट की ऊँचाई पर बन रहा यह टॉवर तेलंगाना का गौरव भी है। इस टॉवर का निर्माण 36 या 40 महीनों में पूरा हो जाएगा और नए भवन का उद्घाटन भी मेरे द्वारा किया जाएगा। यह इतिहास का एक महान अवसर है। उन्होंने कहा कि निज़ाम शासकों ने सौ साल पहले हैदराबाद को लेक सिटी के रूप में विकसित किया था। झीलों और तालाबों के आसपास विलासिता के लिए कुछ फार्म हाउस बनाए गए हैं जो करोड़ों लोगों की प्यास बुझाते हैं। फार्म हाउसों से निकलने वाला गंदा पानी गांदीपेट और हिमायत सागर में बहाया जा रहा है जो शहर को पीने का पानी उपलब्ध करा रहे हैं। निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते हमें उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। यही कारण है कि सरकार ने हाइड्रा के माध्यम से लाखों लोगों को अतिक्रमण से बचाना शुरू किया है। कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दी गई शिक्षा से प्रेरित होकर हमारी सरकार झीलों पर अतिक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। यह राजनीति या राजनीतिक दलों के लिए कोई कार्यक्रम नहीं है। सरकार ने भावी पीढ़ियों को बेहतर जीवन प्रदान करने की इच्छा से इस कार्यक्रम को शुरू किया है। हम दबाव में नहीं आएंगे और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। हमारी सरकार भगवान कृष्ण की शिक्षाओं की भावना में धर्म के लिए खड़ी है। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता दी है। हरे कृष्ण फाउंडेशन से उस्मानिया, गांधी, एनआईएमएस और कैंसर अस्पतालों में भोजन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। सरकार इस महान उद्देश्य के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगी।

हाइड्रा के नाम पर राज्य में हाई ड्रामा : हरीश राव

सरकार का विपक्षी पार्टी के नेताओं पर अधिक ध्यान

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक हरीश राव ने आलोचना की है कि हर घर में एक व्यक्ति बुखार से पीड़ित है और पक्षियों की तरह तड़प कर मर रहा है और कहा कि राज्य सरकार को चींटी भी नहीं चुभ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अवैध निर्माण के नाम पर विपक्षी पार्टी के नेताओं और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाने में व्यस्त है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में डेंगू के मामलों में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और कहा कि राज्य सरकार ने अब तक डेंगू के मामलों की एक भी समीक्षा नहीं की है। उन्होंने पूछा, सरकारी अस्पतालों में कोई दवा नहीं है। क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ है। हैदराबाद में तेलंगाना भवन में पार्टी विधायकों पल्ला राजेश्वर रेड्डी और पायलट रोहित रेड्डी के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राव ने आरोप लगाया कि राज्य में सफाई व्यवस्था अव्यवस्थित हो गई है और पूछा कि क्या मच्छरों को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत सरकार ने राजनीति को भटकाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाइड्रा के नाम पर राज्य में हाई ड्रामश चल रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी को परेशान करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पल्ला राजेश्वर रेड्डी ऐसे परिवार से हैं जो चींटी को भी नुकसान नहीं पहुंचाता। नोटिस जारी करने के बाद, अगर कोई गलती है, तो उसे ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए। वे पल्ला का राजनीतिक रूप से सामना करने में असमर्थ हैं और उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने की फिराक में हैं। सिंचाई और राजस्व विभागों ने रिपोर्ट दी है कि एफटीएल और बफर जोन में राजेश्वर रेड्डी की कोई जमीन नहीं है। जिला कलेक्टर ने भी एनओसी जारी की है। कॉलेज का निर्माण एचएमडीए की अनुमति से किया गया था। रिकॉर्ड की जांच के बाद कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को राजनीति से प्रेरित मामलों में अति उत्साही नहीं होना चाहिए। उन्होंने पूछा, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध क्यों है? राव ने कहा कि पल्ला राजेश्वर रेड्डी के खिलाफ अवैध रूप से छह मामले दर्ज किए गए हैं।

महिला ने हेयर डाई पीकर आत्महत्या की

मंचेरियाल, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। थंडूर मंडल के थंगल्लापल्ली गांव में शनिवार रात एक 27 वर्षीय महिला ने हेयर डाई पीकर आत्महत्या कर ली। थंडूर के उपनिरीक्षक किरण कुमार ने बताया कि पासुलोती मीना ने शनिवार शाम को डाई पीकर जान देने का प्रयास किया। उन्हें तुरंत मंचेरियाल के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां रात 11.30 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मीना पिछले कुछ वर्षों से अपने पति के साथ विवाद के बाद अपने माता-पिता के घर रह रही है। उनकी शादी 2016 में पेड्डापल्ली जिले के कमानपुर मंडल के गुंडाराम गांव के नरेश से हुई थी। दंपति के दो बेटे और एक बेटी हैं।

हमें अपना अधिकार मांगना चाहिए : पोन्नम प्रभाकर

ओबीसी अधिवक्ता सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू ललित कला विश्वविद्यालय मासाब टैंक सभागार में इंडियन लीगल प्रोफेशनल एसोसिएशन द्वारा ओबीसी अधिवक्ता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हमें अपना अधिकार मांगना चाहिए। हम इसके मालिक हैं, हमारी भागीदारी हमारा अधिकार है। उच्च न्यायालय और जिलों में कमजोर वर्गों की संख्या इतनी है कि हमारे पास ज्ञान के भंडार वाले न्यायिक न्यायाधीशों की संख्या भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि आपके पूछे गए प्रत्येक शब्द पर सरकार द्वारा विचार किया जाएगा। तेलंगाना के गठन में आपकी भूमिका अविस्मरणीय है। मंत्री ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क के नेतृत्व में जाति जनगणना पूरी करेंगे। गली से लेकर दिल्ली तक कमजोर वर्ग के वकील एकजुट हों। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही एससी वर्गीकरण किया जाता है। ओबीसी संसद समिति के सदस्य के रूप में कई संघर्ष किये। हमने कई राज्यों का दौरा किया। 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने वाला कोई नहीं है। दलित आदिवासियों से लेकर कमजोर वर्ग तक को कानूनी सहायता प्रदान करें। हमारे अधिकारों को लेकर कानूनी नीति लायी जाये। न्याय के मामले में कमजोर वर्गों को जो मिलना चाहिए उसके लिए खड़े हों। उन्होंने कहा कि ज्योति बाई फुले, सावित्री बाई फूले, अम्बेडकर से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। कांग्रेसी नेता राहुल गांधी ने कहा कि संसद में जाति गणना पर बिल जरूर पास करेगी। विधानसभाओं में हमारे प्रतिनिधि होंगे तो हमें हमारा अधिकार मिलेगा। कई आईएएस, आईपीएस, जज, विधायक, सांसद कमजोर वर्ग से हैं। हम नारायण गुरु, रामास्वामी पेरियार जैसे लोगों को याद करते हैं।

हाइड्रा के ध्वस्तीकरण पर असदुद्दीन ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा द्वारा ध्वस्तीकरण का मुद्दा तेलंगाना में गर्म विषय बन गया है। विपक्षी नेता सरकारी अधिकारियों द्वारा अवैध संरचनाओं को एकतरफा ध्वस्त करने का विरोध कर रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि वह हुसैन सागर झील के एफटीएल क्षेत्र में बनी सरकारी इमारतों का क्या करेगी?। हैदराबाद शहर में हाइड्रा द्वारा अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असदुद्दीन ने सरकार से पूछा कि क्या एफटीएल क्षेत्र के भीतर बनी नेकलेस रोड को भी हटाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का कार्यालय भी पानी के तालाब में बनाया गया है। असदुद्दीन ने पूछा, क्या जीएचएमसी कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया जाएगा। असद की टिप्पणी अब तेलंगाना में चर्चा का विषय बन गई है। दूसरी ओर, सीएम रेवंत ने अवैध संरचनाओं के चल रहे विध्वंस पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी दबाव में तालाबों में अतिक्रमण किए गए ढांचे को ध्वस्त करने का फैसला किया है।

साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने 175 करोड़ की धोखाधड़ी में दो लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में साइबर सुरक्षा ब्यूरो मुख्यालय के कर्मियों ने 175 करोड़ के घोटाले में शामिल होने के आरोप में मोहम्मद शोएब तौकीर और महमूद बिन अहमद बावजीर के रूप में पहचाने गए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। एक स्वत: संज्ञान शिकायत के आधार पर, हैदराबाद मुख्यालय के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में आईटी अधिनियम की धारा 66डी के तहत सीआर संख्या 28/2024 और बीएनएस अधिनियम की धारा 318 (4), 319 (2) और 338 के तहत मामला दर्ज किया गया था। साइबर सुरक्षा ब्यूरो डेटा विश्लेषण टीम ने एसबीआई, शमशीरगंज में छह बैंक खातों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर रिपोर्ट की गई कई शिकायतों का पता लगाया। सावधानीपूर्वक जांच करने पर पता चला कि मार्च और अप्रैल 2024 के दौरान इन खातों के जरिए बड़ी रकम का लेन-देन किया गया था। खाताधारकों पर बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी में शामिल होने का संदेह था। इन खातों से करीब 600 शिकायतें जुड़ी हैं। दुबई से संचालित मुख्य जालसाज और उसके पांच सहयोगी गरीब लोगों को बैंक खाते खोलने के लिए लुभाने और कमीशन के आधार पर साइबर अपराध और हवाला संचालन में इस्तेमाल करने के लिए आपूर्ति करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। शोएब ने बैंक खाते खोलने और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खाते खोलने के बाद, चेक पर खाताधारकों के हस्ताक्षर प्राप्त किए गए, जिन्हें बाद में एक सहयोगी के पास रखा गया। कुछ पैसे क्रिप्टो करेंसी के जरिए दुबई भेजे गए। सहयोगियों ने मुख्य जालसाज के निर्देशों का पालन करते हुए पैसे निकाले और अपने एजेंटों के माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों को वितरित किए। मुख्य जालसाज के निर्देशों का पालन करते हुए, शोएब और उसके अन्य साथियों ने कुछ गरीब व्यक्तियों को कमीशन का लालच देकर फरवरी 2024 में एसबीआई की शमशीरगंज शाखा में छह चालू खाते खोलने के लिए राजी किया। मार्च और अप्रैल में इन छह खातों में लगभग 175 करोड़ के महत्वपूर्ण लेन-देन हुए। आरोपियों की पहचान मोहम्मद शोएब तौकीर के रूप में हुई है, जो 135/3 आरटी, विजयनगर कॉलोनी, मसाबटैंक में रहते हैं और मोहम्मद बिन अहमद बावजीर 23-2-199/डी2, मोगुलपुरा, हैदराबाद में रहते हैं। पुलिस ने लोगों को आगाह किया कि वे किसी और के लिए बैंक खाता न खोलें या संदिग्ध लेन-देन में शामिल न हों। यदि आपने पहले से ही खच्चर खाता खोला हुआ है, तो इसकी सूचना 1930 या cybercrime.gov.in पर दें।

बैंक खाते खोलने के लिए अनचाहे प्रस्तावों से सावधान रहें। आपसे खाता खोलने के लिए कहने वाले किसी भी व्यक्ति की पहचान और क्रेडेंशियल सत्यापित करें और अपने खाते की गतिविधि पर नियमित रूप से नज़र रखें। यह ऑपरेशन पुलिस उपाधीक्षक हरि कृष्ण और के.वी.एम. प्रसाद द्वारा पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह की देखरेख में आयोजित किया गया।

इतने सालों तक सत्ता में रहे

तब क्यों नहीं कराई जातीय जनगणना?' मायावती का राहुल गांधी पर बड़ा हमला

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। देश में जातीय जनगणना को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस जैसी मुख्य विपक्षी पार्टी ने जातीय जनगणना करने की मांग उठाई है। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती ने जातीय जनगणना की मांग और संविधान सम्मान समारोह को लेकर कांग्रेस की दोगली सोच बताया है।

चाल और चरित्र से रहें सावधान

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कांग्रेस के खिलाफ कई बातें लिखी हैं। इसमें मायावती ने कहा, 'इतने सालों तक आप सत्ता में रहे, तब जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई है।' साथ ही मायावती ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि चाल और चरित्र से सावधान रहें। मायावती ने एक्स पर कहा कि शनिवार को प्रयागराज में संविधान सम्मान समारोह करने वाली कांग्रेस पार्टी को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के अनुयायी कभी माफ नहीं करेंगे, जिसने संविधान के मुख्य निर्माता बाबा साहेब को उनके जीते-जी व देहान्त के बाद भी भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं किया।

कांशीराम के देहांत पर नहीं घोषित किया राष्ट्रीय शोक

अब बाबा साहेब की मूवमेन्ट को गति देने वाले कांशीराम का देहान्त होने पर इसी कांग्रेस ने केन्द्र में अपनी सरकार के रहते इनके सम्मान में एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक तथा सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इनकी ऐसी दोगली सोच, चाल, चरित्र से जरूर सजग रहें।

क्यों नहीं कराई जातीय जनगणना?

मायावती ने आगे कहा कि इसके इलावा, केंद्र में बीजेपी की सत्ता आने से पहले कांग्रेस ने अपनी सरकार में राष्ट्रीय जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई थी? जो अब इसकी बात कर रहे हैं, जवाब दें? जबकि बीएसपी इसके हमेशा ही पक्षधर रही है, क्योंकि इसका होना कमजोर वर्गों के हित में बहुत जरूरी है।

क्या यही है दलित प्रेम?

इतना ही नहीं संविधान के तहत एससी/एसटी को मिले आरक्षण में अब वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के जरिए इसे निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने की चल रही साजिश के विरोध में कांग्रेस, सपा व बीजेपी आदि का भी चुप्पी साधे रखना क्या यही इनका दलित प्रेम है? इन सब चीजों से देश की जनता सचेत रहें।

क्या उचित रहेगा गठबंधन करना?

मायावती ने एक्स पर खुद से सवाल किया कि सपा व कांग्रेस जैसी इन आरक्षण विरोधी पार्टियों के साथ अब किसी भी चुनाव में इनसे कोई गठबंधन करना क्या एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के हित में उचित होगा। यह कतई नहीं होगा। ऐसे में अब इनको खुद अपने दम पर खड़े होना है, यही सलाह है।

स्कूल हेडमास्टर ने 6वीं छात्रा के साथ की अश्लील हरकत, परिजनों ने किया जमकर हंगामा, आरोपी फरार

प्रतापगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एक सरकारी स्कूल के हेडमास्टर ने 6वीं कक्षा की छात्रा के साथ अश्लील हरकत कर दी। छात्रा ने जब अपने पेरेंट्स को इसकी जानकारी दी तो जमकर हंगामा हुआ। छात्रा के परिजन स्कूल पहुंचे और जमकर हंगामा काटा। हालांकि मौका पाकर हेडमास्टर मौके से फरार हो गया। परिजनों के आरोप के आधार पर बीएसए ने आरोपी हेड मास्टर को निलंबित कर दिया है। मामला प्रतापगढ़ जिले के लालगंज तहसील इलाके में लक्ष्मणपुर ब्लॉक स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय पूरे गुलाब राय का बताया जा रहा है। यहां इंचार्ज हेडमास्टर अनिल कुमार शुक्ला ने कक्षा छठी में पढ़ने वाली छात्रा को अलग बुलाकर बैड टच किया। उसके साथ अश्लील हरकत भी की। पीड़ित छात्रा आरोपी हेड मास्टर के चंगुल से बचकर रोती विलखती अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद परिवार के लोग कुछ ग्रामीणों के साथ पीड़िता को लेकर स्कूल पहुंच गए। लोगों को स्कूल आता देख आरोपी हेड मास्टर बाइक लेकर भाग निकला। यहां पहुंचे ग्रामीण और परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मौके पर बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर भी पहुंचे। अफसर ने पीड़ित छात्रा और उसके परिजनों का बयान दर्ज किया।

कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार उतारने की तैयारी में सपा

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी हरियाणा आम विधानसभा चुनाव में भी अपना दम दिखाने की तैयारी में जुट गई है। हाल ही में हरियाणा से आए सपा नेताओं ने अखिलेश यादव से मुलाकात की थी, जिसके बाद सपा प्रदेश की 10 से 12 सीटों पर अपना दावा ठोंक सकती है। ये वो सीटें हैं जहां पर मुस्लिम और यादव आबादी अहम भूमिका निभाती है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हरियाणा से आए नेताओं से मुलाकात की और उनसे चुनावी तैयारियों और संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चा की। हरियाणा ने 90 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से दस सीटें ऐसी हैं जहां पर मुस्लिम और यादव मतदाता चुनाव के नतीजों में निर्णायक भूमिका में रहते हैं। सपा की नजर इन्हीं सीटों पर हैं।

इन सीटों पर लड़ सकती है सपा

हरियाणा की रेवाड़ी, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत और महेंद्र गढ़ में यादव और मुस्लिम समीकरण है। सपा इन सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हालांकि सपा ये चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ लड़ेगी या अकेले इसे लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं हो पाई है। इस पर शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत हो सकती है जिसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस हरियाणा में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन करने के मूड में नहीं है। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी ये कह चुके हैं कि उनकी पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन हैं लेकिन प्रदेश स्तर पर ऐसा कुछ नहीं हैं। वहीं आप पार्टी भी हरियाणा में चुनाव अलग लड़ने की तैयारी में हैं।

खुसरो कॉलेज के एमडी भाजपा नेता शेर अली जाफरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, यह है मामला

बरेली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सीबीगंज स्थित खुसरो कॉलेज के डी फार्मा छात्रों को फर्जी मार्कशीट देने के मामले में एसएसपी के आदेश पर खुसरो कॉलेज के प्रबंध निदेशक व भाजपा नेता शेर अली जाफरी व एक अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। खुसरो कॉलेज द्वारा डी फार्मा कराने के नाम पर चार सौ छात्रों से 2.30 लाख रुपये के हिसाब से रकम वसूली गई थी। पास होने के बाद जब छात्र मार्कशीट लेकर नौकरी व मेडिकल स्टोर के लिए आवेदन करने पहुंचे तो उन्हें पता चला कि वह फर्जी है। जिस विश्वविद्यालय से कॉलेज संबद्धता बता रहा था, वह अस्तित्व में ही नहीं। छात्र आठ माह से कॉलेज के चक्कर काट रहे थे। शनिवार को एसएसपी के आदेश पर शेर अली जाफरी व एक अज्ञात पर धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। विवेचना में अन्य आरोपियों के नाम बढ़ने की संभावना है। बताया जाता है कि कॉलेज में कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी हैं, जिनके जरिये छात्रों ने फीस जमा की है। जांच में वह सामने आने पर कॉलेज की मुश्किलें बढ़नी तय हैं।

जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव पर राजभर का बयान

नेशनल कांन्फ्रेंस और कांग्रेस का एससी-एसटी के आरक्षण को खत्म करने का हुआ समझौता, महाराष्ट्र में 22 सीटों पर लड़ेंगे

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए पूरी तरह से एक्शन मोड में चल रही है वहीं उत्तर प्रदेश में एनडीए के सहयोगी सुभाषपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आज जम्मू कश्मीर के चुनाव को लेकर लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले नेशनल कांग्रेस और कांग्रेस का समझौता हुआ है कांग्रेस की मनसा जम्मू कश्मीर में एससी एसटी एवं वंचितों को मिलने आरक्षण को समाप्त करने की है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 अगस्त 2019 को धारा 370 और 35ए को खत्म करने के बाद जम्मू कश्मीर में दलित और वंचित समाज के लोगों को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हुआ था। लेकिन कांग्रेस फिर से इनको कुचलना चाहती है।

कांग्रेस ने 370 अनुच्छेद लागू करके पूरे वंचित समाज के आरक्षण को पूरे 60 वर्षों से बाधित कर रखा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के आरक्षण विरोधी नीतियों के कारण गरीब दलित और वंचित समाज को दशकों तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वस्पर्शी समावेशी सामाजिक न्याय को मजबूत करने वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में वंचितों को आरक्षण मिल रहा है लेकिन कांग्रेस इसका विरोध कर रही है ।

गृहमंत्री अमितशाह ने जो कहा है वो सवाल हर देश का हर व्यक्ति कांग्रेस से पूछ रहा है क्या कांग्रेस दलित वंचित गुर्जर पहाड़ियों के आरक्षण का समाप्त करना चाहती है क्या नेशनल कांग्रेस के द्वारा मेनिफेस्टो में किए गए वादों के साथ कांग्रेस है क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस द्वारा भी ओबीसी एससी एसटी को मिलेगा आरक्षण को खत्म किया जा रहा है।

वही ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हम एनडीए दल कांग्रेस के आरक्षण और सामाजिक न्याय विरोधी सोच को कभी सफल नहीं होने देंगे। दलित और वंचितों को उनका अधिकार मिलता रहे जो बाबा साहब ने संविधान में व्यवस्था दिया है हम एनडीए के सभी साथी मिलकर लड़ेंगे।

महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, झारखंड में हम गए हैं महाराष्ट्र में चुनाव लड़ेंगे महाराष्ट्र में अकेले 48 परसेंट उत्तर भारतीय रहता है वहां पर हम चुनाव लड़ेंगे।महाराष्ट्र में हम 22 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जातीय जनगणना मोदी कराएंगे।

मुजफ्फरपुर में बच्ची का गला रेता

सूटकेस में बंद कर फेंका:पेट-गर्दन पर भी जख्म; मां लापता फोन स्विच ऑफ, लोगों ने अकेले जाते देखा था

मुजफ्फर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुरमुजफ्फरपुर में धारदार हथियार से गला रेतकर 3 साल की बच्ची की हत्या की गई। उसकी गर्दन और पेट पर भी जख्म के गहरे निशान हैं। बच्ची की लाश शनिवार को उसके घर के पीछे एक लाल सूटकेस में बंद मिली। मासूम की पहचान मिठनपुरा थाना के रामबाग स्थित जानकी बल्लभ शास्त्री लेन के रहनेवाले मनोज कुमार की बेटी मिस्टी के तौर पर हुई है। मिस्टी की मां काजल लापता है। शुक्रवार की शाम चार बजे से काजल का फोन स्विच ऑफ है। उसका आखिरी लोकेशन रामपुर हरि थाना क्षेत्र के सीतामढ़ी रोड में ट्रेस किया गया है। बच्ची के पिता मनोज ने चार साल पहले काजल से शादी की थी। काजल रेड लाइट एरिया में रहती थी। वो

अपने पति से मौसी के बर्थ-डे में जाने की बात बोलकर घर से निकली थी। जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होने काजल को अकेले जाते देखा था। फिलहाल, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। फरार मां के सामने आने के बाद ही घटना के पीछे की वजह स्पष्ट हो पाएगी। मनोज का परिवार एक मंजिला मकान में किराए पर रहता था। आशंका है कि धारदार हथियार से बच्ची की हत्या कर सूटकेस में बंद कर ऊपर से फेंका गया है।

कुछ लोगों ने मां को अकेले जाते देखा था

बच्ची की हत्या के बाद से इलाके में कई तरह की चर्चा है। काजल ने पति से कहा था कि वो अपनी मौसी के जन्मदिन की पार्टी में जाएगी। हालांकि, मोहल्ले के कुछ लोगों ने शुक्रवार दोपहर काजल को अकेले जाते देखा था। इस दौरान बच्ची उसके साथ नहीं थी। पुलिस की एक टीम सुराग जुटाने के लिए मोहल्ले में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। हालांकि, अभी ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। स्थानीय लोगों से पूछताछ कर पुलिस जानकारी जुटा रही है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा

पेपर आउट की ठगी करने वाला वाराणसी से गिरफ्तार वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ने के नाम पर लिए पैसे

वाराणसी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के के संकल्प के साथ योगी सरकार ने सभी पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हुए हैं। ऐसे में जब आज एसटीएफ फील्ड इकाई वाराणसी ने एक शख्स को गिरफ्ता किया है। ये शख्ख वॉट्सएप ग्रुप में जोड़े जाने के नाम पर महिला अभ्यर्थियों से 500 और पुरूष अभ्यर्थियों से 1000 रूपये क्यूआर कोर्ड के माध्यम से लेता था। पैसे लेकर उन्हें आश्वसन देता था कि परीक्षा में यही प्रश्नपत्र आएंगे। एसटीएफ वाराणसी ने इसी मामले में कार्रवाई करते हुए बिहार के खगड़िया जिले के रहने वाले हंस रंजन कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो एक ठगी का पर्दाफाश हो गया है। एसटीएफ फील्ड इकाई वाराणसी के इंस्पेक्टर पुनीत परिहार को इस बात की सूचना मिली

कि आरोपी हंस रंजन कुमार नाम का शख्स वॉट्सएप पर 'इन्सपेक्टर हंस राज ग्रुप' नाम से ग्रुप एडमिन के रूप में एक्टिव है। इस पूरे मामले में गहन छानबीन की गई तो पाया गया कि हंस रंजन कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के नाम पर ठगी कर रहा है। इसका वाराणसी में भी अभ्यर्थियों से मिलना-जुलना जारी है। एसटीएफ ने जाल बिछाकर आरोपी हंस रंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से 01 मोबाइल फोन, 02 डेबिट कार्ड, 01 अदद डीएल, 01 पासपोर्ट 01 पैनकार्ड बरामद किया है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को मिली ऐसी चीज़ हैरान रह गए जांच कर्मी, बुलानी पड़ गई आईटी की टीम

गोपालगंज, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गोपालगंज ज़िला के बलथरी चेकपोस्ट के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कानपुर (उत्तर प्रदेश) की तरफ़ से एक गाड़ी आ रही थी। कार में बड़ी तादाद में चांदी के ज़ेवरात रखे हुए थे, जिसकी कीमत करीब 28 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार सभी युवक उत्तर प्रदेश रहने वाले हैं, जिसमें रमेश यादव और कृष्ण वर्मा गोरखपुर के रहने वाले हैं। विक्रम सोनी नाम का आभूषण तस्कर मथुरा का रहना वाला है। पुलिस की तफ्तीश में पता चला कि उत्तर प्रदेश के कानपुर से ज़ेवर को सीवान पहुंचाना था। पुलिस द्वारा ज़ब्त आभूषण के बाज़ार की कीमत इतनी ज़्यादा थी कि, जांच के लिए इनकम टैक्स विभाग की टीम को बुलाना पड़ गया।

क्या बंगाल-झारखंड में बांग्लादेशी मुसलमानों को बसाया जा रहा है? गिरिराज सिंह के बयान से मची खलबली

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह विपक्ष पर आक्रामक हमला बोलते रहे हैं। अवैध घुसपैठिए का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाते रहे हैं। वहीं, एक बार फिर उन्होंने 'एक्स' पर इस मुद्दे को लेकर पोस्ट किया है। इस बार बंगाल और झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा है कि 'योजनाबद्ध तरीके से बांग्लादेशी मुसलमानों को बंगाल-झारखंड में बसाया जा रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश बनाने की तैयारी चल रही है।

गिरिराज सिंह ने एक्स पर लिखा कि 'योजनाबद्ध तरीके से बांग्लादेशी मुसलमानों को बंगाल-झारखंड में बसाया जा रहा है। दो पाकिस्तान और बांग्लादेश पहले ही बन चुके हैं। भारत के अंदर और पाकिस्तान-बांग्लादेश बनाने की तैयारी चल रही है। इसे हर हाल में रोकना होगा। वहीं, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के साथ-साथ इस मुद्दे को असम के मुख्यमंत्री व बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा उठाते रहे हैं। इस मुद्दे पर वो खुलकर अपनी बात रखते हैं। उन्होंने शनिवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदू संघर्ष कर रहे हैं,

और वहीं पर रुके हुए हैं। पिछले एक महीने में एक भी हिंदू घुसपैठ करते पकड़ा नहीं गया, जबकि कई मुस्लिम इस प्रयास में पकड़े गए। बांग्लादेश से भारत आने वाले घुसपैठिये मुस्लिम समुदाय से हैं। बता दें जब से पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के सियासी हालात बदले हैं, तब से बॉर्डर के जरिए घुसपैठ की कोशिश हो रही है। अवैध घुसपैठियों पर केंद्र सरकार की नजर है।

रात में जरूरत होने पर महिलाओं को दफ्तर से घर पहुंचाएगी पुलिस, एडीजी रमित शर्मा ने दिए निर्देश

बरेली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल व देश के अन्य हिस्सों में हुई घटनाओं के बाद महिला सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा ने आईजी बरेली, मुरादाबाद डीआईजी समेत सभी नौ जिलों के कप्तान को निर्देश जारी किए हैं कि वह महिला अपराधों से जुड़े स्थानों को हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित करें। रात में कार्यस्थल से लौटने वाली महिलाओं, युवतियों को जरूरत पड़ने पर पुलिस घर पहुंचाएगी। एडीजी ने निर्देश दिए हैं कि कार्यस्थल पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएं। महिलाओं से शारीरिक संपर्क, यौन उत्पीड़न और भद्दी टिप्पणी को गंभीरता से लें। अश्लील सामग्री दिखाना और किसी तरह के शारीरिक, मौखिक यौन संबंधों के प्रयास की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। महिलाओं को जोखिम भरे कामों में न लगाया जाए। रात में ड्यूटी के दौरान सुरक्षा के लिहाज से उनके आने-जाने वाले रास्तों पर विशेष ध्यान रखा जाए। सरकारी, निजी संस्थान उन्हें कैब या प्राइवेट वाहन मुहैया कराएं। वाहनों के चालकों के लाइसेंस व उनके चरित्र सत्यापन की कॉपी अपने पास रखें। जिनकी शिफ्ट रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक की है तो उन्हें सुरक्षित पहुंचाने के लिए यूपी 112 की मदद ले सकते हैं। महिला सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। एडीजी ने निर्देश दिए हैं कि पुलिस यह व्यवस्था पुख्ता कराए कि रोडवेज बसों, प्राइवेट टैक्सियों और अन्य वाहनों से महिलाओं को जहां उतारा जाए, वहां सीसीटीवी और पर्याप्त रोशनी हो। सीओ और इंस्पेक्टर अपने इलाकों के कॉल सेंटर, अस्पतालों, कार्यालयों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सिनेमा हाल, मल्टीप्लेक्स, होटल, रेस्टोरेंट, रेलवे व बस स्टेशनों की सूची बना लें। जहां महिलाएं काम करती हों, उनका विवरण तैयार कर लें।

किसान एक्सप्रेस दो धड़ों में बंटी, आठ कोच अलग होकर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे, 13 कोच रेल ट्रैक पर रह गए

बिजनौर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। फिरोजपुर से धनबाद जा रही किसान एक्सप्रेस डाउन ट्रेन स्योहारा थाना क्षेत्र के रायपुर रेलवे फाटक के पास दो धड़ो में बंट गई। ट्रेन में कुल 21 कोच थे। 8 कोच टूटकर स्योहारा रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। बाकी रायपुर के पास रुक गए । घटना का पता लगते ही रेल विभाग में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस प्रशासन और रेल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। किसी तरह रायपुर फाटक के पास रुके सभी डिब्बों को पावर से खींचकर स्योहारा रेलवे स्टेशन पर ले जाया गया। स्योहारा रेलवे स्टेशन पर सभी डिब्बों को जोड़कर चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। रविवार को रेल विभाग के अधिकारियों में उसे समय हड़कंप मच गया, जब रविवार सवेरे फिरोजपुर से धनबाद जा रही किसान एक्सप्रेस ट्रेन धामपुर रेलवे स्टेशन पर 3:36 सवेरे पहुंची। 3:45 पर जैसे ही ट्रेन सरकड़ा चक्रजमल रेलवे स्टेशन से निकली तो रायपुर रेलवे फाटक के पास अचानक तकनीकी कारणों से ट्रेन दो धड़ों में बंट गई। ट्रेन में गार्ड सहित कुल 21 कोच शामिल थे। इनमें से आठ डिब्बे टूटकर पावर के साथ रेलवे स्टेशन स्योहारा पहुंच गए और बाकी रायपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर खड़े हो गए। जैसे ही गार्ड ने घटना की सूचना दी तो रेल विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी धर्म सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी सरवम कुमार, धामपुर कोतवाल किशन अवतार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। किसी तरह रायपुर के पास खड़े इन डिब्बों को पावर से स्योहारा रेलवे स्टेशन पर पहुंचाया गया। ट्रेन में सबसे अधिक यात्री पुलिस परीक्षा भर्ती के दौरान परीक्षा देने जा रहे थे। रायपुर रेलवे फाटक पर प्रशासन ने रोडवेज की करीब चार बसों को लगाकर उन्हें गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

कई ट्रेनें घंटों प्रभावित हुईं

किसान एक्सप्रेस ट्रेन के दो धड़ों में बंट जाने के कारण कई एक्सप्रेस और रन थ्रू गाड़ियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। पंजाब मेल धामपुर रेलवे स्टेशन पर करीब 2 घंटे खड़ी रही। जननायक एक्सप्रेस जिसका स्टॉपेज धामपुर में नहीं है, यह ट्रेन नजीबाबाद से चलकर मुरादाबाद जाकर रुकती है। यह ट्रेन भी बुरी तरह प्रभावित हुई। इसे धामपुर रेलवे स्टेशन से पीछे रोक दिया गया।

लाश के टुकड़े-टुकड़े: गाजियाबाद में कत्ल, बुलंदशहर में किए 6 हिस्से; धड़-पैर यहां तो सिर-हाथ बाबूगढ़ में फेंके

गाजियाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की केडब्ल्यू सृष्टि सोसायटी के रहने वाले इंटीरियर डिजाइनर तरुण पंवार (35) का 16 अगस्त को अपहरण कर गला दबाकर व मारपीट कर हत्या कर दी। इसके बाद कार में ले जाकर बुलंदशहर के बीबीनगर में शव के छह टुकड़े करके धड़ और पैर बीबीनगर में नहर में फेंके और सिर और हाथ बाबूगढ़ में फेंक दिए। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के गिरफ्तार किया है। पूछताछ में प्रेम प्रसंग के मामले में हत्या करने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के पास वारदात में प्रयुक्त फावड़ा, दरांती, दो गद्दे, कार, तरुण की कार बरामद की है। साथ ही बुलंदशहर के औरांगाबाद थाना क्षेत्र से दायां पैर भी बरामद किया है। डीसीपी नगर राजेश कुमार ने बताया कि बुलंदशहर के बीबीनगर के गांव खरकाली निवासी पवन, वंश और राजनगर एक्सटेंशन की औरा कायमेरा सोसायटी निवासी अंजली को गिरफ्तार किया है। अंजली इसी सोसायटी में हेल्प डेस्क मैनेजर है। मामले में बीबीनगर के चित्तसौना निवासी दीपांशु, लोनी के इंद्रापुरी निवासी अक्षय, जीते, अंकुर, मनोज और अंकित फरार हैं। इनकी तलाश की जा रही है। अक्षय अंजली का बहनोई है। वारदात का मुख्य आरोपी पवन है। पूछताछ में पवन ने हत्या की बात कुबूल की है। पूछताछ में पवन पुलिस को बताया है कि वह अंजलि को पसंद करता है। अंजली से तरुण के भी संपर्क थे। तरुण और अंजली की नजदीकियां काफी बढ़ने लगी थीं। इसकी जानकारी उसे हुए तो उसने अंजली से बात करने के बाद तरुण की हत्या की साजिश रची। जिसमें उसने अंजली के जीजा अक्षय और अपने दोस्तों को भी शामिल किया। अंजली के अक्षय से भी संबंध है। अंजली ने अपने मोबाइल में तरुण का नंबर लड़की के नाम से सेव किया हुआ था। जिससे अक्षय भी नाराज था इसलिए वह भी इस घटना में शामिल हो गया।

मोबाइल और सिम भी खरीदा

डीसीपी ने बताया कि जांच में सामने आया आरोपियों ने पूरी साजिश के तहत वारदात की। इन्होंने पहले फर्जी आईडी पर नया सिम और एक मोबाइल खरीदा था। उसी से पवन ने कॉल करके तरुण को इंटीरियर का काम दिलवाने के लिए 16 अगस्त को कॉल की और मोरटा बुलाया। जहां से वह उसे मधुबन बापूधाम में मनोज के घर ले गए। यहां पहले से पवन, जीते,अंकुर, दीपांशु और अंकित मौजूद थे। घर में ले जाकर सभी ने मिलकर तरुण रस्सी से बांध लिया और उसका गला दबाया। इसके बाद उसकी पिटाई की। दीपांशु ने तरुण के सिर पर डंडा मार दिया जिसके बाद वह बेहोश हो गया और कुछ देर बाद मौत हो गई। अंकुर घर के बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। पूछताछ में पवन ने पुलिस को बताया कि तरुण की हत्या के बाद रात में अंधेरा होने पर साजिश के तहत उसकी कार को वंश और दीपांशु ने नेहरूनगर के एक निजी अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की। 16 अगस्त की रात 12 बजने के बाद वह पहले शव को बाइक में कुछ दूर लेकर गए और फिर वैगनआर गाड़ी में डालकर बुलंदशहर में शेहरा नहर के पास ले गए। इस दौरान अंकित पीछे से बाइक पर आ रहा था। जहां उन्होंने सबूत मिटाने के लिए उसके हाथ पैर अलग किए और फिर फावड़े से गर्दन भी काटने का प्रयास किया।

बदलापुर मामले में संजय राउत ने सरकार को घेरा

सामना में लिखा- 'जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब दरबार में हर 56 इंच की छाती वाले गर्दन झुकाए बैठे थे।

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के मुखपत्र 'सामना' में अपने आर्टिकल में संजय राउत ने बदलापुर की घटना को लेकर महायुति सरकार को घेरा। राउत ने कहा, महाभारत में जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब दरबार में हर 56 इंच की छाती वाले गर्दन झुकाए बैठे थे। आज भारत की बहू-बेटियों, महिलाओं के साथ भी यही हो रहा है। बदलापुर में नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म का मामला विचलित करने वाला है। इस मामले में बीजेपी की महिला मंडल भी शांत ही है। गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस सफाई दे रहे हैं। क्यों? किसके लिए? राउत ने कहा, "कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ रेप किया गया और बाद में उसकी हत्या कर दी गई। इसका असर पूरे देश में हुआ। इस घटना को निमित्त बनाकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को घेरने की कोशिश स्पष्ट नजर आ रही है।"

बंगाल की घटना पर बोले राउत

शिवसेना यूबीटी नेता कहा, "पीड़िता के लिए न सिर्फ बंगाल में, बल्कि पूरे देश के डॉक्टर आंदोलन कर रहे हैं। डॉक्टर महिला के लिए वकील, शिक्षक वर्ग भी सड़कों पर उतर आए। सुप्रीम कोर्ट ने भी घटना पर स्वतः संज्ञान लिया और मामले की तत्काल सुनवाई का आदेश दिया। इस देश का समाज इतना जागरूक है, यह देखकर मन गदगद हो जाता है। लेकिन क्या ये सारी मंडली और संस्थाएं, प्रदेश, सरकारें राजनीतिक सुविधा देखकर जागरूक होती हैं?"

जहां बीजेपी की सरकार वहां रेप- संजय राउत

संजय राउत ने आरोप लगाते हुए कहा कि जहां-जहां बीजेपी की सरकारें हैं, वहां-वहां हर जगह महिलाओं पर अत्याचार, रेप के मामले घृणित तरीके से सामने आए और उस पर बीजेपी और उसके महिला मोर्चा ने कभी भी अपना मुंह नहीं खोला। कोलकाता के रेप मामले की प्रतिक्रिया देश में उमड़े इसके पीछे बीजेपी की मशीनरी योजनाबद्ध तरीके से काम करती है, लेकिन महाराष्ट्र के बदलापुर, उरण, उत्तर प्रदेश के हाथरस, उन्नाव जैसे मामलों पर बीजेपी और उसका नेतृत्व चुप्पी साध लेता है।

रेस्लर के प्रदर्शन के बहाने बीजेपी पर हमला

राउत ने रेस्लर के प्रदर्शन का मुद्दा भी उठाया और कहा, "पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई महिला पहलवानों ने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न को लेकर आवाज उठाने की कोशिश की। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया, लेकिन मोदी और उनकी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। मानो रेप को मोदी सरकार ने शाही मान्यता ही दी हो। राउत ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े रेपिस्ट प्रज्वल रेवन्ना के लोकसभा प्रचार के लिए पीएम मोदी कर्नाटक गए और अपने लाडले को शाबाशी दी।

पिपली गांव की गोशाला में घुसा गुलदार लोगों ने दरवाजा किया बंद, देखने को लगी भीड़

टिहरी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नई टिहरी जिला मुख्यालय के समीप पिपली गांव की एक गोशाला में सुबह गुलदार घुस गया। ग्रामीण ने साहस दिखाते हुए गुलदार को गोशाला के अंदर बंद कर दिया और वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर पिंजरे में कैद करने में लगी हुई है। जानकारी के अनुसार, पिपली गांव की गीता नेगी ने बताया वह सुबह छह बजे गौशाला में भैंस को चारा देने आई थी। इसी दौरान गोशाला में गुलदार दिखा तो वह वापस चली गई। फिर नौ बजे जब दोबारा आई तो गुलदार गौशाला के अंदर घुस गया और भैंस बाहर आ गई। फिर उसने गांव के अन्य लोगों को बुलाया। लोगों ने गौशाला का दरवाजा बाहर से बंद कर गुलदार को गौशाला के अंदर बंद कर दिया।

यौन शोषण के आरोपों के बीच एएमएमए महासचिव सिद्दीकी ने इस्तीफा दिया

मलायलम फिल्म निर्माता रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी का अध्यक्ष पद छोड़ा

कोच्चि, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जाने माने अभिनेता सिद्दीक ने एक अभिनेत्री द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद रविवार को 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। सिद्दीक ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल को भेज दिया है। वहीं बांग्ला फिल्मों में काम करने वाली एक अभिनेत्री द्वारा लगाए गए दुर्व्यवहार के आरोपों के बाद जानेमाने मलायलम फिल्म निर्माता रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष पद से रविवार को इस्तीफा दे दिया। एक टीवी चैनल को भेजे गए ऑडियो क्लिप में रंजीत ने कहा कि अब वह इस पद पर नहीं बने रहना चाहते हैं क्योंकि इससे राज्य की वामपंथी सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा। अभिनेता सिद्दीक ने कहा कि मैंने अपना आधिकारिक त्यागपत्र संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल को भेज दिया है। मुझ पर आरोप लगाए गए हैं, इसलिए मैंने पद पर नहीं रहने और इस्तीफा देने का फैसला किया। शनिवार को एक अभिनेत्री ने आरोप लगाया था कि सिद्दीक ने उन्हें एक फिल्म पर बातचीत करने के लिए बुलाने के बाद उनका यौन उत्पीड़न किया। ये आरोप ऐसे समय में सामने आए हैं जब न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद मलयालम फिल्म उद्योग में हलचल पैदा हो गई है।

बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी कांग्रेस, जीतू पटवारी ने डीजीपी से कहा- अपना धर्म निभाओ

छतरपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बुलडोजर कार्रवाई पर चुनावी माहौल गर्म है। थाने पर पथराव की घटना के बाद कांग्रेस नेता हाजी शहजाद को मुख्य आरोपी बताते हुए पुलिस ने उनकी कोठी को बुलडोज कर दिया था। इस पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के अक्ष्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हम इस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि अपराधी को कानून के तहत सजा मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने डीजीपी को ज्ञापन भी दिया है और उनसे कहा कि अपना धर्म निभाओ वरना कोर्ट और मानवाधिकार आयोग से निपटने के लिए तैयार रहो। पटवारी ने कहा,"हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका डालेंगे की जो अधिकारी बीजेपी के एजेंडे को साधने के लिए नौकर जैसा काम कर रहे हैं, तो अदालतें अपना काम करे।"

उन्होंने कहा कि हमने डीपीपी से मुलाकात कह दिया है कि अपना धर्म निभाओ वरना कोर्ट और मानव अधिकार आयोग से निपटने के लिए तैयार रहो। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विषय ये नहीं है कि किसका घर तोड़ा गया, विषय ये है कि अदालतों का सम्मान होना चाहिए। कानून की एक प्रक्रिया है उसके तहत फैसला होना चाहिए। अगर थाना प्रभारी जज का काम करने लगे या जिला प्रशासन सुप्रीम कोर्ट का काम करने लगे तो देश में अराजकता आ जाएगी। अपराधी को तो सजा मिलनी ही चाहिए।

देश का संविधान महत्वपूर्ण है उसके अनुसार ही सजा मिले। किसी आरोपी के परिवार को इसकी सजा क्यों दी जा रही है? उन्होंने आगे कहा कि जैसे उज्जैन में एक जायसवाल परिवार है , क्या लॉजिक है उसका घर तोड़ने का ? ग्वालियर का एक यादव परिवार है उसका घर तोड़ दिया गया, उनके बच्चे कहाँ जाएँगे ?

पाक आतंकी सुमामा की जानकारी देने पर पर 3 लाख का इनाम

कश्मीरी युवाओं में भरता था जिहाद का जहर

कश्मीर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में विशेषकर कश्मीर घाटी में स्थानीय युवाओं को धर्म के नाम पर बरगला कर उन्हें आतंकी संगठनों में भर्ती करने, उनके जरिये आतंकियों के लिए पैसा पहुंचाने के षड्यंत्र में लिप्त लश्कर-ए-तैयबा के एक पाकिस्तानी आतंकी को सुरक्षाबलों ने चिह्नित कर लिया है। उसका नाम सुमामा उर्फ इलियास उर्फ बाबर है। जम्मू कश्मीर पुलिस के काउंटर इंटेलीजेंस विंग कश्मीर सीआइके ने उसके बारे में लोगों को सचेत किया और कहा कि उसके बारे में जानकारी देने वालों के लिए तीन लाख का इनाम भी घोषित किया है।

आतंकी बनने जा रहे कुछ युवाओं को भी पकड़ा गया

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईके ने स्थानीय युवाओं को आतंकी संगठनों में भर्ती करने में लिप्त तत्वों का पता लगाने के लिए एक अभियान चला रखा है। इसके लिए सोशल मीडिया की निगरानी के साथ साथ आन ग्राउंड ह्यूमन इंटेलीजेंस नेटवर्क की भी पूरी मदद ली जा रही है। इसके अलावा आतंकी बनने जा रहे कुछ युवकों को भी पकड़ा गया और उनसे भी पूछताछ की गई।

युवाओं में जिहादी मानसिकता पैदा करता है सुमामा

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सीआइके ने सुमामा के बारे में पता लगाया है। वह लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करता है। वह सोशल मीडिया के जरिये भी और अन्य माध्यमों से भी कश्मीर घाटी के युवाओं के साथ संपर्क बना, उनमें जिहादी मानसिकता पैदा करता है। उसके बाद उन्हें वह जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकी संगठनों के लिए पैसा जुटाने व उसे बांटने के लिए इस्तेमाल करता है। कई मामलों में वह उन्हें आतंकी हमलों के लिए भी इस्तेमाल करता है।

सुमामा को पता बताने पर 3 लाख का इनाम

प्रवक्ता ने बताया कि समामा की उम्र लगभग 35 वर्ष है और उसके चेहरे पर दाढ़ी है। उसका रंग गेहुंआ है और वह अक्सर सलवार कमीज व जैकेट पहनता है। वह चश्मा भी पहनता है। उसके बारे में जानकारी देने वाले के लिए तीन लाख रुपये का इनाम भी रखा गया है।

क्राइम शो देखकर आया दिल्ली के मदरसे में क़त्ल का आइडिया, एक दिन की छुट्टी के लिए रची बच्चे की हत्या की साजिश

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नार्थ ईस्ट दिल्ली के दयालपुर स्थित एक मदरसे से बेहद दर्दनाक और परेशान कर देने वाली खबर बाहर आई है। मदरसा तालीमुल क़ुरआन के बाहर से शुक्रवार की रात तकरीबन 10 बजे के आसपास एक महिला ने पुलिस के कंट्रोल रूम में कॉल किया और बताया कि मदरसे में पढ़ने वाले उसके 5 साल के बेटे की तबीयत बहुत खराब है। उसे शक है कि उसके बेटे के साथ मदरसे के अंदर कुछ गलत हुआ है।कॉल मिलने के तुरंत बाद पीसीआर की गाड़ी मौके पर पहुंचती है और कुछ ही देर में दयालपुर थाने की पुलिस भी मदरसे के बाहर पहुंच गई। मदरसे के बाहर उसे वक्त लोगों की भीड़ लगी थी। 5 साल के बच्चे को गोद में लेकर उसकी मां वहीं पर बैठी थी, बच्चे के गर्दन पीठ और कमर पर बड़े-बड़े फफोले निकले हुए थे।

बीजेपी की अक्ल थोड़ी ठिकाने आई है यूपीएस पर आम आदमी पार्टी ने कहा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सरकार ने 24 अगस्त को यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर मुहर लगा दी है। अब सरकारी कर्मचारियों को नौकरी के बाद एक पेंशन दी जाएगी। ये योजना अगले साल अप्रैल महीने से शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की सरकारी कर्मचारियों के लिए यह सबसे बड़ी योजना है। हाल ही में जम्मू कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया। इससे पहले ही ये योजना लागू की गई है। अब इसको लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने स्कीम को लेकर बयान दिया। यूपीएस पर दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह बात तो साबित हो गई है कि देश की तमाम पार्टियां और विपक्षी दल जो कह रहे थे। वो बात सही थी। विपक्षी दल जनता की आवाज बुलंद कर रहे थे और केंद्र सरकार झूठे अहंकार में केंद्र सरकार के ही सभी कर्मचारियों को दबा रही थी, जिस तरीके से केंद्र सरकार के कर्मचारियों ने इस बार भाजपा के खिलाफ वोट किए उससे भाजपा की अक्ल थोड़ी ठिकाने आई है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की और योजना का भी जिक्र किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुझे लगता है उन्होंने और भी जो फैसले लिए हैं। उन्हें भी ये बहुत जल्द वापस लेंगे, जैसे उन्होंने अग्निवीर का फैसला लिया था, जिसके अंदर लाखों लोगों का फौज में जाने का सपना तोड़ा। उस फैसले को भी ये जल्द ही वापस लेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता ने स्कीम को सही बताया लेकिन साथ ही साथ केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा। हाल ही में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जेल से रिहा हुए। 9 अगस्त को वो 17 महीने के बाद जेल से बाहर आए। अब वो पंजाब के दौरे पर हैं।

मान सरकार ने जारी की करोड़ों की धनराशि

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को होगा फायदा कैबिनेट मंत्री बलजीत कौर ने दी जानकारी

चंडीगढ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार हर वर्ग की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है। इसके साथ ही, पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए भी लगातार कार्यरत है। पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आशीर्वाद योजना के तहत जिला बठिंडा, मानसा और एसबीएस। नगर के लिए 3.44 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ। बलजीत कौर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बठिंडा, मानसा और एस।बी।एस। नगर जिलों के पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 675 लाभार्थियों के लिए 3.44 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस राशि में वर्ष 2023-24 की पिछड़ी श्रेणियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लाभार्थियों की लंबित आवेदनों को वर्ष 2024-25 के दौरान आशीर्वाद पोर्टल पर प्राप्त कुल 675 लाभार्थियों को कवर किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला बठिंडा के 33 लाभार्थियों, मानसा के 46 लाभार्थियों और एस।बी।एस। नगर के 196 लाभार्थियों को आशीर्वाद फॉर बीसीज एंड ईडब्ल्यूएस योजना के तहत कवर किया गया है।

आशीर्वाद योजना के लिए क्या-क्या जरूरी

मंत्री ने बताया कि आशीर्वाद योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पंजाब राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए, उसका परिवार गरीबी रेखा से नीचे होना चाहिए, आवेदक अनुसूचित जाति, पिछड़ी श्रेणियों और अन्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से संबंधित होना चाहिए और परिवार की कुल वार्षिक आय 32,790 रुपये से कम होनी चाहिए।

ऐसे परिवारों की दो बेटियां इस योजना का लाभ ले सकती हैं। कैबिनेट मंत्री बलजीत कौर ने आगे बताया कि पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों, पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की भलाई के लिए लगातार कार्यशील है। उन्होंने बताया कि वित्तीय सहायता का भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाता है।

मुंबई में महिला डॉक्टर से हाथापाई और गाली गलौज, कोलकाता जैसी दरिंदगी करने की मिली धमकी

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि मुंबई से भी एक ऐसी घटना की कोशिश सामने आई है। मुंबई के साठे नगर इलाके में एक महिला डॉक्टर को कोलकाता के ट्रेनी डॉक्टर की तरह हाल भुगतने की धमकी दी गई है। पुलिस के मुताबिक, की शाम साठे नगर के मानखुर्द में पीड़ित डॉक्टर के क्लीनिक के सामने दोपहिया वाहन खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान पीड़ित डॉक्टर ने एक बच्चे को जोर से डाटा।

इसके बाद बच्चा अपने साथ 3 महिलाओं को लाया और पीड़ित महिला डॉक्टर के साथ हाथपाई और गाली गलौज किया। इसी दौरान एक आरोपी ने पीड़िता डॉक्टर को कोलकाता जैसे घटना की धमकी दे डाली। पीड़ित डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने एक युवक समेत तीन महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस सभी आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने 4 आरोपियों के खिलाफ धारा 346/2024, 118(1), 115(2), 74, 79, 351(2), 352, 324(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दो आरोपियों के नाम बताएं हैं। पहले आरोपी का नाम काजल रामास्वामी और दूसरे का अरुणा इंगले है।

बांग्लादेश से भारत में चुपके से घुसे मासूम और सोनिया, असम पुलिस का ठनका माथा

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इन दिनों हालात बेहद खराब है। वहीं शेख हसीना की सत्ता से बदेखली के बाद से हिंसा और तनाव का माहौल है। इस बीच कई बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसने की कोशिश में बांग्लादेश बॉर्डर पर देखे गए। हालांकि बीएसएफ की टीम ने उन्हें वहीं रोक रखा है। इस बीच मासूम खान और सोनिया शेख नाम के दो बांग्लादेशी नागरिक किस तरह छुपते-छुपाते भारत में दाखिल हो गए। हालांकि उन्हें देखकर असम पुलिस का माथा ठनक गया और उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया। बांग्लादेश के दोनों नागरिकों की पहचान मॉडलगंज थाना क्षेत्र के निवासी मासूम खान और ढाका निवासी सोनिया अख्तर के रूप में हुई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि दोनों बांग्लादेशियों को बदरपुर रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया और शुक्रवार रात उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'असम पुलिस ने बदरपुर रेलवे स्टेशन पर दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा।' सीएम हिमंत ने बताया कि वे माधोपुर (बांग्लादेश)-अगरतला मार्ग से भारत में घुसे थे और बेंगलुरु जाने वाले थे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद से असम पुलिस ने कल रात उन्हें सफलतापूर्वक सीमा पार भेज दिया।' मुख्यमंत्री ने इससे पहले शनिवार को कहा था कि पिछले एक महीने में बिना वैध दस्तावेजों के भारत में घुसने की कोशिश कर रहे 30 से अधिक बांग्लादेशियों को असम से वापस उनके देश भेज दिया गया है। शर्मा ने दावा किया कि ये बांग्लादेशी नागरिक कपड़ा उद्योग में काम की तलाश में बेंगलुरु और दक्षिण भारत के अन्य शहरों में जाने की फिराक में थे।

सरकार ने दिया निर्देश पर जन्माष्टमी पर स्कूलों की छुट्टी रद्द

भोपाल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक निर्देश जारी कर जन्माष्टमी पर स्कूलों की छुट्टी रद्द कर दी है। पहले 26 अगस्त को जन्माष्टमी का सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के बावजूद सरकार ने अब निर्देश दिया है कि स्कूल खुले रहेंगे और स्कूलों में ही त्योहार मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पहले जन्माष्टमी पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की थी, यहां तक कि राज्य भर के बैंकों में भी छुट्टी बढ़ा दी गई थी। हालांकि, 23 अगस्त को जारी लोक शिक्षण निदेशालय के नए निर्देश में निर्दिष्ट किया गया है कि सरकारी कार्यालय और बैंक बंद रहेंगे, लेकिन स्कूलों में छुट्टी नहीं होगी। इसके बजाय, छात्रों से स्कूल जाने और जन्माष्टमी समारोह में भाग लेने की अपेक्षा की जाती है।

इस बदलाव ने माता-पिता और जनता के बीच कुछ चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि जन्माष्टमी पारंपरिक रूप से पारिवारिक उत्सवों का समय है। मुख्यमंत्री ने त्योहार के महत्व पर जोर देते हुए सभी मंत्रियों से अपने-अपने जिलों में उत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है।

लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद ओबीसी तक पहुंच बढ़ा रही बीजेपी, शिवराज सिंह चौहान को किया आगे

भोपाल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और (अति पिछड़ा वर्ग) ईबीसी तक पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के द्वारा हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में बुलाने से यही संकेत मिलता है। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानी रामफल मंडल की याद में आयोजित किया गया था। रामफल मंडल धानुक समाज से आते थे और मूल रूप से सीतामढ़ी के रहने वाले थे। उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान चार अफसरों की हत्या के लिए फांसी की सजा सुनाई गई थी। राजनीतिक हालात के लिहाज से मौजूदा वक्त ऐसा है जब बीजेपी को कांग्रेस और समाजवाद की राजनीति करने वाली पार्टियों के द्वारा संविधान और आरक्षण को लेकर लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है। शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में लगभग दो दशक तक मुख्यमंत्री रहे हैं और ओबीसी वर्ग में आने वाली किरार जाति से संबंध रखते हैं। चौहान ने भाजपा ओबीसी मोर्चा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, "बीजेपी के विरोधी बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन उन्होंने कभी भी पिछड़ी जातियों का सम्मान नहीं किया। अगर किसी ने वास्तव में पिछड़ी जातियों का सम्मान किया है तो वह बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।" चौहान ने कहा, "मोदी जी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। सभी पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों को सम्मान दिया गया। चाहे केंद्रीय विद्यालय हों या अन्य संस्थान, यह मोदी सरकार ही है जिसने इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि पिछड़े वर्ग के बच्चे इन शिक्षण संस्थानों में पढ़ सकें।"

शिवराज सिंह चौहान ने रामफल मंडल को याद किया और कहा कि ऐसे अनगिनत लोग थे जिन्होंने हाथों में भगवद्गीता लेकर और मुंह पर भारत माता की जय बोलते हुए मौत को गले लगा लिया और वे डरे भी नहीं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि रामफल मंडल अपने वकीलों की इस राय से सहमत नहीं थे कि जो उन्होंने किया है, उसे वह स्वीकार न करें बल्कि मंडल ने यह सोचा कि अगर किसी एक रामफल मंडल की शहादत होती है तो हजारों रामफल मंडल पैदा होंगे। शिवराज सिंह चौहान ने इस दौरान मोदी सरकार द्वारा गरीबों के लिए किए जा रहे कामों को भी सामने रखा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में 2 करोड़ घर और शहरी इलाकों में एक करोड़ घर बनाए जाने हैं। इसमें से अगले 5 साल में बिहार में 13 लाख घर बनाए जाएंगे। हालिया लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और इसके पीछे यह वजह मानी गई थी कि पार्टी को ओबीसी और दलित मतदाताओं का साथ नहीं मिला। लोकसभा चुनाव में बिहार में बीजेपी का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा। बिहार के नतीजों के बाद यह चर्चा सामने आई थी कि ओबीसी वोटों में बड़ी भागीदारी रखने वाले कुशवाहा समुदाय और कुछ अन्य जातियों का वोट कई सीटों पर विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों- राजद, कांग्रेस और वाम दलों की ओर शिफ्ट हो गया।

गर्भवती दुष्कर्म पीड़िता के लिए दून मेडिकल कॉलेज भी असंवेदनशील, इलाज के लिए लाइन में खड़ा किया

देहरादून, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आईएसबीटी परिसर में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई 15 साल की किशोरी की शारीरिक और मानसिक हालत ठीक नहीं है, इसके बावजूद उसको न सिर्फ अस्पताल-दर-अस्पताल भटकना पड़ रहा है, बल्कि उसे भीड़ के बीच कतार में भी खड़ा किया जा रहा है। शहर के अस्पतालों का यह असंवेदनशील रवैया तब है, जब पॉक्सो और दुष्कर्म पीड़िता के लिए कानूनी प्रावधान है कि उन्हें अस्पताल में फौरन और अलग से चिकित्सा दी जाए, ताकि वह सहज और सुरक्षित महसूस करें। आईएसबीटी कांड की पीड़िता के साथ प्रावधान के उलट हो रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 26 अगस्त- 2024

यूपीएस यानी बुढ़ापे का सहारा

आखिर में वही हुआ जिसका काफी समय से इंतजार किया जा रहा था। एक सोची-समझी रणनीति के तहत बीजेपी ने आने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए नई पेंशन स्कीम की घोषणा कर दी है। जाहिर है यूनीफाइड पेंशन स्कीम का मकसद सरकारी कर्मचारियों में असंतोष दूर कर अपने पाले में लाना है। भारतीय जनता पार्टी ने यूपीएस के जरिए ओल्ड पेंशन स्कीम का वादा अलाप रहे कांग्रेस की मंशा पर पानी फेर दिया है। यूनिफाइड पेंशन स्कीम को पीएम मोदी के नेतृत्व में लागू किया जाएगा। आने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने जो दाव चला है उससे विपक्ष चारो खाने चित्त नजर आने लगी है। इस नई पेंशन स्कीम के जरिए बीजेपी की कोशिश यही है कि असंतोष के कारण कांग्रेस की तरफ मुड़ रहे सरकारी कर्मचारियों को अपने पाले में खींचना है। बीजेपी को भी यह भलीभांति पता है कि कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को फिर से बहाल करने के अपने वादे के चलते हिमाचल में भाजपा का गढ़ छीन लिया था। आने वाले महीनों में जम्मू-कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव हैं, ऐसे में पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इसे पूरी तरह से भुनाने का प्रयास करेगा। सरकारी कैडर वाले राजधानी दिल्ली में फरवरी में चुनाव होने वाले हैं। देखा जाए तो सरकारी कैडर भाजपा का वोट बैंक रहे हैं। इससे उलट हाल के राज्य चुनावों में, विपक्ष ने ओपीएस बहाली की मांग को लेकर भाजपा को हराने के लिए सोची-समझी रणनीति तैयार की थी। हिमाचल प्रदेश में इसका असर दिखा और कांग्रेस वहां बाजी मारने में सफल रही। इन सबके बावजूद पार्टी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में नुकसान से बच गई थी। एमपी में तो भाजपा ने लोकसभा चुनाव में भी जिस तरह का प्रदर्शन किया वह अभूतपूर्व था। देखा जाए तो लोकसभा चुनावों में ओपीएस मुद्दे का रंग नहीं चढ़ सका, लेकिन मुखर सरकारी कर्मचारियों के एक वर्ग में नाखुशी स्पष्ट दिखाई दी थी। कई पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया कि यह आगामी चुनावी लड़ाई में एक कारक हो सकता है। करीब 18 महीने की मेहनत के बाद, यूनाइटेड पेंशन योजना (यूपीएस) को लागू करने का फैसला हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले लिया गया है, जिसके लिए तारीखों की घोषणा कर दी गई है। महाराष्ट्र और झारखंड में भी इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बता दें कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में ओपीएस की पुरजोर वकालत की थी, लेकिन राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी झटके के बाद ओपीएस पर उसने चुप्पी साध ली थी। नतीजतन लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र में भी इसका उल्लेख नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने योजना पर कैबिनेट के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कैसे कांग्रेस ने इसे हिमाचल और राजस्थान में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना दिया, लेकिन पार्टी द्वारा राज्यों में कभी भी ओपीएस को लागू नहीं किया गया, जिससे यह एक भ्रम बन गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा कर्मचारियों के प्रति असंवेदनशील रही है, जो हिमाचल और राजस्थान में देखी भी गई है। पार्टी ने दोनों राज्यों में वादे तो किए लेकिन ओपीएस को लागू करने में आनाकानी करती रही। इस तरह उसकी भ्रम पैदा करने की राजनीति की एक बार फिर से पोल खुल गई। वैष्णव के अनुसार यूपीएस, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक सुविचारित योजना पहले से ही चल रही थी क्योंकि यह पूरी तरह से राज्य द्वारा वित्त पोषित है और अंतर-पीढ़ी समानता का वादा करती है। मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, वर्तमान आवश्यकता के आधार पर धन प्रदान किया जाएगा, भविष्य के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा जाएगा, जैसा कि कांग्रेस ने हिमाचल और राजस्थान में किया था। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ तेईस लाख केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा, जिससे उनका बुढ़ापा आसानी से कट जाए।

काई ही काई

सुरेश मिश्रा

नटवर ताऊ के धवलकेशों में तजुर्बा एक चमक बनकर दमकता है। उनके पास एक ऐसी जीवन की किताब है जिसमें हर पन्ना न केवल उनके अनुभव की धूल से भरा है, बल्कि समाज की सच्चाइयों का भी जीवंत चित्रण करता है। महामारी के दौर में, नटवर ताऊ ने रामभरोसे अस्पताल में अपने अनुभव को और भी समृद्ध किया है। यह अस्पताल उनके लिए न केवल एक चिकित्सा केंद्र था, बल्कि सामाजिक असमानताओं और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों का अयास भी बन गया। रामभरोसे अस्पताल, जिसके नाम में ही एक तरह की सादगी और लापरवाही की झलक है, ने ताऊ के अनुभव को एक नई दिशा दी। उनके पड़ोसी मनोहर की पत्नी और दो लड़कों की मृत्यु ने इस अस्पताल के बारे में उनके दृष्टिकोण को और भी गहरा कर दिया।

उन्होंने देखा कि इस अस्पताल में मरीजों की संख्या बेड से कहीं ज्यादा थी, और सुविधाओं का अभाव था। अस्पताल के बारे में कभी बुरा-भला न कहने वाले ताऊ, अब इस संस्थान के प्रति अपनी राय को खुलकर व्यक्त करने लगे थे। उनकी जुबान से निकलते शब्द, रामभरोसे अस्पताल के बारे में, कभी सराहना नहीं करते थे। ताऊ के अनुसार, रामभरोसे अस्पताल तो वही जगह है जहाँ बेड कम और मरीज ज्यादा होते हैं। ग्लुकोज की जगह आँसू बहते हैं, इलाज की जगह हजारों टेस्टिंग की धूम मचती है, और काउंटर पर नोट गिनने की मशीनें खर्र-खर्र करती हैं। यह सब सुनकर, आप समझ सकते हैं कि निराशा की गली में, कब्रिस्तान के पीछे स्थित रामभरोसे अस्पताल पहुँच चुके हैं। इस अस्पताल के डॉक्टरों की परफार्मेंस भी ताऊ के लिए एक और बड़ा मजाक था। डॉक्टरों की ताल पर मरीजों की आस नाचती थी, और हर मरीज को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। ऐसे में डॉक्टरों की ओर से मरीजों को दी जाने वाली सलाह और इलाज का स्तर भी संदेहास्पद हो जाता है। नटवर ताऊ ने इस स्थिति को अपने तरीके से स्वीकार किया – जैसे कोई विशेष प्रकार की परीक्षा हो रही हो जिसमें मरीज के जीवन की कीमत पर हर कोई अपनी भूमिका निभा रहा हो।

मनोहर काका, जो पुराने जमाने के आदमी थे, उनकी सोच पर पुरानेपन की काई जम गई थी। उनके हिसाब से, पुराने होने का मतलब था कि नए विचारों और सोच को डाँटने का लाइसेंस मिल गया है। वे अड़ियल और संकीर्ण मानसिकता के व्यक्ति थे, जो किसी भी बदलाव को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। बहुओं ने बार-बार समझाया कि उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन काका अपने तर्कों और सोच में इतने गहरे थे कि बहुओं की बातों को नजरअंदाज कर देते। उनकी सोच की पुरानी धारा को देखते हुए, काका अक्सर अपनी दलीलों और अनुभवों को ही अंतिम सत्य मानते थे। वे मानते थे कि बीमारियाँ और समस्याएँ केवल मन का फरेब हैं। उनकी नजर में, ₹बीमारी-वीमारी कुछ नहीं होती, सब मन का फरेब है।

नियोजित युद्ध और नव निर्माण का साम्राज्यवाद

रघु ठाकुर

दुनिया में हथियारों का व्यापार निरंतर वृद्धि पर है। जिनेवा अकादमी की अध्ययन रपट के अनुसार अभी दुनिया में लगभग 25 घोषित-अघोषित, छोटे-बड़े युद्ध या संघर्ष चल रहे हैं। मध्य-पूर्व और अफ्रीका में बारह जगह युद्ध या संघर्ष जारी हैं। इराक, सीरिया और सूडान इनके मुख्य क्षेत्र हैं। एशिया में पाकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान और म्यांमार में, यद्यपि युद्ध तो नहीं हैं, परंतु अंतर-संघर्ष युद्ध के जैसे हैं। पाकिस्तान में अफगानिस्तान के तालिबानी अब इतनी संख्या में बढ़ चुके हैं कि वे एक प्रकार से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध के पर्याय जैसा बन रहे हैं। चीन में चीनी और रोहिंग्या, म्यांमार में बौद्ध और रोहिंग्या के बीच, संघर्ष हथियारों से हो रहा है। यूरोप में, रूस और यूक्रेन युद्ध को अब लगभग 2 वर्ष होने को आ रहे हैं और युद्ध जारी है। यूरोप और अमेरिका के द्वारा हथियारों की आपूर्ति से यूक्रेन लड़ तो रहा है, परंतु जीतने की स्थिति में नहीं है। यूरोप या अमेरिका लड़ने को हथियार और पैसा तो दे सकते हैं परंतु सैनिकों का अभाव पूरा नहीं कर सकते। हालांकि अब दुर्घटनाएं महत्वपूर्ण हुई है (एक) अमेरिका ने क्यों को बचाने के लिए यूक्रेन को प्रतिबंधित हथियारों की इस्तेमाल की सहमति दी है, (दो) नाटो ने भी अब सैनिक युद्ध में से भगत की संकेत दिए और यह दोनों ही मौके युद्ध के विस्तार के लिए हैं। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध को भी लगभग 7-8 माह होने को हैं और समाप्त या शांति होने के बजाय, नए-नए युद्ध के केंद्र तैयार हो रहे हैं। हमास के समर्थन में, सीरिया ने कुछ हलचल शुरू की थी। परंतु वह कोई बड़ा रूप नहीं ले पाई। ईरान ने हमास के समर्थन में इसराइल पर मिसाइल हमला किया था, जिसे अमेरिकी सैटेलाइट ने पहचान कर गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही यानि इजरायल की सीमा में पहुंचने से पहले ही नष्ट कर गिरा दिया। बाद में इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों के पास हमला किया। परमाणु ठिकाने तो नष्ट नहीं हुए परंतु ईरान को खतरे का संकेत-बल दे गया। उसके बाद ईरान ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अजरबेजान से आते हुए रास्ते में मृत्यु को लेकर भी पहले इजराइल पर संदेह की उंगलियां उठाई गई थीं, पर वह सही नहीं थीं, वरना युद्ध का एक नया दायरा खुल जाता। अमेरिका की नीति दो मुखी है एक तरफ वह नाटो संधि के अनुसार इजरायल की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और दूसरी तरफ इसराइल को समय-समय पर उपदेश भी देता रहता है। यद्यपि जो बाइडेन ने अभी तीन सूत्रीय फार्मूला रखा है। 1. इजराइल युद्ध बंद करें 2. हमास इजरायली बंधकों को रिहा करें 3. गाजा पट्टी में हुए विनाश के पुनर्निर्माण का कार्य अमेरिका करेगा। इस प्रस्ताव से कुछ युद्ध बंदी की संभावनाएं बढ़ी है। बताया जाता है कि इस साल दुनिया में ढाई सौ (250) लाख करोड़ रुपए का हथियारों का व्यापार होगा। मतलब भारत जैसे विशाल देश के वार्षिक बजट का 6 गुना। अमेरिका हथियार निर्यातकों में दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है जो 42 फीसदी हथियारों का निर्यात करता है। रूस लगभग 11 फीसदी, फ्रांस भी लगभग 11 फीसदी के आसपास, चीन व जर्मनी प्रत्येक लगभग 5.50 फीसदी तक के हथियारों के निर्यातक देश हैं। अभी भारत ने भी कुछ हथियारों के निर्यात करने का सिलसिला शुरू किया है पर वह नगण्य जैसा है। भारत को हथियार निर्यातकों की मुख्य सूची में आने के लिए अभी लंबा समय लगेगा। यूरोप हथियारों का निर्यातक भी है और आयातक भी। यूरोप में पिछले तीस वर्षों में हथियारों की खरीद में लगभग तेरह फीसदी की वृद्धि हुई है। चीन और ताइवान के बीच जो संघर्ष है उसके चलते पिछले दो साल में अमेरिका ताइवान को सत्रह लाख करोड़ रुपए के हथियार बेच चुका है। ताइवान के लिए अस्तित्व बचाने का संकट है। चीन उसे अपना हिस्सा बता कर कैंजाना भी चाहता है। ऐसा ही संकट यूक्रेन के सामने है। वह अपने देश की आजादी के लिए लड़ रहा है। ऐसा ही अस्तित्व का संकट इजराइल के समक्ष है। अपनी जमीन की वापसी के नाम पर यही संकट फिलिस्तीन का भी है। दुनिया कितनी विचित्र ढंग से चलती है और कितने दोहरे चेहरे की है!! यह इसी से स्पष्ट हो जाता है कि स्वीडन-एक ऐसा देश है जो हथियारों का बड़ा निर्यातक है। वह हथियारों का निर्माता कम है परंतु वह निर्यातक बड़ा है। जहां एक तरफ स्वीडन युद्ध से रक्षा के लिए या युद्ध के लिए हथियार निर्यात करता है, वहीं दूसरी तरफ वही स्वीडन दुनिया में शांति के नाम पर स्थापित नोबेल पुरस्कार भी देता है। यानि मौत और शांति दोनों का एकमुश्त व्यापार का माध्यम है-स्वीडन। वैसे यह भी कहा जाता है कि नोबेल पुरस्कार का अप्रत्यक्ष नियंत्रण अमेरिका की गुप्तचर एजेंसी सीआईए के हाथों में है। दुनिया में हर प्रकार के अपराध, युद्ध, फिरका-परस्ती की फैक्ट्रियों को नियंत्रित करने वाली सीआईए नोबेल पुरस्कार को भी नियंत्रित करती है। अभी तक युद्ध मुख्यता जमीन से लड़े जा रहे हैं आसमान का प्रयोग एक सहायक के रूप में तो होता है परंतु संचालन संचालित करने का केंद्र जमीन पर ही है ईरान की मिसाइलों को, अमेरिकी इजरायली मिशेल ने सरदार से पता कर अपनी एंटी मिसाइल से नष्ट कर दिया परंतु मिसाइल लोगों को छोड़ने या एंटी मिसाइल को छोड़ने वाले केंद्र को जमीन पर ही है पर अब विज्ञान का विकास नए खतरों का भी कारण बन रहा है। विज्ञान ने अंतरिक्ष के ग्रहों के द्वार खोल दिए हैं। शुरुआत तो इसकी अमेरिका, पेंटागन (अमेरिका प्रतिरक्षा विभाग) और नासा ने की थी। परंतु अब ऐसी जानकारियां मिली हैं कि चीन ने भी अंतरिक्ष में अपने सैन्य ठिकाने बनाए हैं तथा वहां से युद्ध की तैयारी कर रहा है। वही रूस भी अपने परमाणु ठिकाने बनाने की तैयारी कर रहा है। अगर यह हो गया तो रुस, अंतरिक्ष में घूम रहे सैटेलाइटों को नष्ट कर सकता है। उनके नष्ट होने का मतलब अमेरिका और दुनिया के संचार-तंत्र का नष्ट होना होगा। बताया जाता है कि यूक्रेन से युद्ध में रूस ने इलेक्ट्रॉनिक जैनिम क्रूज का इस्तेमाल किया था। जिसको अंतरिक्ष के यंत्रों से नियंत्रित किया गया। इसलिए रूस अमेरिकी दबाव से बाहर है। ताइवान को लेकर भी अभी हाल में चीन के राष्ट्रपति ने भी बयान दिया है कि अगर कोई चीन की ओर देखेगा तो हम उसका सिर फोड़ देंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके इस बयान का अर्थ चीन के स्पेस में बनाए गए हथियारों के केंद्र से है। अब इस अंतरिक्ष युद्ध की चुनौती के लिए अमेरिका भी सावधान होकर, अंतरिक्ष में नए युद्ध के लिए हथियारों के केंद्र विकसित कर रहा है। अंतरिक्ष के माध्यम से रूस और चीन के द्वारा उसके सैटेलाइट या उसके प्रभाव के देशों के लिए कोई खतरा न हो इस तैयारी में लग गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी अब युद्धों को नया स्वरूप दे रही है। साथ ही हथियारों के प्रयोग के लिए भी मानव विहीन हथियारों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। अंतरिक्ष और नए-नए ग्रह जहां विज्ञान और मानव पहुंच रहे हैं उन्हें हथियारों का केंद्र व नष्ट करने का काम भी परस्पर युद्ध की प्रतिस्पर्धा से शुरू हो गया है। अगर भविष्य में कोई अंतरिक्ष-केंद्रों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युद्ध होगा, तो क्या दुनिया बच सकेगी? यह बड़ा प्रश्न है। परमाणु हथियारों का युद्ध, मानव-विहीन मिसाइलों के द्वारा हो सकता है। परंतु, जहां मिसाइल का हमला होगा, वहां तो मानव ही होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित, मानव-विहीन संचालित मिसाइल क्या इस दुनिया को और मानवता को नष्ट करने का माध्यम बनेंगे? यह विचारणीय है। दुनिया के हथियारों के उत्पादक और निर्यातक देश अपनी संपन्नता और विलासिता के लिए हथियार निर्यात पर निर्भर हैं। हथियारों के निर्यात के लिए युद्ध और संघर्ष जरूरी है। इसलिए अब हथियार निर्यातक देश और कंपनियां योजनाबद्ध ढंग से उन स्थानों या मुद्दों को चयनित कर रही हैं, जहां अगर अभी युद्ध है-तो उसे और बढ़ाया जाए, जहां अभी युद्ध नहीं है वहां युद्ध कराया जाए।

समाजसेवा के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत हैं श्रीकृष्ण

सुरेश गांधी

प्रेम और कर्म का संदेश एवं योग को सहज समझने वाले भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों की कमी नहीं है। कई विदेशी कृष्ण की भक्ति में इतने लीन हो गए हैं कि उन्होंने भारतीय संस्कृति को अपना लिया है। मतलब साफ है कृष्ण साधना भी किसी सिद्धि से कम नहीं है। श्रीकृष्ण एवं अन्य किशोरों में यही तो अंतर है कि उनकी काया सतोप्रधान तत्वों की बनी हुई थी। वे पूर्ण पवित्र संस्कारों वाले थे। उनका जन्म काम-वासना के भोग से नहीं हुआ था। मीराबाई ने तो श्रीकृष्ण की भक्ति के कारण आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन किया। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं की श्रीकृष्ण भारतीयों के रोम-रोम में बसे हुये हैं, इसीलिए उनके जन्मोत्सव अर्थात 'जन्माष्टमी' को भारत के हर शहर-देहात में बहुत ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रीकृष्ण सभी को इसलिए इतने प्रिय लगते हैं क्योंकि उनकी सतोगुणी काया, सौम्य चितवन, हर्षित मुख और उनका शीतल स्वभाव सबके मन को मोहने वाला हैं। उनके जन्म, किशोरावस्था और बाद के भी सारे जीवन को लोग दैवी जीवन मानते हैं। फिर भी श्रीकृष्ण के जीवन में जो मुख्य विशेषतायें थीं और जो अनोखे प्रकार की महानता थी उसको लोग आज यथार्थ रूप में और स्पष्ट रीति से नहीं जानते। उदाहरण के तौर पर वे यह नहीं जानते कि श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व इतना आकर्षक क्यों था और वे पूज्य श्रेणी में क्यों गिने जाते हैं? एक बार फिर, उन्हें यह भी ज्ञात नहीं है कि श्रीकृष्ण ने उस उत्तम पदवी को किस उत्तम पुरूषार्थ से पाया। अतः जब तक हम उन रहस्यों को पुर्णतः जानेंगे नहीं, तब तक श्रीकृष्ण दर्शन जैसे हमारे लिए अधुरा ही रह जायेगा।

अमूमन किसी नगर या देश की जनता जन्मदिन उसी व्यक्ति का मनाती है, जिनके जीवन में कुछ महानता रही हो। परंतु आप देखेंगे कि महान व्यक्ति भी दो प्रकार के हुए हैं। एक तो वे जिनका जीवन जन-साधारण से काफी उच्च तो था परंतु फिर भी उनकी मनसा पूर्ण अविकारी नहीं थी, उनके संस्कार पूर्ण पवित्र न थे, वे विकर्माजीत भी नहीं थे और उनकी काया सतोप्रधान तत्वों की बनी हुई नहीं थी। अब दूसरे प्रकार के महान व्यक्ति वे हैं जो पूर्ण निर्विकारी थे। जिनके संस्कार सतोप्रधान थे और जिनका जन्म भी पवित्र एवं धन्य था अर्थात कामवासना के परिणामस्वरूप नहीं अपितु योगबल से हुआ था। श्रीकृष्ण और श्रीराम ऐसे ही पूजन योग्य व्यक्ति थे। यहां ध्यान देने के योग्य बात यह है कि पहली प्रकार के व्यक्तियों के जीवन बाल्यकाल से ही गायन या पूजने के योग्य नहीं होते बल्कि वे बाद में कोई उच्च कार्य करते हैं जिसके कारण देशवासी या नगरवासी उनका जन्मदिन मनाते हैं। परंतु श्रीकृष्ण तथा श्रीराम जैसे आदि देवता तो बाल्यावस्था से ही महात्मा थे। वे कोई संन्यास करने या शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद पूजने के योग्य नहीं बने और इसीलिए ही उनके बाल्यावस्था के चित्रों में भी उनको प्रभामण्डल से सुशोभित दिखाया जाता है। जबकि अन्यान्य महात्मा लोगों को संन्यास करने के पश्चात अथवा किसी विशेष कर्तव्य के पश्चात ही प्रभामण्डल दिया जाता है। यही वजह हैं की श्रीकृष्ण की किशोरावस्था को भी मातायें बहुत याद करती हैं और ईश्वर से मन ही मन यही प्रार्थना करती हैं कि यदि हमें बच्चा हो तो श्रीकृष्ण जैसा। श्रीकृष्ण में तथा अन्य किशोरों में यही तो अंतर है कि उनकी काया सतोप्रधान तत्वों की बनी हुई थी, वे पूर्ण पवित्र संस्कारों वाले थे और उनका जन्म योगबल द्वारा हुआ था। उनका जन्म काम-वासना के भोग से नहीं हुआ था। मीराबाई ने तो श्रीकृष्ण की भक्ति के कारण आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन किया और इसके लिए विष का प्याला भी पीना सहर्ष स्वीकार कर लिया। जबकि श्रीकृष्ण की भक्ति के लिए, उनका क्षणिक साक्षात्कार मात्र करने के लिए और उनसे कुछ मिनट रास रचाने के लिए भी काम-विकार का पूर्ण बहिष्कार जरूरी है।

आजीवन रहे युवा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार श्रीकृष्ण 119 वर्ष की आयु तक जीवित रहे। दिलचस्प बात यह है कि कृष्ण 119 वर्ष में भी युवा ही दिखते थे। भगवान के युवा दिखाई देने का रहस्य उनके जन्म से लेकर विष्णुलोक जाने के क्रम में छिपा हुआ है। दरअसल कान्हा का जन्म मथुरा में हुआ। लालन-पालन और बचपन गोकुल, वृंदावन, नंदगांव, बरसाना में बीता। जब वह किशोर हुए तो मथुरा पहुंचे। वहां उन्होंने अपने क्रूर मामा कंस का वध किया। और फिर वह द्वारिका में रहने लगे।

किंवदंती है कि सोमनाथ मंदिर के नजदीक ही उन्होंने अपनी देह त्यागी थी। उनकी मृत्यु एक बहेलिया के तीर लगने के कारण हुई थी। हुआ यूं था कि बहेलिया ने उनके पैर को हिरण का सिर समझ तीर चलाया और तीर सीधा उनके पैर के तलुए में जा लगा। इस तरह उन्होंने अपनी देह त्याग दी। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि जब श्रीकृष्ण विष्णु लोक पहुंच गए तब उनके मानवीय शरीर पर न तो झुर्रियां पड़ीं थीं और न ही उनके केश सफेद हुए थे। वह 119 उम्र में भी एक युवा की तरह ही दिखाई देते थे।

गरम दूध कृष्ण ने पीया और छाले पड़े राधा को

एक दिन रुक्मणी ने भोजन के बाद, श्री कृष्ण को दूध पीने को दिया। दूध ज्यादा गरम होने के कारण श्री कृष्ण के हृदय में लगा और उनके श्रीमुख से निकला- 'हे राधे!' सुनते ही रुक्मणी बोलीं- प्रभु! ऐसा क्या है राधा जी में, जो आपकी हर सांस पर उनका ही नाम होता है? मैं भी तो आपसे अपार प्रेम करती हूं... फिर भी, आप हमें नहीं पुकारते!! श्री कृष्ण ने कहा -देवी! आप कभी राधा से मिली हैं? और मंद मंद मुस्काने लगे...अगले दिन रुक्मणी राधाजी से मिलने उनके महल में पहुंचीं। राधाजी के कक्ष के बाहर अत्यंत खूबसूरत स्त्री को देखा... और, उनके मुख पर तेज होने कारण उसने सोचा कि ये ही राधाजी हैं और उनके चरण छुने लगीं! तभी वो बोली -आप कौन हैं ? तब रुक्मणी ने अपना परिचय दिया और आने का कारण बताया...तब वो बोली- मैं तो राधा जी की दासी हूं। राधाजी तो सात द्वार के बाद आपको मिलेंगी। रुक्मणी ने सातों द्वार पार किये... और, हर द्वार पर एक से एक सुन्दर और तेजवान दासी को देख सोच रही थी कि अगर उनकी दासियां इतनी रूपवान हैं... तो, राधारानी स्वयं कैसी होंगी? सोचते हुए राधाजी के कक्ष में पहुंचीं... कक्ष में राधा जी को देखा- अत्यंत रूपवान तेजस्वी जिसका मुख सूर्य से भी तेज चमक रहा था। रुक्मणी सहसा ही उनके चरणों में गिर पड़ीं... पर, ये क्या राधा जी के पूरे शरीर पर तो छाले पड़े हुए हैं! रुक्मणी ने पूछा- देवी आपके शरीर पे ये छाले कैसे? तब राधा जी ने कहा- देवी! कल आपने कृष्णजी को जो दूध दिया... वो ज्यादा गरम था! जिससे उनके ह्रदय पर छाले पड गए... और, उनके ह्रदय में तो सदैव मेरा ही वास होता है..!!

श्रीकृष्ण के शरीर का नीला रंग

श्रीकृष्ण के शरीर का रंग आसमान के रंग की तरह था। जिसे हम श्याम रंग भी कहते हैं। यह रंग काला, नीला और सफेद रंग का मिश्रिण होता है। जब श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था तब उनके शरीर का रंग सामान्य मनुष्य की तरह ही था। कहते है जब श्रीकृष्ण बचपन में अपने ग्वाल सखाओं के साथ नदी किनारे गेंद से खेल रहे थे। तभी उनकी गेंद नदी में जा गिरी।

बेचारे मुर्गों की हर्ट फीलिंग

रेखा शाह आरबी

सावन खत्म होते ही धरती के सारे मुर्गो में भय का माहौल व्याप्त हो गया था। सब अपनी जान की सलामती को लेकर परेशान थे । मुर्गो की सलामती को लेकर कैसे कोई आस बंधाई जाए।यहां तो आधी आबादी डरी सहमी रहती है । पता नहीं कब कहां से कौन भेड़िया निकल जाए। कब कौन उनकी इज्जत तार तार कर दे उन्हे नोच-खसोट ले। सोचने की बात है जहां आधी आबादी डरी सहमी रहती है । वहां पर इनकी परेशानी कौन देखेगा । इंसान तो इंसानो को भी बक्शता नहीं है । वह तो मात्र एक मुर्गे थे। जिन इंसानों के नजर में इंसानो की कीमत नहीं है। उनके नजर में भला मुर्गो की क्या कीमत होगी! मुर्गे ऊहापोह की स्थिति में थे । कि कल कौन रहेगा और कौन पेटलोक का वासी होगा । कौन सींक कबाब सिंकेगा। और कौन टंगड़ी कबाब बनकर टंग जायेगा । और कौन दो प्याजा बनकर मिर्च मसालेदार बनेगा । सारे मुर्गी मुर्गियां अपने ईश्वर को गुहरा रहे थे । और अपने सभी सगे संबंधियों से गले मिलकर उन्हें अंतिम विदाई दे रहे थे। और कह रहे थे -भाई अगर कल जिंदा रहे तो साथ में दाना चरने चला जाएगा। मुर्गे -मुर्गियों को पता नहीं था इंसानों से तो ऊपर वाला भी परेशान हो चुका हैं। इधर मुर्गों की जान का मसला था । जिसमें इंसान मसाला मिलाकर चटकारे लेने वाला था । उधर इंसान तो इंसान है। उसे दूसरे की परेशानियों से क्या लेना देना। वह चटकारे लेने के साथ-साथ मुर्गों के ऊपर जोंक भी बनाकर उनका मजाक बना रहे थे । अब यह क्या बात हुई एक तो जान भी ले रहे हो। दूसरे मजाक भी बना रहे हो । इस बात ने मुर्गों और मुर्गियों की फीलिंग को हर्ट कर दिया।बस यही पर बात बिगड़ गई। वरना वह सब चुपचाप कढ़ाई में जाने को तैयार थे। मुर्गे और मुरगिया इंसानों को भला बुरा कहने लगे। इन इंसानों को तो दूसरों की फिलिंग्स का कोई कदर ही नहीं है । सींक कबाब और टंगड़ी कबाब और चिकन दो प्याजा बनाना तो बर्दाश्त कर लिया। लेकिन जोंक बनना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। आखिर अपनी भी इज्जत है । लेकिन मुर्गी और मुर्गियों के हर्ट होने से क्या होता है । जब तक आप पावरफुल नहीं है ।तब तक आप अपनी इस देश में किसी को बात सुनाने की कल्पना भी मत कीजिए। हां आपकी बात सुनी जा सकती थी यदि आप इंसानों की थाली में परोसे जाने के वक्त अपना स्वाद बदल पाते। तो शायद उनको कुछ फर्क पड़ता । लेकिन यदि आप कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं है। तो अपनी फिलिंग्स अपने पास रखिए।

मोदी की यूक्रेन यात्रा ने वैश्विक राजनीति में हलचल पैदा की

राजेश कुमार पासी

जब पिछले महीने मोदी रूस यात्रा पर गए थे तो अमेरिका और यूरोप सहित कई देशों ने भारत की जमकर आलोचना की थी । तब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था, "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता मोदी का दुनिया के सबसे खूनी अपराधी(पुतिन) को गले लगाना दिल तोड़ने वाला है " । मोदी ने लगभग डेढ़ महीने बाद यूक्रेन की यात्रा की है और उन्हीं जेलेंस्की को गले लगाया और उनके कंधे पर हाथ भी रखा । प्रेस वार्ता में पूछे गये सवाल पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी कहा कि गले लगाना हमारी संस्कृति का हिस्सा है । मोदी ने पुतिन के बाद जेलेंस्की को गले लगाकर बता दिया है कि हम जब किसी से मिलते हैं तो उसे गले लगाते हैं ।

वास्तव में रूस यात्रा के कारण वैश्विक राजनीति में पुतिन को गले लगाने से हो रही भारत की आलोचना का मोदी ने जवाब दिया है । शायद वैश्विक राजनीति में मोदी अकेले नेता हैं जिन्होंने पुतिन को भी गले लगाया है और उसी तरह जेलेंस्की को भी गले लगाया है । उम्र में छोटा होने के कारण उनके कंधे पर हाथ रखा है, देखा जाए तो भारत ने यूक्रेन के कंधे पर हाथ रखा है और उसकी हिम्मत बढ़ाई है कि वो भी उसके साथ खड़ा है । मोदी की यात्रा ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत रूस का मित्र जरूर है लेकिन वो रूस के पक्ष में नहीं खड़ा हुआ है जैसे चीन और उत्तरी कोरिया जैसे देश खड़े हैं । मोदी जी ने यूक्रेन की धरती से दिए अपने बयान में कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में हम निष्पक्ष नहीं हैं बल्कि हम शांति के पक्ष में खड़े हुए हैं और शांति स्थापना के लिए जो कुछ भी संभव होगा, उसके लिए भारत पूरे प्रयास करेगा । भारत अपनी तरफ से जो मदद है, वो भी यूक्रेन की कर रहा है । वैश्विक मीडिया के लिए ये बड़े अचंभे की बात है कि मोदी की यूक्रेन यात्रा के दौरान लगभग 36 घंटों तक रूस ने एक गोली भी नहीं चलाई और मोदी की यात्रा के दौरान यूक्रेन में हमले की सूचना देने वाले सायरन बिल्कुल शांत रहे । ये भारत की ताकत का नमूना है कि दो देशों के युद्ध के दौरान उसका पीएम एक देश की यात्रा करता है तो दोनों देशों की सेना युद्ध रोक देती है जिसमें से एक देश दूसरी विश्व शक्ति है । मोदी जी ने जेलेंस्की को बताया कि उन्होंने पुतिन की आंखों में आंखें डाल कर यह बात कही है कि ये समय युद्ध का नहीं है । अंतरराष्ट्रीय मीडिया में मोदी की यूक्रेन यात्रा की बहुत चर्चा हो रही है । वैसे दुनिया मोदी की यूक्रेन यात्रा को रूस के बाद संतुलन साधने की राजनीति के रूप में देख रही है । न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत की विदेश की नीति की तारीफ की है और कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी युद्धग्रस्त रूस और यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक साधकर चल रहे हैं । अमेरिकी मीडिया चैनल सीएनएन ने लिखा है कि रूस दौरे के बाद भारत युद्ध विराम की लगातार अपील करता रहा है लेकिन भारत ने खुद को रूस की आलोचना से दूर रखा है । भारत रूस की अर्थव्यवस्था को मदद के रूप में बड़ी मात्रा में रूस से तेल आयात कर रहा है । उसने मोदी के बयान का भी जिक्र किया है कि समस्या का हल युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता । द गार्जियन ने भी मोदी जी के यूक्रेन दौरे पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की है । उसने जेलेंस्की द्वारा मोदी जी के यूक्रेन दौरे को ऐतिहासिक बताने का जिक्र किया है और कहा है कि यह भारत के प्रधानमंत्री का यूक्रेन में पहला दौरा है । द गार्जियन ने कहा है कि भारत ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया है ।

बीबीसी ने भी मोदी जी की यूक्रेन यात्रा पर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की है । युद्ध के बीच मोदी की रूस यात्रा की वैश्विक मीडिया ने जमकर आलोचना की थी और अब वही मीडिया उनकी यात्रा को संतुलन साधने की कोशिश बता रहा है । पहले यही मीडिया कह रहा था कि भारत रूस की तरफ झुक रहा है । कुछ हद तक यह कहना सही भी है भारत रूस की यात्रा से पैदा हुए आक्रोश को शांत करने की कोशिश कर रहा है और वैश्विक मीडिया इसी बात को उठा रहा है। भारत के विकास में अमेरिका और पश्चिमी देशों की अहम भूमिका है, इसलिए भारत उनकी नाराजगी मोल नहीं लेना चाहता ।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत का रूस के साथ व्यापार बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण अमेरिका और पश्चिमी देश उस पर रूस के नजदीक जाने का आरोप लगा रहे हैं । दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के कारण भारत पर यह दबाव है कि वो लोकतांत्रिक देशों का साथ दे । विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस से तेल खरीदने पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई बार जवाब दे चुके हैं । वो कह चुके हैं कि अगर हम रूस से तेल खरीदना बंद कर देते हैं तो विश्व बाजार में तेल के दाम बहुत बढ़ जायेंगे और कई अन्य वस्तुओं के दाम पर इसका बुरा असर पड़ेगा । इससे हमारी अर्थव्यवस्था पर संकट आ सकता है, इसलिए भारत की कुछ सीमाएं हैं ।

भगवान कृष्ण और उनकी शक्तियां

निरंकार सिंह

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे देश में बड़ी धूमधाम के साथ मनायी जाती है। दुनिया के कई देशों में बने इस्कान मन्दिरों की ओर से भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया जाता है। आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले श्रीकृष्ण भगवान का अवतरण इस धरा पर हुआ था। उनके उपदेशों के संग्रह भगवत गीता को आज भी दुनिया के कई देशों में सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ माना जाता है। इस भगवत गीता में ही भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के प्रश्न का उत्तर देते हुए अपने जन्म और कर्म को आलौकिक बताया है। गीता के नवें अध्याय के तीसरे श्लोक में अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा क्या संसार से परे हैं? इस पर नवें अध्याय के चौथे, पांचवें और छठवें श्लोक में कहते हैं कि, 'मेरे अव्यक्त स्वरूप से यह सब जगत व्याप्त है अर्थात मैं जिस स्वरूप में स्थित हूॅ वह सर्वत्र व्याप्त है। सभी प्राणी मुझमें स्थान पाये हैं किन्तु मैं उनमें स्थित नहीं हूॅ क्योंकि मैं अव्यक्त स्वरूप में स्थित हूॅ। महापुरूष जिस अव्यक्त स्वरूप में स्थित है वहीं से (शरीर छोड़कर उसी अव्यक्त स्वरूप से ही) बात करते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं कि वस्तुतः सब भूत भी मुझमें स्थित नहीं है क्योंकि वे मरण धर्मा हैं। प्रकृति के आश्रित हैं किन्तु मेरी योगमाया के ऐश्वर्य को देख कि जीवधारियों को उत्पन्न और पोषण करने वाली मेरी आत्माभूतों में स्थित नहीं है। मैं आत्मस्वरूप हूॅ इसलिए मैं उन भूतों में स्थित नहीं हूॅ। यहीयोग का प्रभाव है। इसे स्पष्ट करने के लिए श्रीकृष्ण दृष्टान्त देते हैं जैसे आकाश में ही उत्पन्न होने वाली महान वायु आकाश में सदैव स्थित है लेकिन उसे मलिन नहीं कर पाती, ठीक वैसे ही सम्पूर्ण भूत मुझसे स्थित है। ठीक इस प्रकार मैं आकाश के समान निर्लिप्त हूॅ। वे मुझे मलिन नहीं कर पाते। भगवान कहते हैं, 'जन्म कर्म च मे दिव्यम्'-मेरा जन्म और कर्म अलौकिक है। इन चर्म चक्षुओं को देखा नहीं जा सकता है। गीता के ही दसवें अध्याय के दूसरे और तीसरे श्लोक में अपने स्वरूप को स्पष्ट करते हुए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- 'अर्जुन, मेरी उत्पत्ति न देवता लोग जानते हैं और न महर्षिगण ही जानते हैं क्योंकि मैं सब प्रकार से देवताओं और महर्षियों का आदि हूँ। जो मनुष्य मुझे अजन्मा, अनादि और सम्पूर्ण लोगों का महान ईश्वर जानता है अर्थात दृढ़ता से (सन्देह रहित) स्वीकार कर लेता है, वह मनुष्यों में ज्ञानवान है और सम्पूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है। ब्रह्म संहिता में भी कहा गया है कि श्रीकृष्ण ही परात्पर ब्रह्म हैं। ब्रह्म संहिता के अनुसार 'अनंत कोटि ब्रह्माण्डों के संचालक भगवान श्रीकृष्ण के ही अंश महाविष्णु हैं और उनका अस्तित्व भगवान श्रीकृष्ण को एक श्वास से प्रतिपालित है अर्थात महाविष्णु स्वयं भगवान श्रीकृष्ण की एक कला के अवतार हैं।' श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार सृष्टि की रचना के समय परब्रह्म ने अपनी एक शक्ति को कार्णार्णवशायी महाविष्णु के रूप में प्रकट किया। 'कार्णार्णवशायी विष्णु परब्रह्म के प्रथम अवतार माने जाते हैं। वे शाश्वत काल, पंच महाभूत की माया एवं उसमें व्याप्त अहंकार, परब्रह्म का सर्वव्यापक रूप गर्भोदशायी महाविष्णु तथा सम्पूर्ण जगत के चराचर जीवात्माओं के स्वामी हैं।' कार्णार्णवशायी महाविष्णु को परब्रह्म के प्रथम अवतार होने के कारण प्रथम पुरूष भी कहा जाता है। गर्भोदशायी महाविष्णु को द्वितीय पुरूष भी कहा जाता है। गर्भोदशायी महाविष्णु ने अनंत ब्रह्माण्डों को प्रकट किया और प्रत्येक ब्रह्माण्ड में एक विष्णु तथा एक शंकर को प्रकट किया। प्रत्येक ब्रह्माण्ड के विष्णु को क्षीरोदशायी महाविष्णु या तृतीय पुरूष कहते हैं।

इनको परमात्मा भी कहते हैं जो अनंत कोटि ब्रह्मांडों के सभी जीवों के हृदय में बैठकर उनके प्रत्येक क्षण के प्रत्येक कर्मों का साक्षी बन तत्पश्चात उनका फल प्रदान करते हैं। अतः यह स्पष्ट है कि भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति (कार्णार्णवशायी विष्णु) की शक्ति (गर्भोदशायी महाविष्णु) की शक्ति का प्राकट्य क्षीरोदशायी महाविष्णु है। ब्रह्म संहिता में ही हा गया है -

एक बार सृष्टि रचयिता ब्रह्मा जी भगवान श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका गये। ब्रह्मा जी ने द्वारपाल से अहंकार पूर्वक कहा कि, ''भगवान श्रीकृष्ण को सूचना दे दो कि ब्रह्मा उनसे मिलने के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं।'' जब द्वारपाल ने ब्रह्मा का संदेश सुनाया तो श्रीकृष्ण ने पूछा कि, ''कौन ब्रह्मा?''। यह सुनकर ब्रह्मा जी स्तब्ध रह गये, फिर ब्रह्मा जी ने उत्तर दिया, ''मैं सृष्टि रचयिता तथा चार कुमार परमहंसों का पिता। द्वारपाल ने ब्रह्मा जी को भगवान श्री कृष्ण से मिलने दिया। तब ब्रह्मा जी ने भगवान श्रीकृष्ण से नम्रतापूर्वक उनके द्वारा पूछे गये प्रश्न का कारण पूछा। भगवान ने ब्रह्मा जी को अपने विराट रूप का दर्शन कराया जिसमें अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर इत्यादि समाये हुए थे। दर्शन मात्र से ब्रह्मा जी का मिथ्या अहंकार नष्ट हो गया। तब ब्रह्मा जी को ज्ञात हुआ कि भगवान श्रीकृष्ण समस्त ब्रह्माण्डों के पालक हैं और ब्रह्मा तो उनमें से सबसे छोटे ब्रह्माण्ड के रचयिता हैं। ब्रह्मा जी ने भगवान श्रीकृष्ण के चरणकमलों में गिरकर क्षमा याचना की तथा उनकी स्तुति की कहा कि-'जिस प्रकार एक छोटे से छिद्र से आती हुई सूर्य की किरणों में अनंत धूल के कण दृष्टिगोचर होते हैं, उसी प्रकार आपके शरीर के रोम-रोम में अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और उनके ब्रह्मांड समाये हुए हैं। आपक महिमा अवर्णनीय है।''इससे यह पता चलता है कि भगवान श्रीकृष्ण के दो प्रकार के अवतार होते है। ण्एक युगावतार श्रीकृष्ण और एक स्वयं श्रीकृष्ण युगावतार। श्रीकृष्ण प्रत्येक द्वापर में अवतरित होते हैं जबकि स्वयं श्रीकृष्ण एक कल्प में केवल एक बार आते हैं। युगावतार तथा महाविष्णु दोनों अवतार हैं। जबकि स्वयं श्रीकृष्ण अन्य सभी अवतारों के स्रोत हैं। यद्यपि अवतारी और सभी अवतारों में अनंत दिव्यानंद हैं तथा श्रीकृष्ण के समकक्ष शक्तियां होती हैं परन्तु अवतार उन परम शक्तियों के अध्यक्ष नहीं होते। स्वयं श्रीकृष्ण ही समस्त दिव्य शक्तियों के स्वामी और नियंत्रण कर्ता हैं। आपके शरीर के रोम-रोम में अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और उनके ब्रह्मांड समाये हुए हैं दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ही अपनी शक्तियां अपने सभी अवतारो को देते हैं और श्रीकृष्ण अपनी शक्ति निष्पंद भी कर सकते हैं क्योंकि वे स्वयं ही समस्त शक्तियों के नियंत्रक हैं। उनकी शक्तियां और उनका वैभव अनन्त है। वेद, भागवत और श्रुतियां भी उनका सम्पूर्ण गुणगान करने में असमर्थ हैं। वे नेति-नेति कह करके हार जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं - हरहिं हरिता विधिधिं विधिता, शिवहिं शिवता जो दई। अर्थात ''वे ही हैं जो विष्णु को पालन की शक्ति देते हैं। ब्रह्मा को रचना करने की शक्ति देते हैं, शिव को संहार करने की शक्ति देते हैं। भागवत के अनुसार भी ''न ही भगवान शंकर, न ही तुम और न ही मैं दिव्यानंद की सीमाओं का अंत पा सकते हैं तो देवी देवता की क्या विसात? और हम सभी लोग भगवान की माया से मोहित हैं अतः व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार ही हम लोग ब्रह्माण्डों को देख सकते हैं।''

श्रीकृष्ण ने आधी रात में क्यों लिया था जन्म

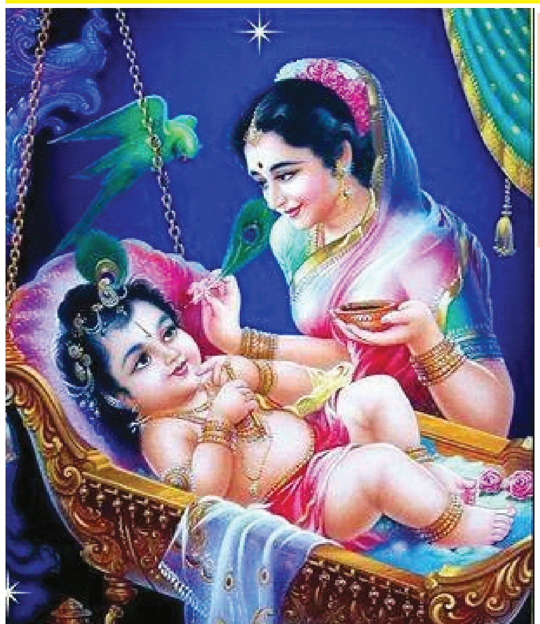

जानिए जन्माष्टमी मनाने का शुभ-मुहूर्त

ज्योतिषियों के अनुसार जन्माष्टमी के दिन रोहिणी नक्षत्र 26 अगस्त को दोपहर 3 बजकर 55 मिनट से प्रारंभ होगा और 27 अगस्त को दोपहर 3 बजकर 38 मिनट पर समाप्त होगा। कृष्ण जन्माष्टमी के पूजन का शुभ मुहूर्त 26 अगस्त को दोपहर 12 से 27 अगस्त की देर सुबह 12 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कृष्ण जन्म अष्टमी तिथि की मध्य रात में हुआ था, तब रोहिणी नक्षत्र भी था और 26 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र और तिथि अष्टमी दोनों है। लिहाजा गृहस्थजन 26 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे। जबकि सूर्योदय के अनुसार नक्षत्र, तिथि को मानने वाले वैष्णवजन 27 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे।

आधी रात में क्यों लिया था जन्म?

रोहिणी चंद्रमा की प्रिय पत्नी और नक्षत्र हैं, इसी कारण कृष्ण रोहिणी नक्षत्र में जन्मे। अष्टमी तिथि शक्ति का प्रतीक है, कृष्ण शक्तिसंपन्न, स्वमंभू व परब्रह्म है इसीलिए वो अष्टमी को अवतरित हुए। कृष्ण के रात्रिकाल में जन्म लेने का कारण ये है कि चंद्रमा रात्रि में निकलता है और उन्होंने अपने पूर्वज की उपस्थिति में जन्म लिया। पूर्वज चंद्रदेव की भी अभिलाषा थी कि श्रीहरि विष्णु मेरे कुल में कृष्ण रूप में जन्म ले रहे हैं तो मैं इसका प्रत्यक्ष दर्शन कर सकूं। पौराणिक धर्मग्रंथों में उल्लेख है कि कृष्णावतार के समय पृथ्वी से अंतरिक्ष तक समूचा वातावरण सकारात्मक हो गया था। प्रकृति, पशु पक्षी, देव, ऋषि, किन्नर आदि सभी हर्षित और प्रफुल्लित थे। यानि कृष्ण के जन्म के समय चहुंओर सुरम्य वातावरण बन गया था। धर्मग्रंथों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि श्रीकृष्ण ने योजनाबद्ध रूप से पृथ्वी पर मथुरापुरी में अवतार लिया।

श्रीकृष्ण की जन्म की पूरी कहानी

द्वापर युग में भोजवंशी राजा उग्रसेन मथुरा में राज्य करता था। उसके आततायी पुत्र कंस ने उसे गद्दी से उतार दिया और स्वयं मथुरा का राजा बन बैठा। कंस की एक बहन देवकी थी, जिसका विवाह वासुदेव नामक यदुवंशी सरदार से हुआ था। एक बार जब कंस देवकी और वासुदेव को उनके राज्य ले कर जा रहा था तभी एक आकाशवाणी हुई - 'हे कंस! जिस बहन को तू उसके ससुराल छोड़ने जा रहा है, उसके गर्भ से पैदा होने वाली आठवीं संतान तेरी मौत का कारण बनेगी।' आकाशवाणी सुनकर कंस क्रोधित हो उठा और वासुदेव को मारने बढ़ा। तब देवकी ने अपने पति के प्राणों की रक्षा के लिए कहा कि उनकी जो भी संतान जन्म लेगी, उसे वो कंस को सौंप देगी। कंस ने बहन की बात मान कर दोनों को कारागार में डाल दिया।

कारागार में कृष्ण का जन्म

कारागार में देवकी ने एक-एक करके सात बच्चों को जन्म दिया, लेकिन कंस ने उन सभी का वध कर दिया। अब आठवां बच्चा होने वाला था। कारागार में कड़े पहरे बैठा दिए गए। उसी समय नंद की पत्नी यशोदा को भी बच्चा होने वाला था।

उन्होंने वासुदेव-देवकी के दुखी जीवन को देख आठवें बच्चे की रक्षा का उपाय रचा। जिस समय वासुदेव-देवकी को पुत्र पैदा हुआ, उसी समय संयोग से यशोदा के गर्भ से एक कन्या का जन्म हुआ, जो और कुछ नहीं सिर्फ 'माया' थी। उसी समय माता यशोदा ने एक पुत्री को जन्म दिया। इस बीच कारागार में अचानक प्रकाश हुआ और भगवान श्रीहरि विष्णु प्रकट हुए। उन्होंने वासुदेव से कहा कि आप इस बालक को अपने मित्र नंद जी के यहां ले जाओ और वहां से उनकी कन्या को यहां लाओ।

भगवान विष्णु के आदेश से वासुदेव जी भगवान कृष्ण को सूप में अपने सिर पर रखकर नंद जी के घर की ओर चल दिए। भगवान विष्णु की माया से सभी पहरेदार सो गए, कारागार के दरवाजे खुल गए। वासुदेव भगवान कृष्ण को लेकर नंद जी के यहां सकुशल पहुंच गए और वहां से उनकी नवजात कन्या को लेकर वापस आ गए। जब कंस को देवकी की आठवीं संतान के जन्म की सूचना मिली। वह तत्काल कारागार में आया और उस कन्या को छीनकर पृथ्वी पर पटकना चाहा। लेकिन वह कन्या उसके हाथ से निकल कर आसमान में चली गई। फिर कन्या ने कहा- 'हे मूर्ख कंस! तूझे मारने वाला जन्म ले चुका है और वह वृंदावन पहुंच गया है। अब तुझे जल्द ही तेरे पापों का दंड मिलेगा।' वह कन्या कोई और नहीं, स्वयं योग माया थीं।

भगवान विष्णु के आदेश से वासुदेव जी भगवान कृष्ण को सूप में अपने सिर पर रखकर नंद जी के घर की ओर चल दिए। भगवान विष्णु की माया से सभी पहरेदार सो गए, कारागार के दरवाजे खुल गए, यमुना ने भी शांत होकर वसुदेव जी के जाने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। वासुदेव भगवान कृष्ण को लेकर नंद जी के यहां सकुशल पहुंच गए और वहां से उनकी नवजात कन्या को लेकर वापस आ गए। जब कंस को देवकी की आठवीं संतान के जन्म की सूचना मिली। वह तत्काल कारागार में आया और उस कन्या को छीनकर पृथ्वी पर पटकना चाहा। लेकिन वह कन्या उसके हाथ से निकल कर आसमान में चली गई। फिर कन्या ने कहा- 'हे मूर्ख कंस! तूझे मारने वाला जन्म ले चुका है और वह वृंदावन पहुंच गया है। अब तुझे जल्द ही तेरे पापों का दंड मिलेगा।' वह कन्या कोई और नहीं, स्वयं योग माया थीं।

श्वेता तिवारी ने जम्पसूट में दिखाया स्टाइलिश अंदाज, फैंस बोले- हॉट मॉम

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरती से हमेशा फैंस को प्रभावित करती हैं। 40 के दशक में भी उनकी खूबसूरती और स्टाइल युवाओं को मात दे रहे हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने ऑलिव ग्रीन जम्पसूट में एक नया फोटोशूट शेयर किया, जो काफी चर्चा में है।

बता दें, श्वेता तिवारी, जो अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, ने इस बार अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सभी का ध्यान खींचा। उनके तस्वीरों में वह कभी कैमरे की ओर देखती हैं, तो कभी नजरें झुकाए हुए नजर आती हैं। उनका सिंपल लेकिन एलीगेंट लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

वहीं 43 साल की श्वेता तिवारी अपने फिटनेस और स्टाइल से यह साबित करती हैं कि उम्र सिर्फ एक नंबर है। दो बच्चों की मां होने के बावजूद, वह अपने ग्लैमरस अंदाज से लोगों का दिल जीतने में सक्षम हैं। उनके इस नए फोटोशूट को देखकर फैंस ने जमकर तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा, 'अगले जन्म में भगवान मुझे आपका पार्टनर बनाए।' दूसरे ने कमेंट किया, 'श्वेता तिवारी हॉट, हॉट मॉम।' उनका यह नया लुक एक बार फिर उनके टाइमलेस ब्यूटी और फैशन सेंस को दर्शाता है, जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं।

कार कंपनी पर मुकदमा दायर कर रिमी सेन ने की 50 करोड़ मुआवजे की मांग

बोलीं- कंपनी की लापरवाही से जान जा सकती थी

क्यों की, हंगामा और गोलमाल जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस रिमी सेन ने हाल ही में एक कार कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर करते हुए 50 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि कंपनी की लापरवाही से किसी की जान जा सकती थी। उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन कंपनी लगातार उन्हें नजरअंदाज करती रही और फिर बुरा बर्ताव करने लगी, जिससे उन्हें मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, रिमी सेन ने जगुआर लैंड रोवर, नवनीत मोटर्स और सतीश मोटर के खिलाफ मुकदमा दायर कर नोटिस भेजा है। रिमी सेन बीते लंबे समय से कार के रियर एंड कैमरे की खराबी का सामना कर रही थीं। टेक्निकल दिक्कतों के चलते 25 अगस्त 2022 में उनकी कार की पीछे की तरफ से एक खंबे से टक्कर हुई थी। जब उन्होंने कंपनी में इसकी शिकायत की तो कंपनी के लोगों द्वारा इसे नजरअंदाज किया गया और उनसे बुरा व्यवहार किया गया। एक्ट्रेस ने बताया है कि कार ठीक करवाने के लिए उन्होंने करीब 10 बार सर्विस सेंटर भेजी थी, लेकिन कभी भी उनकी कार को ठीक तरह से रिपेयर नहीं किया गया।

एक्ट्रेस ने की 50 करोड़ के मुआवजे की मांग

एक्ट्रेस ने अपनी शिकायत में कहा है कि कार कंपनी की लापरवाही से उन्हें मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है, जिसके लिए वो 50 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग करती हैं। मुआवजे के अलावा भी एक्ट्रेस ने लीगल खर्च के 10 लाख रुपए की मांग की है।

शिकायत में एक्ट्रेस ने कहा है, कंपनी और उसकी सर्विस से बेहद निराश हूं। उनका कस्टमर के प्रति घटिया रवैया है। मेरी कार एक पिलर से टकराई, लेकिन उस पिलर की जगह कोई इंसान भी हो सकता था। कंपनी की लापरवाही से किसी की जान भी जा सकती थी या फिर कोई गंभीर एक्सीडेंट हो सकता था। किसी की जान की भरपाई उस समय किसी मुआवजे से नहीं हो पाती। ईटाइम्स से बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया है कि वो अपने वकील के साथ मिलकर इस केस को मैनेज कर रही हैं।

ब्लू बिकिनी पहन पूनम पांडे ने शेयर की तस्वीरें

भारतीय मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे अपनी फैशन सेंस के साथ-साथ बोल्डनेस के लिए भी जानी-जाती है। पूनम अपनी बोल्ड लुक की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ भी शेयर करती रहती है। हाल ही में मॉडल ने बिकिनी लुक में कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर की हैं, जो तहलका मचा रही हैं।

लुक की बात करें तो पूनम इस दौरान ब्लू बिकिनी में नजर आ रही है। मॉडल है। उनका यह लुक फैंस को अपना दीवाना बना रहा है। बता दें पूनम के इंस्टाग्राम पर 2.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। एक्ट्रेस अपनी लाइफ अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती है।

बता दें 2 फरवरी की सुबह एक्ट्रेस पूनम पांडे की मौत की खबर सामने आई थी, जिसने सभी को हिला कर रख दिया था। पूनम के निधन की जानकारी उनके मैनेजर ने दी थी। इसके बाद एक्ट्रेस ने सोशल

कभी पूल में आराम फरमाती तो कभी स्विमिंग करती दिखाई दे रही है। पूनम के इस बोल्ड लुक ने पानी में आग लगा दी मीडिया पर वीडियो शेयर कर अपने जिंदा होने के बारे में जानकारी दी थी। मौत की झूठी खबर फैलाने के बाद आम जनता से

मलाइका अरोड़ा ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, यूजर्स बोले -'50 की उम्र में 25 साल जैसा दिखने का घमंड है

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। मलाइका अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, 50 साल की मलाइका ने एक नया वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। बता दें, एक्ट्रेस ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह कभी बिकिनी पहनकर पूल में मस्ती करती हैं, तो कभी खाने का आनंद लेती दिख रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'पैराडाइज।'

जहां उनके फैंस इस वीडियो को पसंद कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग मलाइका को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, '50 की उम्र में 25 साल जैसा दिखने का घमंड है।' दूसरे ने लिखा, 'कौन सी जड़ी-बूटी खाती हो।' कुछ यूजर्स ने उनके मालदीव वेकेशन पर भी सवाल उठाए, यहां तक कि एक ने लिखा, 'बायकॉट मलाइका अरोड़ा।' दरअसल, लोगों का कहना है कि मलाइका अरोड़ा मालदीव में वेकेशन में मना रही हैं ये अपने देश के प्रति गद्दारी है।

वहीं मलाइका की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने अरबाज खान से शादी की थी और दोनों का एक बेटा भी है, जिसका नाम अरहान खान है। तलाक के बाद, उन्होंने अर्जुन कपूर को डेट किया था, लेकिन अब उनके ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। हालांकि, मलाइका और अर्जुन कपूर ने इस ब्रेकअप पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

शॉर्ट पिंक ड्रेस में एक दम बार्बी डॉल सी लगीं सारा अली खान, कैमरे सामने कातिलाना अदाएं दिखा चलाया हुस्न का जादू

एक्ट्रेस सारा अली खान को लाइमलाइट में रहना अच्छे से आता है। वह अपने काम से ज्यादा लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। अब हाल ही में सैफ अली खान की लाडली शॉर्ट पिंक ड्रेस पहनकर एक इवेंट में पहुंची, जहां वह बॉर्बी डॉल सी बन सबका दिल जीतती आईं। अपने इस लुक की तस्वीरें सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरें में देखा जा सकता है कि सारा शॉर्ट पिंक ड्रेस में एक दम बार्बी डॉल सी लग रही हैं, जिस पर लगा एक बड़ा सा बो उनके आउटफिट को बेहद स्टाइलिश बना रहा है। इस फ्रॉक के साथ उन्होंने मैचिंग हाई हील्स पहनी हैं।

शेर सिंह राणा की बायोपिक से जुड़े रणदीप हुड्डा

अफगानिस्तान से पृथ्वीराज चौहान की अस्थियां लाने वाले और फूलन देवी की हत्या के आरोपी शेर सिंह राणा की बायोपिक पर अब फायनली रणदीप हुड्डा ऑन बोर्ड आए हैं। उनसे जुड़े सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, इस फिल्म को बरसों से बनाने की तैयारियां चल रहीं हैं। छह साल पहले इसे अजय देवगन को पिच किया गया था। फिर दो साल पहले विद्युत जामवाल और विनोद भानुशाली ने इसे बनाने की आधिकारिक घोषणा की। अब ट्रेड के हवाले से खबरें आ रहीं कि इस प्रोजेक्ट पर अब रणदीप हुड्डा आ गए हैं। ट्रेड सूत्रों ने बताया, 'शेर सिंह राणा की जीवनी में काफी सिनेमाई मसाले हैं। उन्होंने तिहाड़ जेल तोड़ा था। फेक पासपोर्ट पर अफगानिस्तान गए। वहां से पृथ्वीराज चौहान की अस्थियां भी लाए। फूलन देवी की हत्या का आरोप भी उन पर रहा। ऐसे में उनकी जीवनी पर कई सितारों ने फिल्म बनाने में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन शेर सिंह राणा के राइट्स को लेकर कानूनी पेंच लगातार बने रहे। जिसकी वजह से अजय देवगन और विद्युत जामवाल के साथ फिल्म नहीं बन पाई।

हालांकि, अब राइट्स के मसले सुलझा लिए गए हैं। ट्रेड सूत्रों के मुताबिक, ' शेर सिंह राणा के दोस्त विशाल त्यागी राइट्स के सभी स्टेकहोल्डर्स को एक साथ प्लेटफॉर्म पर ले आए हैं। वह खुद भी इसे प्रोड्युस करेंगे। रणदीप हुड्डा भी बतौर प्रोड्युसर इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। बहुत जल्द स्टूडियो पार्टनर के साथ इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

इस फिल्म पर एक्टर्स और प्रोड्युसर्स बदलते रहें हैं। हालांकि डायरेक्टर में ज्यादा बदलाव नहीं हुए। ट्रेड जानकारों के मुताबिक, 'अजय देवगन के समय इस फिल्म को मेघना गुलजार डायरेक्ट करने वाली थीं। वहीं, विद्युत जामवाल को लेकर इस फिल्म को 'टॉयलेटःएक प्रेम कथा' के डायरेक्टर श्री नारायण सिंह डायरेक्ट करने वाले थे। अब रणदीप हुड्डा के फायनली बोर्ड पर आने के बाद भी श्रीनारायण सिंह ही फिल्म को डायरेक्ट करेंगे।

एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'खेल खेल में' को लेकर काफी चर्चा में हैं। एक्ट्रेस को बीते दिनों फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए बेहद ग्लैमरस लुक में देखा गया था। स्क्रीनिंग में नजर आने के बाद तापसी ने जबरदस्त फोटोशूट भी करवाया, जिसकी तस्वीरें हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। फैंस हसीना की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में तापसी पन्नू का ब्लैक कट आउट ड्रेस में बेहद सिजलिंग अवतार देखने को मिल रहा है।

ब्लैक कट-आउट ड्रेस में तापसी पन्नू का सिजलिंग अवतार

कैरियर परामर्शदाता की भूमिकाएँ

कैरियर के लिए सलाह

आज के समय में टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर सबसे उभरते करियर में से एक हैं। इन करियर काउंसलर का यह कर्तव्य है कि वे छात्रों को इन बदलावों के बारे में जागरूक करें। पूरी जानकारी होने से छात्र सूचना के अभाव में निर्णय लेने से बचेंगे। कई उम्मीदवार अपनी जीवन योजनाओं के बारे में नहीं जानते हैं जबकि उनमें से कुछ प्रासंगिक कदमों का पता लगाने में विफल रहते हैं। इस प्रकार, करियर मार्गदर्शन इन सभी दुविधाओं को हल करेगा। उदाहरण के लिए, यदि आप कॉर्पोरेट क्षेत्र की तलाश कर रहे हैं, तो टीम निर्माण और समस्या-समाधान मूल्यवान कौशल हैं।

रुचियों और क्षमताओं का मूल्यांकन करें

क्या आप ऐसे उद्यम में शामिल होना पसंद करेंगे जो आपकी पसंद को बढ़ावा दे? या, ऐसा काम जो आपको पूरी तरह से थका दे? ज़्यादातर लोग निश्चित रूप से पहले विकल्प को चुनेंगे। रुचि एक व्यक्ति की एक या एक से ज़्यादा गतिविधियों में दूसरे की तुलना में शामिल होने की प्राथमिकता है। करियर मार्गदर्शन तकनीक इसके मूल्यांकन के लिए अलग-अलग तकनीकें तैयार करती हैं। जितनी जल्दी हम उन्हें पहचान लेंगे, उतने ही बेहतर परिणाम मिलेंगे। करियर काउंसलर द्वारा लक्ष्य निर्धारण में व्यक्ति की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाता है।

मेल जोल

करियर संबंधी निर्णयों के साथ चिंता और वित्तीय कमी आना निश्चित है। करियर मार्गदर्शन आपके विचार से कहीं अधिक व्यापक और उन्नत समाधान है। सत्रों का उद्देश्य छात्रों को उनके ट्रैक पर सहायता करना और लक्ष्य प्राप्त करना है। अनौपचारिक सलाह के विपरीत, ये विशेषज्ञ परामर्शदाता ग्राहकों को निष्पक्ष समाधान प्रदान करते हैं। सभी निर्णयों और डाउनग्रेडिंग कथनों को अलविदा कहें।

कैरियर मार्गदर्शन के लाभ

अब वह हिस्सा आ गया है जिसके लिए आपका दिल शुरू से ही दौड़ रहा था। आइए करियर मार्गदर्शन में शामिल होने के लाभों पर एक नज़र डालें।

कुशल लोगों से सलाह

यह ध्यान रखना चाहिए कि परामर्शदाता संबंधित लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए पेशेवर रूप से प्रशिक्षित होते हैं। उन्हें संचार कौशल, समस्या-समाधान क्षमता और आत्म-जागरूकता सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं से सुसज्जित किया जाता है। इसलिए, करियर मार्गदर्शन सभी करियर संबंधी प्रश्नों का एक-स्टॉप समाधान है।

विविध अवसर

क्या आप जानते हैं कि वर्तमान में दुनिया में लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं? इसका मतलब है कि ये लोग कई तरह के व्यवसायों में कार्यरत हैं। इनमें से कुछ उल्लेखनीय क्षेत्र हैं प्रशासन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षण, बैंकिंग और अन्य। इनमें से किसी एक को चुनना किसी व्यक्ति के लिए एक कठिन काम हो सकता है। अलग-अलग करियर अवसरों के मामले में करियर मार्गदर्शन एक जीवनरक्षक के रूप में सामने आता है।

अपने करियर को आगे बढ़ाने के तरीके

मान लीजिए कि आपने सर्जन बनने का फैसला किया है। क्या आप अपने तय बजट में सबसे अच्छा कॉलेज जानते हैं? कौन से प्रमाणपत्र आजमाने चाहिए? क्या विशिष्ट कौशल चिकित्सा क्षेत्र में सफलता निर्धारित करते हैं? ऐसे महत्वपूर्ण पहलुओं का सही समाधान खोजना एक उलझन भरा काम हो सकता है। करियर मार्गदर्शन सफलता के झंडे को चिह्नित करने के लिए एक संपूर्ण रोडमैप दिखाता है।

सीखने का आरोप

एक बेहतरीन करियर काउंसलर आपको कई तरह के टिप्स सिखाता है जो आपको एक मुकाम पर पहुंचाएंगे। चाहे इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन करना हो या कॉर्पोरेट दबाव को संभालना हो- करियर गाइडेंस में सब कुछ शामिल है। आप अपने कौशल को बढ़ाने के लिए मॉक टेस्ट या इंटरेक्शन भी दे सकते हैं। यह एक बेहतरीन जॉब कैंडिडेट बनने की एक चरण-दर-चरण प्रक्रिया है। अपनी प्रोफ़ाइल बनाने के लिए करियर गाइडेंस का लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

समय और पैसा बचाता है

आइए हम स्वीकार करें कि उन्नत डिग्री की कीमत बहुत ज़्यादा होती है जो आपकी जेब भी ढीली कर सकती है। कुछ लोग ऐसे कोर्स में दाखिला ले लेते हैं जो न तो उनकी रुचि के मुताबिक होता है और न ही कोई गुंजाइश देता है। ज़्यादातर मध्यम आय वाले परिवारों के लिए मेजर बदलना एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है। और, कॉलेज छोड़ना एक स्मार्ट विकल्प नहीं है क्योंकि हर कोई बिल गेट्स या एड शीरन नहीं बन सकता। कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से एक निश्चित मार्ग पर चलना आपकी प्राथमिकता सूची में होना चाहिए।

बारिश के सीजन में इस तरह के रेनकोट में दिखें स्टाइलिश

अगर आप मॉनसून सीजन में स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो ये 5 तरह के रेनकोट जरूर ट्राई करें। ये ट्रेंडी रेनकोट आपको देंगे कूल लुक।

मॉनसून की ठंडी-ठंडी फुहारें मन को तरोताजा कर देती हैं। गर्मी से तो राहत मिल ही जाती है, ठंडी हवाओं और बारिश में भीगकर सभी चिंताएं और परेशानियां दूर हो जाते हैं। हालांकि इस मौसम में कुदरत के करीब रहने में काफी ज्यादा मजा आता है, लेकिन बारिश में ड्रेस भीग जाने पर मुश्किल हो जाती है। अगर आप भी इसी वजह से मॉनसून सीजन में परेशान हो जाती हैं और छाता या रेनकोट ले कर चलने पर परेशान महसूस करती हैं तो आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अपने रेनकोट को कैसे स्टाइलिश बना सकती हैं-

नेवी ब्लू रेनकोट

महिलाएं रबर कोटेड प्रीमियम रेनकोट ले सकती हैं, जिसमें एडजस्टेबल हुड का ऑप्शन दिया होता है। अगर आपको शाम में कॉकटेल पार्टी के लिए शॉर्ट ड्रेस पहननी है तो उसके लिहाज से इस तरह का रेनकोट मुफीद है और देखने में काफी स्टाइलिश भी। फुल साइज रेनकोर्ट थोड़ी ज्यादा जगह घेरता है, लेकिन ऐसा रेनकोर्ट आप अपने बैग में भी आसानी से कैरी भी कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट रेनकोट

अगर आपको प्लेन रेनकोर्ट बोरिंग लगते हैं तो आप अपनी ड्रेसेस की तरह मॉनसून में रेनकोट भी फ्लोरल पैटर्न में ले सकती हैं। इस पैटन का रेनकोट जहां आपको कूल और ट्रेंडी लुक देता है, वहीं आपके टॉप को कवर करने के लिहाज से भी बढ़िया है।

बारिश में रेड कलर से बढ़ जाएगी रौनक

इस तरह के वुलेन जैकेटनुमा रेड कलर के रेनकोट आपको बारिश में पूरी सुरक्षा देंगे और आपकी ड्रेस साफ-सुथरी बनी रहेगी। इस तरह के ब्राइट रेड कलर से आपका मूड भी बहुत अच्छा हो जाएगा।

पर्पल और पोल्का डॉट्स

अगर आपको पर्पल कलर पसंद हैं इस शेड में आप पोल्का डॉट्स वाले रेनकोट पहन सकती हैं। इस तरह के रेनकोट से आपकी पूरी ड्रेस कवर हो जाती है और आप आसानी से बारिश में भी निकलकर अपने डेस्टिनेशन तक पहुंच सकती हैं।

पिंक कलर में दिखें स्टाइलिश

अगर आप रेनकोट के जरिए भी अपना स्टाइल बरकरार रखना चाहती हैं तो आप इस तरह के पैटर्न वाले पिंक रेनकोट ले सकती हैं। अगर आप इस तरह के पॉकेट वाले रेनकोट लेती हैं तो आप उसमें अपनी जरूरत का सामान भी कैरी कर सकती हैं।

'कभी हार मत मानो' परिस्थितियों से लड़ना सीखो

बीते दिनों एन.सी.आर. बी. ने एक आंकड़ा जारी किया है, जिसमें 2021 में पूरे देश में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की है जिसमें 81,063 विवाहित पुरुषों की संख्या है और 28,680 विवाहित महिलाएं थीं। आर्थिक संकट से लेकर मानसिक तनाव और घरेलू कलह तक इसके कुछ कारण सामने आए हैं। अपने कोचिंग सैंटरों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान के शहर कोटा से भी गत कुछ दिनों से एक के बाद एक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने वाले छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें सुनने को मिली हैं।

इसकी वजह है कि वे सालों से परीक्षा की तैयारी करने के बावजूद अपनी और अपने परिवार की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सकने का बोझ अपने दिल पर इस कदर पाल लेते हैं कि वे अपनी जान लेने जैसा संगीन कदम उठाने से पहले दो बार नहीं सोच पाते। आत्महत्या करने वाले को लगता है कि उसने परेशानी व जिम्मेदारियों से छुटकारा पा लिया, लेकिन वह यह नहीं सोच पाता कि उसके जाने से उसे माता-पिता या अन्य परिजन पूरी जिंदगी कितने दुखी रहते हैं। जब तक वे जिंदा रहते हैं, तब तक पूरी जिंदगी कुंठित होकर जीते हैं। उसे जीवन जीना नहीं पल-पल मरना कहते इसकी वजह है कि वे सालों से हैं और जिनके छोटे-बच्चे होते हैं, उनके परीक्षा की तैयारी करने के बावजूद बच्चों का जीवन नर्क बन जाता है।

सीखने की कोई उम्र नहीं, कभी भी हो सकती है शुरुआत, मोटिवेशन के टिप्स

हारलैंड सैंडर्स की कहानी से यह सीख मिलती है कि नई चीजें सीखने और करने का जज्बा हो तो सफलता किसी भी उम्र में कदम चूम सकती है। इसलिए आज रिलेशनशिप कॉलम में जानेंगे कि किस तरह बढ़ती उम्र में खुद को नई चीजें सीखने के लिए तैयार किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र में नई चीजें सीखना इतना जरूरी क्यों है

कुछ भी सीखने और नया करने की कोई उम्र नहीं होती। खासतौर से ऐसे वक्त में जब दुनिया रोज बदल रही है। आज की मॉर्डन एजुकेशन 10 साल बाद मॉर्डन नहीं रह जाएगी। आज और कल की तकनीक में भी जमीन-आसमान का फर्क होगा। समय के साथ पढ़ने, दफ्तर में काम करने और जीवन जीने का तरीका तेजी से बदलता जाएगा।

ऐसे में अगर खुद को नई जानकारी के साथ अपडेट नहीं करेंगे तो करियर की रेस से बाहर हो सकते हैं। खुद से 5 या 10 साल छोटे लोगों के बीच खड़े होने पर भी जेनरेशन गैप महसूस हो सकता है।

लेकिन अगर उम्र के साथ अपने नॉलेज को भी अपडेट करते रहें तो दुनिया के साथ कदमताल करने में आसानी होगी। किसी भी उम्र में यह महसूस नहीं होगा कि 'हमारा जमाना तो बीत गया।'

सीखने के लिए बचपन नहीं, बच्चों वाली सोच जरूरी

यह आम धारणा है कि बच्चे किसी भी चीज को जल्दी सीख जाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ नई चीजें सीखना और उन्हें याद रखना मुश्किल होता चला जाता है।यह बात तो सही है कि बच्चों का दिमाग नई चीजें सीखने के लिए ज्यादा मुफीद होता है, लेकिन यह धारणा पूरी सच्चाई बयां नहीं करती।

अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर रेचेल वू सीखने के लिए बचपन से ज्यादा जरूरी बच्चों की तरह सोचने को बताती हैं।

रेचेल वू के मुताबिक बच्चे नई चीजें सीखते हुए यह नहीं सोचते कि यह उनके लिए जरूरी है या नहीं। वे बस सीखते जाते हैं। जबकि बड़ों के मन में पहला सवाल यही उठता है कि इसे सीखने से तुरंत कोई फायदा मिलेगा या नहीं। करियर में आगे बढ़ेंगे या नहीं। लेकिन ऐसी सोच सीखने के रास्ते में रुकावट बनती है।

बढ़ती उम्र में टीचर ढूंढना मुश्किल, लें तकनीक का सहारा

अधिक उम्र में नई चीजें सीखने में एक बड़ी समस्या सही जगह और मेंटॉर मिलने की भी होती है। अपने रोजमर्रा के काम के साथ औपचारिक ढंग से पढ़ाई शुरू कर पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में तकनीक का सहारा लिया जा सकता है।

ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल- इंटरनेट पर अलग-अलग तरह के ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल मौजूद हैं, जो अलग-अलग विषय की जानकारी दे सकते हैं।

ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन- ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन पढ़ने और सीखने के लिए सुविधाजनक और सुलभ होते हैं।

वीडियो कंटेंट- वीडियो कंटेंट जैसेकि यूट्यूब वीडियोज और ऑनलाइन लेक्चर विजुअल और ऑडियो दोनों तरीकों से सीखने में मदद करते हैं।

मोबाइल ऐप्स- डूइंग, कोर्सेरा और यूडेमी जैसे मोबाइल ऐप्स सीखने के लिए एक उपयोगी और सुविधाजनक तरीका प्रदान करते हैं।

वर्चुअल क्लासरूम- वर्चुअल क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों तरीकों से सीखने के अवसर प्रदान करते हैं।

एक्सेसिबिलिटी फीचर- कई डिजिटल डिवाइसेज और सॉफ्टवेयर एक्सेसिबिलिटी फीचर प्रदान करते हैं। जैसेकि टेक्सट-टू-स्पीच, जूम और हाई कॉन्ट्रास्ट मोड, जो लोगों को सीखने में मदद करते हैं।

जिम्मेदारियों के बीच पैसिव लर्निंग से सीखना होगा आसान

कई बार ऐसा भी होता है, जब लोग सीखने की चाहत तो रखते हैं, लेकिन समय की कमी के चलते वे ऐसा नहीं कर पाते। स्कूल या कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स को देखकर उनके मन में ऐसी धारणा बनती है कि पढ़ना तो मुश्किल और फुल टाइम काम है।

ऐसी स्थिति में पैसिव लर्निंग मददगार साबित हो सकती है। दरअसल, पैसिव लर्निंग में हम अपने आसपास के माहौल और वातावरण से लगातार बिना एक्टिव प्रयास किए हुए लगातार कुछ सीख रहे होते हैं। जैसे वीडियो देखना या कुछ और करते हुए सीखने की कोशिश।

जबकि एक्टिव लर्निंग में सीखने के लिए अपनी ओर से ज्यादा कोशिश करनी पड़ती है। जैसे किताब पढ़ना, एक्सपेरिमेंट करना, सीखने के लिए अलग से मेहनत और कोशिश करना।

लर्निंग प्रॉसेस को बोझ न बनाएं, छोटे-छोटे गोल्स बेहतर

औपचारिक शिक्षा की उम्र बीतने के बाद नए सिरे से पढ़ाई शुरू कर पाना थोड़ा मुश्किल तो होता ही है। लेकिन जब पहली बार में ही कठिन लक्ष्य निर्धारित कर लिया जाए तो संकल्प के टूटने की आशंका बढ़ जाती है।इसलिए अधिक उम्र में अगर कुछ सीखने की सोच रहे हों तो बेहतर है कि शुरुआत आसन चीजों से करें। शुरुआत में कम ही सीखें, लेकिन निरंतरता बनाए रखें। भले 5 पन्ने पढ़ें, लेकिन किताबें जरूर खोलें। किताब पढ़ने का मन न हो तो वीडियो देखें या पॉडकास्ट सुनें।

अगर लर्निंग प्रॉसेस में निरंतरता बरकरार रखी जाए तो शुरुआत में छोटे-छोटे गोल्स हासिल होते हैं। जिसकी वजह से ज्यादा मेहनत करने और बड़े लक्ष्य को हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। लक्ष्य की ओर धीरे-धीरे सधे कदमों से बढ़ें तो लक्ष्य मुश्किल नजर नहीं आता।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती। यह एक जीवन भर की प्रक्रिया है, जो हमें नए अनुभव, ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। चाहे आप 20 साल के हों या 60 साल के, सीखने के लिए कोई उम्र नहीं होती। जीवन में सीखना एक आवश्यक हिस्सा है। यह हमें नई चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है, हमारी रुचियों को विकसित करने में मदद करता है और हमें बेहतर व्यक्ति बनाता है। इसलिए आज से ही सीखना शुरू करें और अपने जीवन को समृद्ध बनाएं।

सरकारी नौकरी

रेलवे में 14298 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 5254 पद बढ़ाए

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने कुछ समय पहले टेक्नीशियन के पदों पर भर्ती निकाली थी। आरआरबी ने इस भर्ती में पदों की संख्या को बढ़ा दिया है। अब कुल 14298 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस भर्ती में 5254 नए पदों को जोड़ा गया है। इससे पहले इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत 9 मार्च से की गई थी।

आवेदन की आखिरी तारीख 8 अप्रैल तय की गई थी। इस भर्ती के लिए एक बार फिर आवेदन की शुरुआत की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

टेक्नीशियन ग्रेड 1 : बीई, बीटेक या बीएससी इंजीनियरिंग की डिग्री।

टेक्नीशियन ग्रेड 3 : 10वीं पास और ITI सर्टिफिकेट प्राप्त उम्मीदवार।

आयु सीमा :18 - 36 साल

ये उम्र 1 जुलाई, 2024 से जोड़ी जाएगी।

आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :सीबीटी एग्जाम डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

मेडिकल एग्जाम

सैलरी :पद के अनुसार 19,900-92,300 रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।

पेज पर Recruitment सेक्शन में जाएं।

जोन के आगे दिए लिंक पर जाकर आवेदन करें।

आवेदन करने से पहले रजिस्ट्रेशन करें।

रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लीकेशन फॉर्म भर दें।

आवेदन प्रक्रिया फीस जमा करने के बाद पूरी होगी।

सुप्रीम कोर्ट में जूनियर कोर्ट अटेंडेंट के पदों पर आज से आवेदन शुर

सुप्रीम कोर्ट में जूनियर कोर्ट अटेंडेंट के पदों पर भर्ती के लिए पंजीकरण शुरू कर दी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट - sci.gov.in पर जाकर अपने फॉर्म जमा कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान का लक्ष्य कुल 80 पदों को भरना है। इन पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर, 2024 है। पात्रता मानदंड : इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 18 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

ऐसे करें आवेदन :सबसे पहले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट- sci.gov.in पर जाएं। अब होमपेज पर जूनियर कोर्ट अटेंडेंट पदों के लिए आवेदन लिंक पर क्लिक करें। पंजीकरण करें और आवेदन प्रक्रिया आगे बढ़ाएं। फॉर्म भरकर आवेदन शुल्क का भुगतान करें और फॉर्म जमा कर दें। भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र का एक प्रिंटआउट ले लें।

नैनीताल बैंक ने ऑफिसर के पदों पर निकाली भर्ती, एज लिमिट 40 साल

नैनीताल बैंक की ओर से प्रोबेशनरी ऑफिसर (PO), आईटी ऑफिसर, मैनेजर आईटी, चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट nainitalbank.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। 31 सितंबर तक आवेदन कर सकते है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :ग्रेजुएशन/ पोस्ट ग्रेजुएशन/ कंप्यूटर साइंस, आईटी, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स/ कम्युनिकेशन आदि में ग्रेजुएशन/ पोस्ट ग्रेजुएशन/ ACA / FCA डिग्री प्राप्त की हो।

आयु सीमा :न्यूनतम : 21/ 25 वर्ष अधिकतम : 32/ 35/ 40 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस :रिटन एग्जाम इंटरव्यू

सैलरी :35 हजार - 40 हजार रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट nainitalbank.co.in पर जाएं। होम पेज पर रिक्रूटमेंट सेक्शन में जाकर भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।नए पोर्टल पर पहले क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें। जरूरी डिटेल्स जैसे फोटोग्राफ आदि अपलोड करें।

इसरो में 10वीं पास के लिए निकली भर्ती, एज लिमिट 35 साल, सैलरी 1 लाख 42 हजार तक

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने तकनीकी सहायक, तकनीशियन 'बी'सहित अन्य पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट isro.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। 10 सितंबर तक आवेदन कर सकते है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मैकेनिकल : प्रथम श्रेणी के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 03 साल का डिप्लोमा। वेल्डर : SSLC/SSC पास होना चाहिए। साथ ही NCVT से वेल्डर ट्रेड में ITI/NTC/NAC होना चाहिए।

भारी वाहन चालक 'A'- किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से SSLS/SSC/मैट्रिक/10वीं कक्षा पास। 05 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 03 वर्ष भारी वाहन चालक के रूप में और शेष अवधि में लाइट मोटर वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। इसके अलावा HVD लाइसेंस और पब्लिक सर्विस बैज होना चाहिए।

हल्के वाहन चालक 'A'- उम्मीदवारों को SSLC/SSC/मैट्रिक/10वीं पास होना चाहिए। उम्मीदवारों के पास लाइट वाहन चालक के रूप में 03 वर्ष का अनुभव और वैलिड LVD लाइसेंस होना चाहिए।

कुक : उम्मीदवारों को SSLC/SSC पास होना चाहिए। साथ ही एक अच्छी तरह से स्थापित होटल/कैंटीन में समान क्षमता (रसोइया के रूप में) में 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। आयु सीमा :18 - 35 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम स्किल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट www.isro.gov.in पर जाएं। करंट अपॉर्चुनिटी के ऑप्शन पर क्लिक करें।

अप्लाय ऑनलाइन पर क्लिक करें।सभी जानकारी दर्ज करें।

संबंधित डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फॉर्म सब्मिट करें।

जन्माष्टमी पर तैयार है विशेष तरह की मिठाइयां

माखन मिश्री का ट्रेंड चलन में

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां)। पर्व या त्योहार कोई भी हो, बाजार उसकी विशेष तैयारी करता है। बाजार इस तरह से प्रोडक्ट तैयार करता है कि आपको कुछ अलग त्योहारों वाली फील हो। अब जन्माष्टमी को ही देख लीजिए। आज यानी 26 अगस्त को यह त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर हलवाइयों और दुकानदारों ने कुछ इस तरह की मिठाइयां एवं केक तैयार किए हैं, जिसे देखते ही आप बोल पड़ें कि यह तो जन्माष्टमी के लिए तैयार किया गया है। जी हां, इस जन्माष्टमी हलवाइयों ने विशेष मिठाइयां तैयार की है ताकि आप उसे व्रत के दौरान भी खा सकें। दिल्ली के मशहूर चावड़ी बाजार स्थित श्याम स्वीट्स के ऑनर भारत अग्रवाल ने बताया कि वह मथुरा के पेड़े, मिक्स मेवा पंजीरी, गोला पाक, धनिया पंजीरी, गिरियों की बर्फी आदि बनाते हैं। मंदिरों में 56 भोग प्रसाद चढ़ता है। वो भी डिमांड के हिसाब से तैयार करते हैं। कान्हा जी माखन खूब खाते थे। अपने मित्रों को खिलाते थे। भक्त भी माखन और मिश्री का भोग लगाते हैं। हम भी माखन-मिश्री की डिब्बी बनाकर बेच रहे हैं। भारत ने कहा कि कृष्ण जी का जन्म रात 12 बजे हुआ था, तो भक्तजन आज भी दिनभर व्रत रखते हैं। ये सभी मिठाइयां व्रत में खाते है। सोमवार को जन्माष्टमी है, तो रविवार तक सभी जगहों पर मिठाइयां सप्लाई कर दी जाएंगी। व्रत की मिठाइयों को बनाने में शुद्धता और सफाई का ध्यान रखना जरूरी है। अपनी शॉप 1910 से चल रही है, तो मार्केट में साख है। ऐसे में, कोई भी लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। खारी बावली के ठाकुरजी स्वीट्स एंड नमकीनप के ऑनर अमित बंसल ने बताया कि आज और कल मिठाइयों के बनाने, बेचने और सप्लाई का बड़ा प्रेशर रहेगा। दूध से बनी मिठाइयां लंबी नहीं टिकती हैं। फ्रिजर में रखनी पड़ती हैं। ऐसे में त्योहार के एक-दो दिन पहले ही मिठाइयां बनती हैं और बिकती हैं। गोला बर्फी, खोये का लाल पेड़ा, पंजीरी बर्फी, व्रत के वेफर्स और बादाम लच्छा बनाते हैं। पनीर-चीनी से बनी छेना मुर्की, शुद्ध खोये की बर्फी और चॉकलेट बर्फी की मांग भी रहती है। कई लोग सूखा और गीला पेठा भी खाते हैं। जन्माष्टमी में काम बढ़िया रहेगा। दुकान से ऑनलाइन डिलिवरी भी हो रही है।उन्होंने बताया कि सभी मिठाइयां व्रत में नहीं खाई जा सकती। इसलिए इस अवसर पर विशेष मिठाइयां तैयार की गई है। इनमें सिंघाड़े का हलवा, बादाम हलवा, आलू की खीर, मखाना खीर, आमरस, श्रीखंड, साबुदाना खीर, मैंगो रायता, मैंगो बर्फी, लौकी बर्फी, कद्दू की खीर, नारियल बर्फी, गाजर का हलवा, गाजर की खीर, चोलाई के लड्डू आदि शामिल हैं।

बैंकों के पास लोन बांटने के पैसे नहीं ,डिपॉजिट में कमी को लेकर क्या बोले एसबीआई चेयरमैन?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा डिपॉजिट वृद्धि में मंदी की चिंताओं के बावजूद बैंक की स्थिति को लेकर आश्वस्त हैं, उन्होंने कहा कि लोन देने वालों की मजबूत ऐसेट वृद्धि हासिल करना जारी रखता है. खारा का बयान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सरकार की बैंकिंग क्षेत्र में जमा वृद्धि में मंदी के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच आई है. पिछले 15 दिनों में लोन वृद्धि धीमी होकर 13.8 प्रतिशत और जमा वृद्धि घटकर 10.3 प्रतिशत रह जाने के साथ, इस मुद्दे ने काफी ध्यान आकर्षित किया है.

आरबीआई को क्यों सता रही चिंता

जिस स्पीड से देश की जनता म्यूचुअल फंड और स्टॉक मार्केट के प्रति दिलचस्पी दिखा रही है. यह बैंकों के भविष्य पर सवाल खड़ा कर रहा है. आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कई बार चेतावनी दी है, जबकि वित्त मंत्री ने हाल ही में पब्लिक सेक्टर के बैंकों से अधिक जमा आकर्षित करने के लिए नई रणनीति विकसित करने की अपील भी की है.इन चिंताओं पर खारा ने कहा कि हम अपनी लोन बुक वृद्धि का अच्छी तरह से समर्थन करने की स्थिति में हैं और जब तक हम ऐसा कर सकते हैं, मुझे नहीं लगता कि हमारे सामने कोई चुनौती है.

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एसबीआई सरकारी सिक्योरिटीज में अतिरिक्त निवेश को समाप्त करके अपने संसाधनों का मैनेजमेंट कर रहा है, वर्तमान में 16 ट्रिलियन रुपए से अधिक ताकि लोन देने के लिए पर्याप्त धन सुनिश्चित किया जा सके।

मुकेश अंबानी ने करवाई 29,634 करोड़ की कमाई

ऐसा भी क्या बदला एक हफ्ते में?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे रईस इंसान मुकेश अंबानी आम आदमी को भी अमीर बनाने का काम करते हैं. तभी तो बीते एक हफ्ते में आम लोगों ने उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की वजह से पूरे 29,634 करोड़ रुपए कमाए हैं. इतना ही नहीं इसी के साथ उनकी कंपनी ने भी टॉप किया है और वह अब भी देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है. बीते हफ्ते में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया. पूरे सप्ताह के कारोबार के दौरान इसमें मामूली बढ़त का रुख रहा. इसकी वजह से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 9 के मार्केट कैपिटलाइजेशन में अच्छी-खासी ग्रोथ देखी गई. सबसे ज्यादा फायदे में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड रही हैं.

रिलायंस ने कराई 29,634 करोड़ की कमाई

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैपिटलाइजेशन बीते हफ्ते में कुल 29,634.27 करोड़ रुपए बढ़कर 20,29,710.68 करोड़ रुपए रहा. किसी कंपनी के मार्केट कैपिटलाइजेशन में बढ़ोत्तरी असलियत में कंपनी के शेयर होल्डर्स की संपत्ति में बढ़ोत्तरी के बराबर होती है. इस तरह ये रिलायंस के शेयर होल्डर्स की कमाई हुई. इसी के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही है. रिलायंस के मार्केट कैपिटलाइजेशन में बढ़ोतरी उसके शेयर प्राइस में आई तेजी के चलते हुई है.

टॉप-10 में बाजी रही इनके हाथ

देश की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में से नौ का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बीते हफ्ते 95,522.81 करोड़ रुपए बढ़ा है. रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद सबसे अधिक ग्रोथ टीसीएस में देखी गई. कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 17,167.83 करोड़ रुपए बढ़कर 16,15,114.27 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 15,225.36 करोड़ रुपए बढ़कर 6,61,151.49 करोड़ रुपए रहा. इसके अलावा भारती एयरटेल का एमकैप 12,268.39 करोड़ रुपए बढ़कर 8,57,392.26 करोड़ रुपए , आईसीआईसीआई बैंक का 11,524.92 करोड़ रुपए बढ़कर 8,47,640.11 करोड़ रुपए, आईटीसी का 3,965.14 करोड़ रुपए बढ़कर 6,32,364.24 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 2,498.89 करोड़ रुपए बढ़कर 7,27,578.99 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 1,992.37 करोड़ रुपए बढ़कर 6,71,050.63 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का एमकैप 1,245.64 करोड़ रुपए बढ़कर 7,73,269.13 करोड़ रुपए हो गया।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड वालों के लिए आरबीआई का बड़ा ऐलान

आपके गोल्ड बॉन्ड की तारीख तो नहीं लिस्ट में

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों के लिए बड़ी खबर

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अगर निवेशकों ने मई 2017 से मई 2000 के बीच सरकार की सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में पैसा लगाया था तो उनके लिए कमाई का मौका आ चुका है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मई 2017 और मार्च 2020 के बीच जारी किए गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के प्रीमैच्योर रिडीम्पशेन का ऐलान कर दिया है. आरबीआई के मुताबिक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) होल्डर गोल्ड बॉन्ड जारी होने की तारीख से पांच साल तक के होल्डिंग पीरियड के पूरा होने के बाद प्रीमैच्योर रिडीम्पशेन (समय से पहले रिडीम) के लिए रिक्वेस्ट कर सकते हैं. आरबीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक 11 अक्टूबर 2024 से 30 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडीम्पशेन की प्रक्रिया पूरी करना चाहता है. आरबीआई ने इसके लिए मार्च 2025 तक का समय सोचा है. देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई ने इसके लिए कैलेंडर भी जारी कर दिया है क्योंकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) आरबीआई ही जारी करता है.

क्या हैं रिजर्व बैंक की गाइडलाइंस में खास बातें

एसजीबी होल्डर गोल्ड बॉन्ड जारी होने की तारीख से पांच साल के होल्डिंग टाइम के बाद प्रीमैच्योर रिडीम करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं. एसजीबी होल्डर अपनी रिडीम्पशेन रिक्वेस्ट एनएसडीएल, सीडीएसएल या आरबीआई रिटेल डायरेक्ट के इससे जुड़े ऑफिस के जरिए विंडो के दौरान जमा करें.निवेशकों को जो तय जमा अवधि बताई गई है उसका पालन करना होगा, हालांकि गैर निर्धारित-छुट्टियों के मामले में रिडीम्पशेन डेट बदल सकती हैं.अधिक जानकारी के लिए, निवेशक ऑफिशियल आरबीआई सर्कुलर की समीक्षा करें या उन अथॉरिटी अधिकारयों से मिलें जिन्होंनेआपको बॉन्ड जारी किया था.

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेशक क्यों कमाते हैं अच्छा रिटर्न?

शेयर मार्केट में आ रही तेजी के हिसाब से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों के इंवेस्टमेंट की वैल्यू बढ़ती है और भारतीय शेयर बाजार लंबे समय से शानदार रिटर्न दिला ही रहा है. निवेशकों को हर साल एसजीब पर 2.5 फीसदी के ब्याज से रिटर्न मिलता है. गोल्ड बॉन्ड मैच्योर होने के बाद जो रकम मिलती है वो भी पूरी तरह टैक्स फ्री होती है. अगर इंवेस्टर ऑनलाइन बॉन्ड खरीदे तो 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट भी मिलती है.

केंद्र सरकार क्यों बंद कर सकती है गोल्ड बॉन्ड स्कीम

एसजीबी से भले ही निवेशकों को गोल्ड बॉन्ड के रूप में फायदे हो रहे हों लेकिन सरकार के मुताबिक ये उसके लिए महंगे साबित हो रहे हैं. फरवरी में पेश हुए आम बजट 2024 में बताया गया था कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों सरकार के ऊपर का काफी ज्यादा बकाया है. मार्च 2020 में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का बकाया अब बढ़कर 85 हजार करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है, लिहाजा सरकार एसजीबी को बंद करने के बारे में फैसला ले सकती है. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की शुरुआत नवंबर 2015 में हुई थी और सितंबर 2024 में इसे बंद करने की अटकलें कई मीडिया रिपोर्ट्स में आ चुकी हैं.

यूपीएस पर फूटा कर्मचारी संगठनों का गुस्सा

बोले ये मंजूर नहीं, ओपीएस के लिए होगा आंदोलन

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार को नई पेंशन व्यवस्था लागू करने की बात कही है। इस स्कीम को नाम भी नया दे दिया गया है। मतलब, यह नाम ओपीएस और एनपीएस से जुदा है। नई स्कीम का नाम यूनिफाइड पेंशन स्कीम 'यूपीएस' रखा गया है। केंद्रीय कैबिनेट ने इस स्कीम को मंजूरी भी दे दी है। इस स्कीम में 25 साल काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों को पूरी पेंशन मिलेगी। यानी किसी कर्मचारी ने न्यूनतम 25 साल तक नौकरी की है तो उसे रिटायरमेंट के तुरंत पहले के अंतिम 12 महीने के औसत वेतन का कम से कम 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा। यूनिफाइड पेंशन स्कीम में 10 साल की नौकरी करने के बाद कर्मचारी को कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे। दूसरी तरफ केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने नई पेंशन स्कीम 'यूपीएस' पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा, ये सरकार ने कर्मचारी वर्ग के साथ छल किया है। किसी भी सूरत में यूपीएस मंजूर नहीं होगा। वे गारंटीकृत 'पुरानी पेंशन बहाली' के लिए दोबारा से हल्लाबोल की तैयारी में जुट गए हैं। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्यों के कर्मचारी संगठन, जो ओपीएस के लिए आंदोलन कर रहे थे, वे जल्द ही अपनी आगामी रणनीति का खुलासा करेंगे। लंबे समय तक पुरानी पेंशन बहाली के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाने वाले 'नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल, कहते हैं कि सरकार ने यूपीएस लाकर कर्मचारियों के साथ छल किया है। यूपीएस में सरकार ने अपने कंट्रीब्यूशन, जो अभी तक 14 प्रतिशत था, उसे बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत कर दिया है। यहां तो सब ठीक है। यह बात काबिले तारीफ भी है, लेकिन हमारी मांग रिटायरमेंट पर 50 प्रतिशत बेसिक सेलरी और डीए अलाउंस के बराबर की थी, न कि कंट्रीब्यूशन घटाने या उसे बढ़ाने की। बतौर डॉ. मंजीत पटेल, कर्मचारियों की दूसरी डिमांड यह रही है कि हमारा पैसा, रिटायरमेंट पर बिल्कुल जीपीएफ की तरह ही हमें वापस कर दिया जाए। सरकार, नई व्यवस्था 'यूपीएस' में वह सारा पैसा ले लेगी। यानी कर्मचारियों का 10 प्रतिशत भी और खुद का 18.5 परसेंट भी। पटेल कहते हैं, हमें अपने वाले कंट्रीब्यूशन में से केवल आखिरी के 6 महीना की सैलरी जितनी बनेगी, सरकार उतना हमें वापस कर देगी। ऐसी स्थिति में तो यूपीएस की बजाए, एनपीएस ज्यादा बढ़िया होगा। हमारा आंदोलन ओपीएस के लिए था, सरकार ने पुरानी पेंशन जैसा कोई भी प्रावधान यूपीएस में शामिल नहीं किया है,इसलिए कर्मचारी अपना आंदोलन जारी रखेंगे। केंद्रीय कर्मियों के एक बड़े संगठन 'कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने कहा, हमारा स्टैंड क्लीयर है।

ज़ोमैटो लाया नया फीचर, अब ऑर्डर को शेड्यूल भी कर पाएंगे

दिल्ली-एनसीआर सहित इन शहरों से शुरू होगी सर्विस

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने हाल ही में अपने ग्राहकों के लिए एक नया फीचर लॉन्च किया है. इसके जरिए ग्राहक अपने ऑर्डर को पहले ही शेड्यूल कर पाएंगे. अब कस्टमर्स को खाने से दो दिन पहले ही एडवांस शेड्यूल करने की सुविधा मिलेगी. जोमैटो का 'ऑर्डर शेड्यूलिंग फीचर' पहले से ही कई शहरों में उपलब्ध है, जिसका कंपनी अब और विस्तार कर रही है.इसकी जानकारी कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल ने खुद दी है. अपने अधिकारिक एक्स हैंडल पर इस बारे में जानकारी शेयर करते हुए दीपिंदर गोयल ने लिखा- अब आप अपने जोमैटो ऑर्डर को शेड्यूल कर पाएंगे. अब आप अपने मील को दो दिन पहले एडवांस में प्लान कर सकते हैं और हम उसकी समय पर डिलीवरी करेंगे.

इन शहरों में मिलेगी ऑर्डर शेड्यूल करने की सुविधा

इसके साथ ही दीपिंदर गोयल ने यह भी जानकारी दी है कि फिलहाल इस फीचर को कंपनी ने देश के कई बड़े शहरों जैसे दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद और लखनऊ में लॉन्च किया गया है. कंपनी ने 'ऑर्डर शेड्यूलिंग फीचर' की शुरुआत फिलहाल बड़े ऑर्डर वैल्यू पर ही की है, लेकिन भविष्य में इसे सभी ऑर्डर के लिए लागू करेगी. फिलहाल कंपनी केवल 1,000 रुपये से अधिक वैल्यू के ऑर्डर पर ही इस फीचर का लाभ दे रही है.

अनिल अंबानी ने आखिर सोच लिया

ऐसे निकालेंगे सेबी के बैन का तोड़

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर इंसान और अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी इन दिनों मार्केट रेग्युलेटर सेबी के एक बैन का सामना कर रहे हैं. अब वह सेबी बैन का तोड़ कैसे निकालेंगे और इस बारे में भविष्य में क्या फैसला लेंगे, इसे लेकर उनकी कंपनी के प्रवक्ता की ओर से बड़ा बयान आया है. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने अनिल अंबानी को कैपिटल मार्केट यानी शेयर बाजार में डील करने से 5 साल के लिए रोक दिया है.सेबी ने अनिल अंबानी पर बैन लगाने का ये आदेश इसी साल 22 अगस्त को सुनाया था. उनके साथ-साथ 24 अन्य लोगों को शेयर बाजार में 5 साल कारोबार करने से रोक दिया गया है.

अनिल अंबानी निकालेंगे तोड़

अनिल अंबानी के प्रवक्ता की ओर से कहा गया है कि वह मार्केट रेग्युलेट सेबी के आदेश की समीक्षा कर रहे हैं. इस पर वह जरूरी कानूनी सलाह लेंगे और फिर उस आधार पर उचित कदम उठाएंगे. वह शेयर बाजार में उनके काम करने पर लगे बैन का तोड़ कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से निकालेंगे.

ढाई साल पहले दे दिया था इस्तीफा

अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े एक मामले में सेबी ने 11 अगस्त 2022 को एक अंतरिम आदेश सुनाया था. इसका पालन करने के लिए अनिल अंबानी ने रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से इस्तीफा दे दिया था. पिछले ढाई वर्षों से वह इस अंतरिम आदेश का पालन कर रहे हैं. सेबी ने इसी मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए 22 अगस्त को आदेश दिया.

इसमें अनिल अंबानी और 24 अन्य को धन की हेराफेरी के आरोप में स्टॉक मार्केट से 5 साल के लिए बैन कर दिया था.

लगाया है 25 करोड़ का जुर्माना

खुद को दिवालिया घोषित कर चुके अनिल अंबानी पर सेबी ने 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है. साथ ही कहा है कि उन्होंने ही रिलायंस होम फाइनेंस से धन की हेराफेरी करने की योजना बनाई थी. रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की एक लिस्टेड सब्सिडियरी है, जिसके वे चेयरमैन हैं. बैन के तहत अनिल अंबानी और अन्य 24 लोग शेयर बाजार में लेन-देन नहीं कर पाएंगे. उन पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयर्स की खरीद, बिक्री या अन्य प्रकार से लेनदेन करने पर भी रोक रहेगी।

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी की उम्मीद:जीडीपी आंकड़ों से लेकर रिलायंस की एजीएम, 5 फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इस हफ्ते शेयर बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका के जीडीपी आंकड़ों से लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम और अन्य इवेंट से बाजार की चाल तय होगी। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 0.81% और एनएसई निफ्टी 1.15% चढ़ा, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1.6% और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 3.50% चढ़कर बंद हुआ।भारत की जून तिमाही की जीडीपीः 30 अगस्त को 2024-2025 के पहली तिमाही के आंकड़े जारी किए जाएंगे। इकोनॉमिस्टों को उम्मीद है कि अप्रैल-जून तिमाही में जीडीप 6-7% के दायरे में रहेगी। मार्च तिमाही में जीडीपी 7.8% रही थी। एक्सपर्ट के अनुसार, सरकारी पूंजीगत व्यय में संकुचन और अर्बन कंज्यूमर कॉन्फिडेंस में गिरावट से ग्रोथ पर असर पड़ सकता है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने पहले ही क्यू1एफवाई25 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.3% से घटाकर 7.1% कर दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएमः 29 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे बिलेनियर मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की 47वीं एनुअल जनरल मीटिंग होगी। बीते हफ्ते के दौरान स्टॉक में 1.47% की तेजी आई। इस हफ्ते में इसमें तेजी की उम्मीद है। तेजी जारी रही। इस मीटिंग में रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ-साथ रिलायंस रिटेल के आईपीओ की घोषणा हो सकती है।

लंबे समय से इसे लेकर चर्चा चल रही है। इसके अलावा न्यूज एनर्जी बिजनेस को लेकर कंपनी के क्या फ्यूचर प्लान है उसके अपडेट पर भी शेयर बाजार का फोकस होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

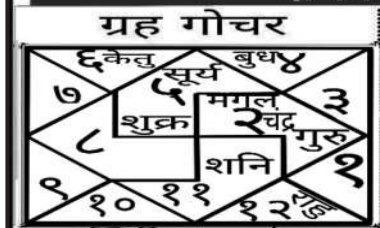

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	
सूर्य-	सिंह	मे
चंद्र-	वृष	मे
मंगल	वृष	मे
बुध-	कर्क	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	सिंह	मे
शनि-	कुंभ.	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

लग्न	समय	
सिंह-	05-30	बजे
कन्या-	07-36	बजे
तुला-	09-40	बजे
वृश्चिक-	11-50	बजे
धनु-	14-04	बजे
मकर..	16-12	बजे
कुंभ-	18-00	बजे
मीन-	19-40	बजे
मेष--	21-16	बजे
वृष..	23-09	बजे
मिथुन..	01-00	बजे
कर्क..	04-00	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081

शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद

महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444

कलियुग अवधि-432000

सूर्योदय - 06-04
सूर्यास्त. - 18-31

भोग्य कलि वर्ष-426875

कलियुग संवत् -5125 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949125

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

तिथि- अष्टमी 02-20 तक उपरान्त नवमीं

मास - भाद्रपद कृष्ण , सोमवार 26 August

नक्षत्र - कृत्तिका 15-55 तक उपरान्त रोहिणी

योग - व्याघात 22-16 तक उप हर्षण

करण- बालव 14-55 तक उप कौलव

विशेषः- श्री कृष्ण जन्माष्टमी

व्रत -त्योहार - श्री जाम्बोजी ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:36 से 09:10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:04 - 07:36	शुभ	चंचल.	18:31 - 19:59	शुभ
काल	07:36 - 09:10	अशुभ	रोग.	19:59 - 21:25	अशुभ
शुभ	09:10 - 10:44	शुभ	काल.	21:25 - 22:52	अशुभ
रोग	10:44 - 12:18	अशुभ	लाभ.	22:52 - 00:18	शुभ
उत्पात	12:18 - 13:51	अशुभ	उत्पात	00:18 - 01:44	अशुभ
चंचल	13:51 - 15:25	शुभ	शुभ.	01:44 - 03:10	शुभ
लाभ.	15:25 - 16:59	शुभ	अमृत	03:10 - 04:36	शुभ
अमृत	16:59 - 18:31	शुभ	चंचल.	04:36 - 06:04	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आपका दिन है ।आपकी किस्मत पूरी तरह आपके साथ है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

रायपुर के एनसीबी दफ्तर का शुभारंभ: युवा पीढ़ी को बचाने एक्शन में अमित शाह; बोले- ड्रग्स तस्करों पर होगी कार्रवाई

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज रविवार को नवा रायपुर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कार्यालय का उद्घघाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश के सीएम विष्णुदेव साय,केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने साल 2047 में जब देश की आजादी की शताब्दी मनाई जाएगी तब इस देश को नशे से मुक्त करने का संकल्प लिया है और धीरे-धीरे यह संकल्प 130 करोड़ की आबादी का संकल्प बनता जा रहा है और मैं मानता हूं कि नशा मुक्त भारत का संकल्प समृद्ध सुरक्षित और वैभवशाली भारत के संकल्प के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । एक प्रकार से देखे तो नारकोटिक्स केवल भारत की ही समस्या नहीं है वैश्विक समस्या है, भारत को सबसे ज्यादा जागरूक रहने की जरूरत है। अगर यह लड़ाई अभी से जुनून के साथ लड़े तो यह लड़ाई हम जीत सकते हैं। मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है दुनिया के कई देश इस लड़ाई से हार चुके हैं। भारत में नारकोटिक्स के दूषण से न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ बल्कि नारकोटिक्स के अवैध व्यापार से जो धन मिलता है वह धन आतंकवाद-नक्सलवाद और भारत के अर्थतंत्र को मजबूत करने के काम में भी आते हैं। युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले ड्रग्स तस्करों पर लगाम लगेगी, उन्हें बख्शा नहीं जायेगा।

हर राज्य में खुलेगा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो

उन्होंने कहा कि यह युवा पीढ़ी को बर्बाद करने का तरीका है और दूसरे और देश की सुरक्षा के साथ नारकोटिक्स से धन से अर्जित करना विधान है। हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ हम देश को नारकोटिक्स फ्री बनाएं। नशा मुक्त बनाएं। पीएम मोदी ने जो संकल्प है उसे पूरा करें। आज रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल ऑफिस का वर्चुअल उद्घाटन हुआ। 5 हजार स्क्वायर फीट में ये भवन फैला हुआ है जो नारकोटिक्स कंट्रोल के लिए अपने आप में कंप्लीट ऑफिस है। मैं राज्य सरकार का धन्यवाद करता कि हमें भूमि और बाकी सभी सुविधाएं प्रदान की। इनके अंदर

प्रेस कॉन्फ्रेंस रूम समेत सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। यह नारकोटिक्स कंट्रोल के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। हमारा लक्ष्य है कि हर राज्य में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की स्थापना की जाएगी। इसके माध्यम से राज्य सरकार के सहयोग से इसके दूषण को कंट्रोल करने का काम किया जाएगा।

'ड्रग ट्रैफिकिंग का ट्रेंड बदल रहा'

शाह ने कहा कि ड्रग ट्रैफिकिंग का ट्रेंड बदल रहा है। इसके तस्कर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जितनी कम मात्रा में ड्रग्स आती है और सबसे ज्यादा नुकसान और सबसे ज्यादा कम कीमत भी उसी की होती है। छत्तीसगढ़ में इसका उपयोग का प्रतिशत 1.1 है, जो सबसे ज्यादा है। एक प्रकार से छत्तीसगढ़ में गांजा की तस्करी आंध्र और ओडिशा की सीमा से होती है। छत्तीसगढ़ में गांजा के नशे का उपयोग 4 फीसदी है जो राष्ट्रीय औसत से 2.83 प्रतिशत ज्यादा है। यह हमारे लिए चिंता का विषय है। इस देश में एक छोटी सी पुड़िया दुकान से बनती है तो ये कब और कहां से आई। इसे ध्वस्त करने के लिए हमें इन्वेस्टिगेशन करना पड़ेगा। नारकोटिक्स का केस कोई एक केस नहीं हो सकता है। पूरे तंत्र को इसके पीछे के बैकग्राउंड को ध्वस्त करने के लिए इन्वेस्टिगेशन की आदत डालनी पड़ेगी। बॉटम टू टॉप से एप्रोच लेना पड़ेगा। एक बड़ी मात्रा में गांजा या ड्रग्स मिलता है तो यह किस-किस के माध्यम से उपयोगकर्ता तक जाना था, उसका भी सर्च करना पड़ेगा। इससे कंट्रोल करने में मददगार होगा।

'पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करें'

उन्होंने कहा कि जब तक हम पूरी चैन को खत्म नहीं करते तब तक यह पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं कर पाएंगे। कुछ लोगों को जद में लेकर नारकोटिक्स कंट्रोल नहीं कर सकते। उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रयास होना चाहिए। ड्रग डिमांड डिडक्शन के लिए राष्ट्रीय कार्यालय के तहत यहां पर साथ पुनर्वास केंद्र चल रहे हैं। छत्तीसगढ़ के चीफ सेक्रेटरी डीजीपी से अनुरोध है कि सातों पुनर्वास केंद्र में कम से कम तीन-तीन घंटा निकाल जाए और उसके एप्लीकेशन पर ध्यान देना होगा। 14 नशा मुक्ति केंद्र राज्य सरकार भी चल रही है। ये सारे पुनर्वास केंद्र और नशा मुक्ति केंद्र को यह हमारे लड़ाई का महत्वपूर्ण केंद्र योजना का हिस्सा होना चाहिए। जो ड्रग लेता है वह सिस्टम का विक्टम है जो इसका व्यापार करता है वह गुनहगार है। वह इस सूत्र को ध्यान में रखकर ये लड़ाई लड़नी होगी। ड्रग छुपाने के तरीके, सिंथेटिक ड्रग की फैक्ट्रियां और प्रयोगशालाएं नई क्रिप्टो की न्यू एज चैलेंज इन सबको जब तक हम समाहित करके रणनीति नहीं बनाते हैं तब तक हम सफल नहीं हो सकते। कई जगह पर ड्रोन से, मोबाइल एप्स से, हेल्थ सेवाओं के माध्यम से भी ड्रग्स बेचने के किस्से सामने आए हैं। उन्हें ध्यान में रखकर एक रणनीति राज्य में बननी चाहिए।

युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले ड्रग्स तस्करों पर नकेल जरूरी

एनसीबी का परफॉर्मेंस बेहतर है। वर्ष 2004 से 2014 तक 1 हजार 250 कैसे रजिस्टर्ड हुए थे। अब 4 हजार 150 हुए हैं, जो 230 प्रतिशत की वृद्धि है विगत 10 साल। कल तक जो अरेस्ट 1 हजार 360 था अब 6300 हुआ है। 364% की वृद्धि हुई है। पूर्व में 52 लाख किलो नारकोटिक्स पर अब 54 हजार 300 किलो नारकोटिक्स पकड़ा गया है। दो पॉइंट 70% की वृद्धि है। 10 साल में 22 हजार करोड़ के ड्रग्स सीज किए गए हैं। इसे रोकने के लिए मानस पोर्टल का उपयोग करना चाहिए। जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी का भी उपयोग करें। फंडिंग के सोर्स की जांच करके संपत्ति को जब्त करें। छत्तीसगढ़ जिस तरह से बीजेपी की नई सरकार काम कर रही है। एक विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ेगी। युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले ड्रग्स तस्करों पर नकेल कसना जरूरी है। ये नशा मुक्त भारत का संकल्प है। एनसीबी ऑफिस हमेशा सहयोग के लिए रहेगी।

हाईटेक सुविधाओं से लैस नवा रायपुर का नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो

बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो रायपुर का आंचलिक इकाई नवा रायपुर सेक्टर 24 के केंद्रीय सचिवालय भवन के तृतीय तल पर स्थित है। यह करीब 5 हजार स्क्वायर फीट में फैला हुआ है जो नारकोटिक्स कंट्रोल के लिए अपने आप में कंप्लीट ऑफिस है। हाईटेक सुविधाओं से लैस है।

इसके पहले उन्होंने कल छत्तीसगढ़ की छह स्थानीय भाषाओं में रूपांतरित 'नए भारत का नया कानून' किताब का विमोचन किया था। यह पुस्तक '2023 के नए आपराधिक कानून' का छत्तीसगढ़ की छह प्रमुख स्थानीय भाषाओं यानी हल्बी, गोंडी, भतरी, कुडुख, छत्तीसगढ़ी और हिंदी में रूपांतरित संस्करण है। विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित रहे।

'जम्मू कश्मीर में दो झंडे चाहती है कांग्रेस !'
अरुण साव ने कहा- ये रिश्ता क्या कहलाता है, जवाब दें राहुल गांधी

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि जिस प्रकार से चुनाव लाभ लेने के लिए नेशनल कांफ्रेंस से कांग्रेस ने गठबंधन किया है। ऐसे में कांग्रेस जवाब दें कि नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन के बाद क्या कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस के अलग झंडा की मांग का भी समर्थन करेगी? राहुल गांधी बतायें कि नेशनल कांफ्रेंस का 370 और 35 ए को फिर से वापस लाकर जम्मू कश्मीर में फिर अशांति और आतंक के युग में धकेलने के एजेंडा का क्या कांग्रेस समर्थन करती है?

उन्होंने कांग्रेस से सावल करते हुए पूछा कि नेशनल कांफ्रेंस के इस वादे का भी क्या कांग्रेस

समर्थन करती है कि कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान से वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा दे? क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी एलओसी को शुरू करके फिर से बॉर्डर पर आतंकवाद और उनके इकोसिस्टम के समर्थ पोषण का समर्थन करती है? कांग्रेस आतंकवाद और पत्थर बाजी की घटनाओं में शामिल लोगों को परिजनों को फिर से नौकरी में बहाल कर आतंकवाद और दहशतगर्दी को फिर से कश्मीर में लाना चाहते हैं?

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से सामने आया है। धारा 370 व 35 ए समाप्त होने के बाद दलित, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों को जो आरक्षण मिल रहा है, वह भी समाप्त करने की इनकी मानसिकता है।

कांग्रेस को इस पर भी अपना रुख स्पष्ट करना पड़ेगा। जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था को क्या फिर से पाकिस्तान समर्पित परिवारों के हाथों में सौंप कर जम्मू कश्मीर के आम लोगों के हकों पर डाका डालने का समर्थन करते हैं। कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस के कश्मीर को ऑटोनॉमी देने के फायदे का भी समर्थन करते हैं जो विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है।

कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से जम्मू कश्मीर को उसी आतंकवाद, पत्थर बाजी, दहशतगर्दी के दौर में लाकर जम्मू कश्मीर को फिर बर्बाद करने की जो मानसिकता है उसके साथ जुड़कर काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 880.7 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक जून 2024 से लेकर अब तक में 880.7 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में 1 जून 2024 से आज 25 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के मुबाबिक बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1832.2 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 485.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 885.5 मिमी, बलरामपुर में 1239.7 मिमी, जशपुर में 720.7 मिमी, कोरिया में 905.2 मिमी, मनेन्द्रगढ़-

चिरमिरी-भरतपुर में 887.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

जानें इन जिलों का हाल

रायपुर जिले में 737.7 मिमी, बलौदाबाजार में 925.2 मिमी, गरियाबंद में 837.0 मिमी, महासमुंद में 676.1 मिमी, धमतरी में 776.2 मिमी, बिलासपुर में 826.0 मिमी, मुंगेली में 932.6 मिमी, रायगढ़ में 835.7 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 518.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 968.0 मिमी, सक्ती 832.8 मिमी, कोरबा में 1178.0 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 996.1 मिमी, दुर्ग में 532.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

वहीं कबीरधाम जिले में 696.0 मिमी, राजनांदगांव में 863.4 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 974.4 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 630.3 मिमी, बालोद में 905.3 मिमी, बेमेतरा में 490.5 मिमी, बस्तर में 919.0 मिमी, कोण्डागांव में 843.7 मिमी, कांकेर में 1060.3 मिमी, नारायणपुर में 993.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 1095.6 मिमी और सुकमा जिले में 1162.0 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

झारखंड के ग्राम प्रधानों की बल्ले-बल्ले!
अब मिलेगी पहले से दोगुनी राशि; हेमंत सरकार का बड़ा निर्णय

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड कैबिनेट द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय को अमल में लाने के लिए राजस्व विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है। जारी संकल्प के अनुसार सभी प्रकार के ग्राम प्रधानों, पड़हा राजा, मानकी, परगनैत, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा, पराणिक, कुड़ाम, नायकी, गौड़ैत, जोगमांझी, मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी पुजारी, ग्रामसभा के प्रधान, घटवाल एवं ताकेदार को पूर्व से निर्धारित राशि के दोगुना के करीब राशि हर महीने दी जाएगी।

सरकार के बजट पर इस बदलाव से लगभग 45 करोड़ रुपये का भार आएगा। जानकारी के अनुसार, पूर्व में राज्य कैबिनेट ने इससे संबंधित निर्णय लिया था; जिसके अनुसार पहले जहां मानकी और परगनैत को तीन हजार रुपये मासिक मिलते थे, उन्हें अब छह हजार रुपये मिलेंगे।

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने इससे संबंधित संकल्प जारी किया है। ग्राम प्रधान को पहले 2000 रुपये हर महीने मिलते थे, इस राशि को बढ़ाकर 4000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। डाकुवा, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम, नायकी, गोड़ैत, मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी पुजारी, पड़हा राजा आदि को हर महीने एक हजार की जगह पर दो हजार रुपये दिए जाएंगे। झारखंड हाई कोर्ट में राज्य के जिलों में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक

अभियंता के कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा समान काम के बदले समान वेतन की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव को चार माह में प्रार्थियों के संबंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि अगर प्रार्थियों की देय राशि बनती है, तो इसका भुगतान उन्हें सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ अदालत ने याचिका निष्पादित कर दी।

इस संबंध में प्रार्थी प्रेमचंद विनोद टेटे एवं अन्य की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। वह जिलों में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में संविदा पर कार्यरत है।

उनकी ओर से समान काम के बदले समान वेतन देने का आग्रह किया गया था, जिसमें वित्त विभाग के वर्ष 2017 एवं वर्ष 2023 की अधिसूचना का आधार बनाया गया है। उनकी ओर से कहा गया था कि वह वर्ष 2005 –06 से संविदा पर कार्यरत है। उन्हें प्रति माह 10500 मिलते हैं। वर्ष 2017 के वित्त विभाग की अधिसूचना के आधार पर पथ निर्माण विभाग सहित अन्य विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर और सचिवालय में कार्यरत ग्रामीण विकास विभाग के संविदा कर्मियों को 26800 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। लेकिन राज्य के जिलों में कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

वित्त विभाग ने वर्ष 2023 में झारखंड में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर का मानदेय 34400 कर दिया है। इसका लाभ भी प्रार्थियों नहीं मिल रहा है। ऐसे में प्रार्थियों को वित्त विभाग की अधिसूचना के आधार पर समान काम के बदले समान वेतन के तहत देय राशि का भुगतान किया जाए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड कांग्रेस नेतृत्व ने की मुलाकात

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके कांके स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की. जहां पार्टी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया. उनके साथ उनकी पत्नी सह गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थी. इस दौरान सीएम हेमंत से कई मुद्दो पर बातचीत हुई. झारखंड कांग्रेस के नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर जनहित के कई मुद्दों पर बातचीत की. इसके अलावा राज्य में वर्तमान राजनीतिक परस्थितियों पर भी गहन चर्चा के साथ साथ विकास कार्यों के कार्यान्वयन पर भी विस्तृत विचार विमर्श किया गया. बता दें कि कांग्रेस के नये प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद केशव महतो कमलेश की सीएम हेमंत सोरेन के साथ पहली मुलाकात थी. दो पहले ही वह रांची से दिल्ली पहुंचे हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी ट्वीट कर इसकी जानकारी दे दी है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि आज अपने आवास पर झारखंड कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पार्टी के विधायक दल के नेता रामेश्वर उरांव से मुलाकात हुई. जहां विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई. इसके अलावा उन्होंने केशव महतो कमलेश को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दी. मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता, इरफान अंसारी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रणव झा, झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे.

चुनाव से पहले बीजेपी सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ बनाएगी माहौल, पार्टी प्रखंड स्तर पर करेगी आंदोलन

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी अब प्रखंड स्तर तक हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ आंदोलन का कार्यक्रम आयोजित करेगी। 23 अगस्त को रांची में आयोजित भाजपा युवा मोर्चा की आक्रोश रैली में हुई पुलिसिया कार्रवाई के बाद पार्टी ने जनता के बीच जाने का फैसला किया है।

प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि राज्य सरकार ने जिस तरह से कार्यकर्ताओं पर पुलिस से हमला करवाया उससे जनता में भाजपा के प्रति सहानुभूति बढ़ी है। इसके अलावा युवा, अनुबंध कर्मी, महिला समूहों की मांग को प्रभावी तरीके से उठाने में भी पार्टी सफल रही है।

रांची कार्यक्रम को पार्टी का नेतृत्व सफल मान कर चल रहा है। अब जिला और प्रखंड स्तर तक ऐसे ही विरोध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पार्टी ने इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व की भी सहमति ले ली है।

जिले से लेकर प्रखंड स्तर तक होने वाले कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष से लेकर दूसरे प्रमुख नेता भी हिस्सा लेंगे। भाजपा के चुनाव और संगठन प्रभारी भी इसमें शामिल होंगे।

विधायकों और सांसदों को सक्रिय रहने का निर्देश

रांची की आक्रोश रैली के बाद पार्टी ने अपने विधायकों और सांसदों के आंदोलन में सक्रिय रहने की सलाह दी है। इसमें युवाओं के रोजगार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार के पांच साल के कार्यकाल में पिछले वादों को पूरा नहीं करने पर जवाब मांगने का कार्यक्रम प्रारंभ किया है। जल्द ही इसके लिए जिलों में कार्यक्रम संयोजकों के नाम और तिथि की घोषणा की जाएगी।

नहरिया बाबा मंदिर में ढाई लाख से अधिक की चोरी
तीन दानपेटी लेकर फरार हुए चोर

जांजगीर चांपा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के प्रसिद्ध नहरिया बाबा मंदिर में चोरी की घटना हुई है। बताया जा रहा है कि मंदिर से करीब ढाई लाख रुपये की चोरी हुई है। सीसीटीवी कैमरे में तीन चोर नजर आ रहे हैं। एसपी विवेक शुक्ला ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच के निर्देश दिए। घटना नैला चौकी उप थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, प्रसिद्ध नहरिया बाबा मंदिर में चोरी की हुई है। तीन चोरों मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। जिसमें चोर रैनकोट और नकाब पहने हुए है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच में जुटी हुई है।

एसपी विवेक शुक्ला भी मौके पर पहुंचे हुए थे। नहरिया बाबा मंदिर में इससे पहले भी चोरी हो चुकी है।

चोरों का पता नहीं चल सका। मंदिर से पुजारियों के रखे 35 हजार रुपये नगदी रकम और तीन दान पेटी लगभग ढाई लाख रुपये की चोरी की गई है।

चंपाई सोरेन के साथ जो हुआ वैसा मेरा साथ भी हो चुका है
आखिरकार सामने आ ही गया जीतन राम मांझी का दर्द

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के सियासी घटनाक्रम के बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का बड़ा बयान सामने आया है. दरअसल जीतन राम मांझी ने चंपाई सोरेन को लेकर बड़ा बयान दिया है. जीतन राम मांझी ने चंपाई सोरेन की स्थिति पर चर्चा करते हुए इशारों ही इशारों में अपने पुराने दर्द की चर्चा भी कर दी, जब उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनाकर कुछ ही महीने बाद हटा दिया गया था. दरअसल नीतीश कुमार ने 2014 में अपनी जगह जीतन राम मांझी को बिहार का सीएम बना दिया था.

लेकिन, फिर कुछ ही महीने बाद जीतन राम मांझी को इस्तीफा देना पड़ा था. चंपाई सोरेन के बड़े फैसले और एनडीए के सवाल पर जीतन राम मांझी ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि चंपाई सोरेन आएंगे तो उनका हम स्वागत करेंगे. जीतन राम मांझी ने कहा कि उनके साथ जो बीता है उसी प्रकार की बात हमारे साथ भी हुई थी. वैसी स्थिति में अब वह क्या निर्णय लेते हैं हमने जो निर्णय लिया आप देख रहे हैं उसी प्रकार से वह क्या निर्णय लेते हैं. बता दें, इसी हाल फरवरी महीने में हेमंत सोरेन जेल जेल जाने के बाद कुछ महीनों के लिए चंपाई सोरेन को झारखंड का सीएम बनाया गया था. वहीं हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आते ही चंपाई सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा, जिससे वह नाराज चल रहे हैं. वहीं केंद्र सरकार के नई पेंशन नीति पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इसे 25 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा.

टूटी और गंदी सीट ओवरहेड बिन पर लगा टेप, यात्री ने खोली पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की पोल

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की हालत खस्ताहाल है। इसकी पोल एक यात्री ने खोल दी। अली नदीम नाम के यात्री ने विमान के अंदर का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया। इसमें विमान की स्थिति बेहद खराब है। अली ने लिखा कि प्रतिबंधित एयरलाइन पर दुनिया की सबसे खतरनाक उड़ान। अली ने अपने वीडियो में यह भी लिखा है कि पीआईए यूरोप में प्रतिबंधित है। अली पीआईए के विमान से स्कार्दू जा रहे थे।

मगर विमान की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। सीट का हैंडल टूटा था। इसके अलावा ओवरहेड बिन को डक्ट टेप से चिपकाया गया था। बता दें कि स्कार्दू एक पर्वतीय क्षेत्र है। अली सही सलामत गंतव्य तक पहुंचने के लिए दुआ भी करते रहे। अली के मुताबिक केबिन क्रू ने उन्हें वीडियो रिकॉर्ड करने की मंजूरी नहीं दी। हालांकि बाद में उन्होंने वीडियो बनाया। अली ने कहा कि तीन में से एक पायलट के पास नकली लाइसेंस की वजह से पीआईए को यूरोप में प्रतिबंधित कर दिया गया है। मैं दुनिया की सबसे खतरनाक उड़ान पर हूं।

पाकिस्तान की खराब छवि

अली ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि क्या आप इस मार्ग से उड़ान भरेंगे? पाकिस्तान की दुनिया में एक खराब छवि है... जब आपकी राष्ट्रीय एयरलाइन को भी पूरे महाद्वीप से प्रतिबंधित कर दिया जाता है तो इससे कोई मदद नहीं मिलती, लेकिन मैंने पाकिस्तान के उत्तरी इलाकों में जाने के लिए एक दशक से भी अधिक समय में पहली बार पीआईए की फ्लाइट से जाने का फैसला किया।

कमला हैरिस ने बढ़ाई डोनाल्ड ट्रंप की टेंशन

पूर्व राष्ट्रपति ने परेशान होकर बदली रणनीति

वॉशिंगटन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इस साल नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर वॉशिंगटन से लेकर न्यूयॉर्क और कैलेफोर्निया तक सियासत तेज हो गई है। चुनाव लड़ रहे दोनों मुख्य प्रतिद्वंदी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। दरअसल, 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस राष्ट्रीय औसत में ट्रंप से बढ़त हासिल की हुई है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप अब कमला हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों के बजाय नीतिगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने टैक्स और स्वास्थ्य मुद्दों को लेकर हैरिस को घेरा।

वेटरों को दिए जाने वाले टिप पर टैक्स का उठाया मुद्दा

लास वेगास के एक रेस्टोरेंट में एक सभा को संबोधित करते हुए ट्रंप ने वेटरों और सेवा कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर टैक्स समाप्त करने की अपनी योजना के बारे में बात की। उन्होंने नेवादा में हिस्पैनिक वोटरों को लुभाने के लिए अपने प्रचार अभियान के प्रयासों पर चर्चा की।

व्यक्तिगत हमले करते आ रहे ट्रंप ने बदली रणनीति

ट्रंप लगातार हैरिस की शक्ल, अश्वेत और भारतीय मूल और बुद्धिमत्ता पर उनके उपर लगातार व्यक्तिगत हमले करते आ रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कर ट्रंप के सलाहाकार ट्रंप पर आर्थिक एजेंडे को भुनाने के लिए दबाव बना रहे हैं। ट्रंप के सलाहाकारों का मानना है कि कमला हैरिस पर व्यक्तिगत हमले करने से उदारवादी वोटर दूर हो सकते हैं, जो उनकी जीत के लिए जरूरी है।

रणनीति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

ट्रंप अपने कार्यक्रमों और अपनी रणनीति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कमला हैरिस से मीडिया का कुछ ध्यान हटे। हालांकि, विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और क्राइम पर ट्रंप के भाषणों से कमला हैरिस से मीडिया का ध्यान हटाने में कोई मदद नहीं मिली है।

मीडिल क्लास अमेरिकियों को टारगेट कर रहीं हैरिस

इसके अलावा कमला हैरिस ने अपनी ताकत और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए मीडिल क्लास अमेरिकियों को टारगेट कर रही हैं। अमेरिका में मीडिल क्लास लोगों की संख्या वहां सबसे अधिक है।

जीपीएस फेल होने के बाद रेगिस्तान में भटक गया तेलंगाना का शख्स

पानी की कमी-थकान के कारण हुई मौत

रियाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब के रब अल खली रेगिस्तान में पानी की कमी और थकान के कारण तेलंगाना के एक 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद शहजाद के तौर पर की गई है, जो करीमनगर का रहने वाला था। वह सऊदी अरब के एक टेलीकम्यूनिकेशन कंपनी में पिछले तीन वर्षों से नौकरी कर रहा था। बता दें कि अल खली रेगिस्तान सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र में 650 किमी तक फैला हुआ है। यह अपनी कठोर परिस्थितियों के लिए बहुत मशहूर है। यह घटना तब घटी, जब जीपीएस सिस्टम के फेल होने के बाद मोहम्मद शहजाद सूडान के एक नागरिक के साथ रास्ता भटक गया। इस दौरान शहजाद का मोबाइल भी बंद हो गया।

वे अब किसी को भी फोन नहीं कर पा रहे थे। जैसे ही उनके वाहन का ईंधन खत्म हो गया, वे दोनों रेगिस्तान की चिलचिलाती गर्मी के बीच बिना खाना और पानी के फंस गए। दोनों ने इस गर्मी में खुद को बचाने के लिए बहुत संघर्ष किया, लेकिन पानी की कमी और थकान के कारण दोनों की मौत हो गई। उनके मौत के चार दिन बाद दोनों का शव गुरुवार को मिला। उनका शव रेत के टीलों के बीच उनके वाहन के पास ही मिला।

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागे 150 रॉकेट

आयरन डोम ने किए तबाह,

तेल अवीव, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर रविवार को ताबड़तोड़ 150 से ज्यादा रॉकेट दागे। उधर इन हमलों की तैयारी का पता लगाते ही इजरायली सेना ने भी दक्षिणी लेबनान में इसके ठिकानों पर तबाड़तोड़ एयर स्ट्राइक कर दी। इजरायल ने अपने नागरिकों को हिजबुल्लाह के मिसाइल और ड्रोन अटैक को लेकर अलर्ट किया है। इस दौरान लेबनान से सटे इजरायल के उत्तरी भाग में अलर्ट सायरन बजते सुनाई दिए।

'हिजबुल्लाह ने 150 प्रोजेक्टाइल लॉन्च किए'

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'हिजबुल्लाह ने लेबनान से इज़राइली क्षेत्र की ओर 150 से अधिक प्रोजेक्टाइल लॉन्च किए हैं, जिन्हें आयरन डोम से नेस्तनाबूद कर दिया गया।' इसमें यह भी कहा गया कि 'हम आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हैं, वे नागरिकों को निशाना बनाते हैं।'

'तुरंत चले जाओ'

उधर रविवार की सुबह दक्षिणी लेबनान के लोगों को जारी एक संदेश में इजरायली सेना ने कहा, 'हम आपके घरों के पास इजरायली क्षेत्र पर बड़े पैमाने पर हमले करने के लिए हिज़्बुल्लाह की तैयारियों पर नज़र रख रहे हैं। आप खतरे में हैं, तुरंत वह इलाका छोड़कर चले जाए। हम हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला कर रहे हैं और उन्हें खत्म कर रहे हैं।' टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए मैसेज में कहा गया है, 'जो कोई भी उन इलाकों के पास है, जहां हिज़्बुल्लाह के ठिकाने हैं, उसे खुद को और अपने परिवारों को बचाने के लिए तुरंत चले जाना चाहिए।' सुबह 5:00 बजे से कुछ पहले जारी एक अलग बयान में, सेना ने कहा कि उसके जेट लेबनान में उन लक्ष्यों पर हमला कर रहे हैं, जो 'इज़राइलियों के लिए कोई ख़तरा पैदा करते हैं'। इजरायली सेना के प्रवक्ता डैनियल हैगरी ने भी ठीक उसी समय जारी एक वीडियो में हमलों की घोषणा करते हुए कहा कि 'हिज़्बुल्लाह जल्द ही रॉकेट, और संभवतः मिसाइलों और यूएवी को इज़राइली क्षेत्र की ओर दागेगा'। मध्य पूर्व में तनाव पिछले कई हफ़्तों से तनाव की स्थिति बनी हुई है, जब हिज़्बुल्लाह और ईरान ने इजरायली हमले का जवाब देने की कसम खाई थी। दरअसल बेरूत में हुए एक हमले में हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुक्र की मौत हो गई, वहीं हमास के पॉलिटिकल विंग के प्रमुख इस्माइल हनिया की तेहरान में हत्या कर दी गई थी। इजरायल ने इस हत्या की जिम्मेदारी तो नहीं ली थी, लेकिन सभी लोग उसे ही इसका जिम्मेदार मानते हैं।

इजरायल के ताबड़तोड़ हवाई हमलों से थर्राया लेबनान, हिजबुल्ला के कई ठिकाने तबाह

यरूशलम, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायली आर्मी ने लेबनान पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इससे पूरे लेबनान में दहशत फैल गई है। इजरायली सेना ने हिजबुल्ला के आतंकी संगठन को निशाना बनाकर यह हमला किया है। बताया जा रहा है कि शिया मिलिशिया हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर रविवार तड़के लेबनान में इजरायल ने एक साथ कई हवाई हमले किए। इजरायली सेना ने यह जानकारी दी। इसमें हिजबुल्ला के कई ठिकाने ध्वस्त हो गए हैं। अन्य नुकसान के बारे में अभी सटीक जानकारी सामने नहीं आई है।

इन हमलों के बाद इजरायली सेना ने एक बयान जारी कर हिजबुल्ला पर ''इजरायली क्षेत्र की ओर मिसाइल और रॉकेट दागने की तैयारी करने'' का आरोप लगाया। इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा, ''इन खतरों को दूर करने के लिए आत्मरक्षा में (इजरायली सेना द्वारा) लेबनान में उन आतंककवादी ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, जहां से हिजबुल्ला इजरायल के आम नागरिकों पर हमले करने की साजिश रच रहा था।''

इजरायली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने सचेत किया कि हिजबुल्ला इजरायल में ''जल्द ही रॉकेट और संभवतः मिसाइल'' और ड्रोन से हमला कर सकता है।

एक करोड़ लोगों ने छोड़ा पाकिस्तान

दुनिया के सामने आई पाकिस्तान की असलियत

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। फटेहाल पाकिस्तान में खाने के लाले पड़े हुए हैं। वहां ना नौकरी है और ना ही नौकरी देने वाली कोई उपक्रम या उद्योग, हालात ये हो रहे हैं कि पाकिस्तान में अब लोगों को अब दो जून की रोटी मिलना मुश्किल हो गया है। इसलिए ये पाकिस्तानी लोग अब अपना देश छोड़कर जा रहे हैं। अब तक करीब एक करोड़ लोग पाकिस्तान छोड़ चुके हैं जो अपने आप में एक चिंता की बात है और ये पाकिस्तान की पस्त हालत को पूरी दुनिया के सामने लेकर आ रहा है।

पाकिस्तानी प्रवासन पैटर्न का अवलोकन ने ये रिपोर्ट जारी की है। जिसमें कहा गया है कि साल 2008 से इन 17 सालों में 1 करोड़ लोग पाकिस्तान छोड़कर विदेश में रहने चले गए। जिसमें सबसे ज्यादा लोग नवाज शरीफ के कार्यकाल में 2013 से 2018 तक गए। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया ने पल्स कंसल्टेंट की इस रिपोर्ट का खुलासा किया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 17 सालों में कुल 95,56,507 लोग पाकिस्तान से पलायन कर गए। इस प्रवास की लहर का चरम 2015 में देखा गया था, जब 9,00,000 से ज्यादा लोगों ने नौकरी की तलाश में पाकिस्तान छोड़ दिया था। हालांकि, 2018 तक यह संख्या 60 प्रतिशत तक कम हो गई, और केवल लगभग 3,00,000 लोग ही नौकरी की तलाश में प्रवास कर रहे थे। कोविड-19 महामारी ने प्रवासन के रुझान को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 और 2023 में प्रवासियों की संख्या बढ़कर करीब 8,00,000 हो गई है।

2022 से ही स्किल्ड लोगों के प्रवास का अनुपात 5 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि पिछली दर 2 प्रतिशत थी। पिछले दो वर्षों में देश छोड़ने वालों में से अधिकांश ब्लू-कॉलर वर्कर और श्रमिक वर्ग रहे हैं, जिनमें से 46 प्रतिशत अकुशल श्रमिक हैं, जो पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के यानी पूर्व प्रधानमंत्री और जेल में बंद इमरान खान के कार्यकाल के दौरान 41 प्रतिशत से ज्यादा है।

अरब देशों में जा रहे हैं ज्यादातर पाकिस्तानी

पाकिस्तान के लोग पारंपरिक तौर पर सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कतर नौकरी के लिए जा रहे हैं। हालांकि यूएई में पाकिस्तानी श्रमिकों की संख्या में तेज गिरावट देखी गई, जबकि सऊदी अरब में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बिना बिजली के 9 लाख लोग-18 की मौत बाढ़ ने बिगाड़े बांग्लादेश के हाल

ढाका, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, जहां एक ओर देश शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हिंसक घटनाओं की वजह से परेशान है तो वहीं, दूसरी ओर बाढ़ से। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में बाढ़ आई है। जिसके चलते वहां बिजली के खंभे, ट्रांसफॉर्मर खराब हो गए हैं। इसी वजह से 9 जिलों के कुल 928,000 लोगों को बिजली नहीं पा रही है। सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित जिले फेनी में कुल 17 सबस्टेशन बंद कर दिए गए हैं, जिससे 441,000 लोग बिजली संकट से प्रभावित हैं। बाढ़ के चलते करीब 18 लोगों की मौत हो गई है। विद्युत, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय ने शनिवार को इससे जुड़ा डेटा जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि फेनी जिले के 17 सबस्टेशन बंद कर दिए गए हैं, जिस कारण से 441,000 उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल पा रही है। इसके साथ दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र के जिलों चांदपुर, नोआखली, लक्ष्मीपुर, चटगांव, कोमिला, कॉक्स बाजार, मौलवीबाजार और ब्राह्मणबरिया में भी बिजली संकट बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के दक्षिणी-पूर्वी के बाढ़ प्रभावित के 8 जिलों में सबस्टेशन बंद नहीं किया गया है, लेकिन 905 फीडर में से 107 को बंद कर दिया गया है। हालांकि कुछ जहां फीडर बंद हैं उनके अलावा भी बाकी क्षेत्रों में बिजली संकट जारी है। आंकड़ों के मुताबिक, नोआखली में 218,000 कोमिला में 152,000 चटगाँव में 78,000 और लक्ष्मीपुर में 25,000 लोग इस समय बिना बिजली के गुजारा कर रहे हैं।

बाढ़ के चलते कई लोगों ने गवाईं है जान

बाढ़ के चलते दक्षिणी पूर्व बांग्लादेश की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। देश के 11 जिलों के 77 ब्लॉकों में चल रही बाढ़ के कारण अठारह लोगों की मौत हो गई है। करीब 4.19 मिलियन से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कुल 944,548 परिवार बाढ़ में फंसे हुए हैं, जबकि 2,84,888 लोगों और 21,695 मवेशियों को 3,527 आश्रय केंद्रों में जगह दी गई है।

दक्षिणी गाजा पर इजरायली सेना ने फिर बरपाया कहर, घातक हमले में 36 फिलिस्तीनियों की मौत

काहिरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा को पूरी तरह तबाह करने के बावजूद इजरायली सेना ने अभी हमले कम नहीं किए हैं। इस बार दक्षिणी गाजा पट्टी में इजरायल ने एक साथ कई हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 36 फिलस्तीनी मारे गए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे हाहाकार मच गया। अधिकारियों ने बताया कि नासिर अस्पताल के अनुसार, शनिवार की सुबह खान यूनिस शहर में एक इजरायली हवाई हमले में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार अस्पताल में कुल 33 शव लाये गये जो खान यूनिस और उसके आसपास के इलाकों में तीन अलग-अलग हमलों में मारे गए थे।

शहर के अल-अक्सा अस्पताल ने बताया कि शनिवार की सुबह हुए हमले में मारे गये तीन और लोगों के शव लाये गये हैं। नासिर अस्पताल ने बताया कि खान यूनिस के दक्षिण में एक सड़क पर हुए हमले में सत्रह अन्य लोग मारे गए। वहीं गाजा के आरोपों के बाद इजरायली सेना ने कहा कि वह इन रिपोर्टों की जांच कर रही है, लेकिन तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

इजरायल हमास युद्ध को हो चुके 10 माह

गाजा में युद्ध सात अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास और आतंकवादियों ने इजराइल पर अचानक हमला किया, जिसमें लगभग 1,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें मुख्य रूप से नागरिक शामिल हैं। इजराइली अधिकारियों के अनुसार पिछले वर्ष संघर्ष विराम के दौरान 100 से अधिक बंधकों को रिहा किया गया था, लेकिन माना जाता है कि हमास ने अभी भी लगभग 110 बंधकों को बंधक बना रखा है, जिनमें से लगभग एक तिहाई की मौत हो चुकी है।

आपने तो हदें ही पार कर दी, कर्मचारी से सीएफओ का था चक्कर! भंडाफोड़ पर रॉयल बैंक ऑफ कनाडा ने लिया बड़ा एक्शन

ओटावा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रॉयल बैंक ऑफ कनाडा (आरबीसी) ने कोर्ट में दो कर्मचारियों को बर्खास्त करने की वजह दोनों के बीच अफेयर बताया है। बैंक ने कहा कि ट्रेजरी विभाग के पूर्व कर्मचारी केन मेसन का पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के साथ पिछले 10 साल से चक्कर चल रहा था। रोमांस का लाभ उठाकर केन मेसन कंपनी में व्यक्तिगत उन्नति कर रहा था। बैंक ने आरबीसी के ट्रेजरी विभाग के पूर्व कर्मचारी केन मेसन के खिलाफ बचाव और प्रतिवाद का बयान दायर किया, जिन्हें अप्रैल में तत्कालीन सीएफओ नादिन आह्न के साथ ही बर्खास्त कर दिया गया था। कनाडा के सबसे बड़े ऋणदाता आरबीसी ने कहा कि मेसन और आह्न के बीच एक दशक से भी ज़्यादा समय तक घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध रहे। अदालती दस्तावेजों में बैंक ने कहा कि दोनों का रिश्ता हद पार गया था। ऐसा इसलिए क्योंकि सीएफओ आह्न ने मेसन की सैलरी में बड़ी बढ़ोतरी की थी। तत्कालीन सीएफओ आह्न ने शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए मेसन की सैलरी में बड़ी बढ़ोतरी की और बड़ी पदोन्नति भी दी। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2023 में मेसन को 1.18 मिलियन कनाडियन डॉलर दिए गए। यह रकम नवंबर 2021 के मुकाबले 70 फीसदी अधिक है। आह्न को सीएफओ के पद पर पदोन्नत किए जाने के बाद मेसन का 70 प्रतिशत तक वेतन बढ़ा दिया गया।

दूसरी तरफ नादिन आह्न ने गलत बर्खास्तगी के लिए रॉयल बैंक ऑफ कनाडा पर मुकदमा दायर किया है। मेसन और आह्न के वकीलों ने बताया कि बैंक के आरोप निराधार हैं। उनके बीच कोई रोमांटिक रिश्ता नहीं था वे सिर्फ दोस्त थे। आह्न ने कहा, नौकरी से निकालते समय स्पष्ट रूप से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और सार्वजिनकि अपमान का सामना करना पड़ा। वहीं मेसन ने कहा कि अगर दोनों पुरुष होते तो बैंक इस तरह से कार्रवाई नहीं करता। उपाध्यक्ष के पद पर उनकी पदोन्नति योग्यता-आधारित थी और आह्न ने इसे प्रभावित नहीं किया था।

कॉकटेल के लिए रोज मिलते थे बैंकर

मामले में बैंक का कहना है कि मार्च महीने में बैंक को एक गुमनाम शिकायत मिली थी, जिसके बाद जांच करने के लिए बाहरी कानूनी सलाहकार को नियुक्त किया गया था। जांच में आह्न और मेसन को एक साथ देखा गया था और उनके बीच संबंध थे। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों बैंकर हर रोज काम खत्म होने के बाद कॉकटेल के लिए मिलते थे, एक-दूसरे को प्यारे नामों से पुकारते थे। रोमांटिक कविताएं पढ़ते थे और एक-दूसरे को यह संदेश भेजते थे कि वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं।

बैंक और कर्मचारी एक-दूसरे से मांग रहे मुआवजा

मुकदमे में आह्न लगभग 50 मिलियन कनाडाई डॉलर का वेतन और क्षतिपूर्ति मांग रही हैं, जबकि मेसन बैंक पर 20 मिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक का वेतन और क्षतिपूर्ति का मुकदमा चला रहे हैं। दूसरी तरफ बैंक मेसन को दी गई अधिक सैलरी को वापस करने की मांग कर रहा है। बैंक मेसन को दिए गए कुछ बोनस और अन्य नुकसानों और लागतों की वसूली करना चाह रहा है।

ब्राजील एयरपोर्ट पर इस हालात में पड़े हैं भारत समेत कई देशों के लोग, खाने-पीने को भी नहीं

ब्राजीलिया, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में एंट्री करने के लिए कई हफ्तों से एशिया के 5 देशोंभारत, नेपाल, वियतनाम, इंडोनेशिया, बांग्लादेश के लोग एयरपोर्ट पर पड़े हुए हैं। लेकिन ब्राजील उन्होंने एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। दरअसल ये लोग प्रवासी है। एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम 666 प्रवासी बिना वीजा के ग्वारूलोस एयरपोर्ट पर ब्राजील में एंट्री करने का इंतजार कर रहे हैं। ब्राजील अब एक नियम भी लेकर आ रहा है, जिसके बाद अमेरिका और कनाडा जाने के लिए ब्राजील को पड़ाव के रूप में इस्तेमाल करने वाले विदेशियों के प्रवाह को रोका जा सके। अधिकारी ने बताया कि प्रवासियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में रखा गया है, जहां वॉशरूम तक की सुविधा नहीं है और उनका आना-जाना भी बहुत भी लिमिटेड हैं, जिस वजह से उनका खाना-पीना भी दुश्वार हो गया है। यहां तक की बच्चों के लिए भी कोई सुविधा नहीं है। वो ठंड में बिना कंबल के सो रहे हैं। पब्लिक डिफेंडर कार्यालय ने पाया कि प्रवासियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा था और उनकी हालत भी खराब हो रही थी। एजेंसी ने कहा कि प्रवासियों की हालत में सुधार की जरूरत है, जिसके लिए पूरी कोशिश की जा रही है। एक बयान में ऑथोरिटी से आग्रह किया गया कि वह शरणार्थियों को स्वीकार करने और उन्हें उनके अपने देश में वापस न भेजने के मानवीय सिद्धांत पर आधारित ब्राजील के कानून को मानें। ब्राजील के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने 21 अगस्त को रॉयटर्स को बताया कि 26 अगस्त से नए नियम के मुताबिक बिना ब्राजील के वीजा वाले विदेशी यात्रियों को, जो किसी दूसरे देश का सफर कर रहे हैं, सीधे अपने गंतव्य की यात्रा करनी होगी या अपने देश वापस लौटना होगा। ब्राजील मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ब्राजील में विदेशी यात्रियों खासकर एशिया से आने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है, जो उत्तरी अमेरिका जाते समय यहां रुकते हैं। ब्राजील में एंट्री करने के लिए वह शरणार्थी का दर्जा मांगते हैं, अपने देश में उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाते हैं लेकिन रॉयटर्स और एक वरिष्ठ पुलिस की ओर से देखी गई अधिकारियों की रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर लोग जब भी मुमकिन होता है उत्तर की ओर सफर करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब बिना वीज़ा के साओ पाओलो पहुंचने वाले यात्रियों को ब्राज़ील में ठहरने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

एयरपोर्ट पर फंसे प्रवासी

हालांकि अभी तक यह भी क्लियर नहीं है कि क्या नए नियम साओ पाओलो एयरपोर्ट पहले से मौजूद प्रवासियों पर लागू होंगे या सिर्फ उन पर लागू होंगे जो नियम लागू होने के बाद एयरपोर्ट पर आएंगे। वहीं एक्टपट्र्स को चिंता है कि प्रस्तावित नियम 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी समझौते के विपरीत हैं, जिसकी ब्राजील भी एक पार्टी है और जो देशों से अपने देश में अपने रिस्क पर लोगों को स्वीकार करने का आह्वान करता है, भले ही उनके पास कोई डॉक्यूमेंट्स न हो। ब्राजील की शरणार्थी समिति के प्रमुख जीन उएमा ने रॉयटर्स को बताया कि ये नियम खास तौर पर साओ पाउलो एयरपोर्ट पर लागू होंगे और शरणार्थियों के संबंध में ब्राजील की नीति में कोई बदलाव नहीं होगा।

टेलीग्राम मैसेजिंग एप के फाउंडर और सीईओ पावेल ड्यूरोव गिरफ्तार; फ्रांस में कार्रवाई

पेरिस, 25 अगस्त (एजेंसियां)। टेलीग्राम मैसेजिंग एप के फाउंडर और सीईओ पावेल ड्यूरोव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें शनिवार शाम पेरिस के बॉर्गेट हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, ड्यूरोव प्राइवेट जेट से अजरबैजान से बॉर्गेट हवाई अड्डे पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांसीसी सीमा शुल्क से जुड़े फ्रांस के धोखाधड़ी विरोधी कार्यालय के अधिकारियों ने शनिवार शाम को फ्रांसीसी-रूसी अरबपति को हिरासत में लिया। 39 वर्षीय ड्यूरोव के खिलाफ टेलीग्राम पर मॉडरेशन की कमी के कारण फ्रांसीसी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। आरोप है कि प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी और पीडोफाइल सामग्री साझा करने के लिए किया गया। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद से टेलीग्राम के संस्थापक ने फ्रांस और यूरोप की यात्रा से दूरी बना ली थी। इस दौरान फ्रांस ने टेलीग्राम पर मॉडरेशन की कमी और कानून प्रवर्तन के साथ असहयोग, ड्रग तस्करी, बच्चों के खिलाफ अपराध और धोखाधड़ी में मिलीभगत के आरोप में ड्यूरोव के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। रूस में जन्मे टेलीग्राम के संस्थापक वर्तमान में दुबई में रहते हैं। माना जाता है कि दुनियाभर में टेलीग्राम के 900 मिलियन से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं।

सीएम भजनलाल और पीसीसी चीफ डोटासरा हुए आमने-सामने, छिड़ा सवालों का 'महासंग्राम'

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा उपचुनावों को देखते हुए राजनीतिक पार्टियां एक-दूसरे पर आक्रामक नजर आ रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेशनल कांफ्रेंस से कांग्रेस के गठबंधन को लेकर राहुल गांधी से सवाल पूछे हैं। जिस पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने रविवार को भजनलाल सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए उनसे 10 सवाल पूछे।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'माननीय भजनलाल जी.. पर्ची आई और आपने 10 सवाल पढ़ दिए, मीडिया से कोई सवाल नहीं लिया। आपको सवाल पूछना ही आता है या जवाब देना भी? 9 महीने से प्रदेश की सत्ता में भाजपा

है और आप मुख्यमंत्री। इसलिए राजस्थान की जनता आपसे 10 सवाल पूछ रही है, उनका जवाब दीजिए।'

सीएम भजनलाल ने कांग्रेस से पूछे सवाल

वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस पार्टी और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर कांग्रेस को घेरा। सीएम ने कहा कि कांग्रेस जम्मू कश्मीर को फिर से अशांति और अराजकता की ओर धकेलकर दलितों के आरक्षण को छीनना चाहती है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल पूछे कि-

क्या कांग्रेस 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे के वादे का समर्थन करती है ?

क्या राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अनुच्छेद 370 और आर्टिकल 35ए को वापस लाकर जम्मू- कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के 'नेशनल कांफ्रेंस' के निर्णय का समर्थन करती है?

क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?

क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल लोगों के परिजन को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को लाने का समर्थन करती है ?

क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के 'नेशनल कांफ्रेंस' के वादे के साथ है?

सीएम ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर साधा निशाना

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित में कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर जम्मू-कश्मीर में अशांति और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस दलितों के आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिस जम्मू-कश्मीर की शांति के लिए राजस्थान के युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, आज उसी राज्य के लिए कांग्रेस पार्टी की राजनीति लोगों के मन में गहरी नाराजगी पैदा कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35 (ए) को हटाकर वहां अमन, समृद्धि और सुरक्षा की एक नई

इबारत लिखी है। कांग्रेस पार्टी अब पाक प्रायोजित और परिवारवादी पार्टियों के साथ गठजोड़ कर देश के मणि मुकुट को फिर से अशांत करने की कोशिश कर रही है।

शर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन कर वहां के युवाओं को गुमराह कर रही है, जिन्हें पहले ही परिवारवादी पार्टियों ने हाथ में एके-47 थमा दी थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस का इस तरह का समर्थन उसके देश विरोधी मंसूबों को बेनकाब करता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राजस्थान के लोगों के मन में इस गठबंधन के खिलाफ गहरी नाराजगी है, और यह भावना उन बलिदानों को ध्यान में रखते हुए है जो राजस्थान के युवाओं ने जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल करने के लिए दिए थे। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह एक तरफ तो दलितों के अधिकारों की बात करती है, वहीं दूसरी ओर अपने राजनीतिक लाभ के लिए उनके आरक्षण को खत्म करने की साजिश रच रही है।

इस अवसर पर मंच पर जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और भाजपा प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने मुख्यमंत्री के वक्तव्यों का समर्थन किया और कांग्रेस पार्टी की नीतियों की कड़ी आलोचना की।

मुख्यमंत्री के इस बयान से स्पष्ट है कि भाजपा कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को लेकर अपनी आक्रामक रणनीति पर कायम है, और आने वाले चुनावों में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी।

बेहाल सड़कें देख सीएम ने किया स्पेशल पैकेज देने का वादा

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक दिवसीय जोधपुर प्रवास कार्यक्रम के दौरान रविवार को रेल मार्ग से यहां पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा के नेतृत्व में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा जिला संगठन के नेतृत्व में डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज सभागार में पीएम नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मन की बात कार्यक्रम के पश्चात भाजपा जिला की ओर से आयोजित सदस्यता अभियान 2024 कार्यशाला में सीएम हिस्सा लेने पहुंचे।

पूर्व सीएम गहलोत पर साधा निशाना

यहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जोधपुर के रहने वाले हैं। ऐसे में मुझे लगा कि इस शहर को ज्यादा कुछ देने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन जैसे-जैसे सुझाव आए तो

मुझे ताज्जुब और अफसोस हुआ कि शहर की समस्या यथावत है। उन्होंने कहा कि जोधपुर शहर की सड़कें खराब हैं। इसे दुरुस्त करने के लिए स्पेशल पैकेज दिया जाएगा। भाजपा सरकार ने जो संकल्प पत्र में वादा किया, उसे पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ समझौता किया है। कई बार लोकतंत्र की हत्या की है, तुष्टिकरण के आधार पर राजनीति की है।

धर्म और भ्रष्टाचार के आधार पर राज किया है, लेकिन आने वाला समय आपका है। केंद्र में चौथी बार भी भाजपा की ही सरकार आएगी। सीएम ने कहा कि सरकारें जाते हुए ही जनता को कुछ देती हैं, लेकिन हमने तो आते ही देना शुरू कर दिया है।

एक कार्यकर्ता होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि राजस्थान नई ऊंचाइयों को छुए। इस कार्यशाला में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, मुकेश दाधीच, संभाग प्रभारी प्रमोद सामर, डॉ. महेन्द्र कुमावत मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश से टूट गया 19 साल का रेकॉर्ड

पांचना बांध से ढाई गुना छोड़ा गया पानी

करौली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अच्छे मानसून के चलते जिले का सबसे बड़ा पांचना बांध से पानी निकासी का 19 वर्ष का रेकॉर्ड भी टूट गया। विशेष बात यह है कि मानसून की मेहरबानी से न केवल पांचना बांध में हिलोरे उठी हैं, बल्कि भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान (घना) भी मुस्कुरा उठा।

कितनी है भराव क्षमता

वर्ष 2006 से अब तक आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष सात बार बांध से पानी की निकासी करनी पड़ी है। जल संसाधन विभाग करौली के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार पांचना बांध से अब तक 5272 एमसीएफटी पानी की निकासी गंभीर नदी में की जा चुकी है। विशेष बात यह है कि पांचना बांध की कुल भराव क्षमता 2100 एमसीएफटी पानी की है। यानि बांध की जितनी कुल भराव क्षमता है उससे ढाई गुना से

अधिक पानी की निकासी इस बार अब तक करनी पड़ी है। साथ ही अभी भी बांध का एक गेट खोलकर पानी की निकासी जारी है।

उटंगन नदी अफान पर

वहीं करौली क्षेत्र में जारी तेज बारिश से कैचमेंट एरिया में आ रहे पानी से एक बार फिर पार्वती बांध से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा गया है, जिससे एक बार फिर उटंगन नदी उफान पर चल रही है। इससे राजाखेड़ा क्षेत्र में भी नदी का जलस्तर खासा बढ़ गया है और मार्ग में आने वाली कई रपटों पर पानी दो फीट से भी ऊंचा तेज गति से बह रहा है। नादोली ओर डोंगरपुर गांव की रपट पर हफ्तेभर बाद ढाई फीट पानी की चादर चल रही है। कुछ ही दिन पूर्व इसी नदी के बहाव छेत्र में भगतो की थार के युवक बह गया था, जो 20 घंटों की तलाश के बाद सात किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश की सीमा में जाकर मिला।

भिवाड़ी के सारेकलां गांव में आतंकियों ने बना लिया था अपना ठिकाना, इंटेलीजेंस फेल

अलवर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के निकट मेवात क्षेत्र में देश विरोधी गतिविधियां पनप रही थी और स्थानीय पुलिस की कार्रवाई साइबर ठगों तक सीमित रही। आतंकियों ने चुपके से भिवाड़ी के सारेकलां गांव में अपना ट्रेनिंग सेंटर बना लिया। इस संवेदनशील मामले में स्थानीय पुलिस की इंटेलीजेंस पूरी तरह से फेल रही। आतंकियों का ऑपरेशन इतना गोपनीय रहा कि लोकल पुलिस को भनक तक नहीं लगी। बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर आतंकी इतने हथियार व गोला-बारूद लेकर यहां तक कैसे और किसकी मदद से पहुंचे? अब तक पुलिस ये पता नहीं लगा सकी।

खूब होते हैं संगीन अपराध

पुराने अलवर जिले की बात करें तो यहां की भौगोलिक परिस्थितियां अपराध के अनुकूल हैं। हरियाणा की सीमा यहां से सटी हैं तथा दिल्ली और उत्तरप्रदेश की सीमाएं भी नजदीक हैं। यहां मेवात क्षेत्र का काफी बड़ा हिस्सा है। जहां चोरी, लूट, डकैती, रंगदारी, साइबर फ्रॉड, गैंगवार और हत्या जैसे संगीन अपराध खूब हो रहे हैं। देश विरोधी गतिविधियां भी गोपनीय रूप से सक्रिय हैं। मेवात में साइबर ठगों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस की ओर से ऑपरेशन एंटी वायरस चलाया जा रहा है। ऑपरेशन के तहत दो महीनों में अकेले अलवर जिले में ही 100 से ज्यादा साइबर ठग दबोचे जा चुके हैं।

आतंक की फैक्ट्री खोली

अलवर, कोटपूतली- बहरोड़, खैरथल-तिजारा और भिवाड़ी पुलिस ठगों पर कार्रवाई तक सीमित रही और अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के आतंकी मॉड्यूल ने चौपानकी इलाके के सारेकलां गांव में अपना ठिकाना जमा लिया। इतना ही नहीं गांव के दुर्गम जंगल और पहाड़ों के बीच आतंक की फैक्ट्री खोल दी। जहां अन्य राज्यों से लोगों को लाकर हथियार, गोला-बारूद चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी और आतंकवाद के संबंधित किताबें पढ़ाई जा रही थी।

आतंकियों ने तीन हजार रुपए महीने पर दो रूम किराए पर लिए

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने चौपानकी इलाके के सारेकलां गांव में दबिश की कार्रवाई कर अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के आतंकी मॉड्यूल के छह आतंकियों को पकड़ा, जबकि एक आतंकी फरार हो गया। जानकारी के अनुसार इन आतंकियों ने सारेकलां गांव में 105 कमरों की एक बिल्डिंग में 3 हजार रुपए महीना में दो कमरे 83 व 84 नबर किराए पर लिए थे। आतंकियों ने दो महीने के लिए ये कमरे किराए पर लिए थे।

स्थानीय लोगों के अनुसार उन्होंने कभी इन लोगों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। ये दोनों कमरे अक्सर बंद रहते थे। आतंकी यहां एक-दो बार ही आए होंगे।

एसीबी भी हैरान, एक साथ रिश्वत लेने को हो गए तैयार

पकड़े जाने पर बोले यहां तो सभी लेते हैं

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जेडीए जोन -9 के छह अधिकारी और एक दलाल को एसीबी ने जिस काम के बदले रिश्वत लेते पकड़ा है, वह करीब एक साल से लंबित था। प्रशासन शहरों के संग अभियान में उसकी जमीन की 90-ए करने की हरी झंडी मिली गई थी। फाइल सभी स्तर पर 'ओके' होने के बाद भी रिश्वत के लिए जोन अधिकारियों ने मामला अटका दिया। इससे परेशान होकर जमीन मालिक एसीबी पहुंचा था। एसीबी पहुंचने के बाद उसने अधिकारियों से संपर्क कर रिश्वत का ऑफर दिया तो सभी राजी हो गए और बोले... आपकी फाइल हमारी तरफ से पॉजिटिव है। प्रशासन शहरों के संग अभियान में फाइल ओके होने पर जेडीए ने सार्वजनिक सूचना जारी करने का आदेश भी दे दिए थे। इसकी परिवादी को लिखित जानकारी भी दी। अन्य काम के लिए सार्वजनिक सूचना निकल गई, लेकिन परिवादी का मामला अटका रहा। मार्च माह में प्रशासन शहरों के संग अभियान खत्म हो गया। इसके बाद परिवादी तहसीलदार लक्ष्मीकांत व अन्य से मिला तो उसे कहा कि अब नियम बदल गए। प्रक्रिया दुबारा होगी। इसके साथ कई तरह की कानूनी अड़चन भी बता दी। जेडीए में पारदर्शिता के लिए ग्लास के केबिन बनाए गए हैं। सभी कर्मचारी बाहर गलियारे से साफ देखे जा सकते हैं। इसके बाद भी किसी को पकड़े जाने का डर नहीं है। एक-एक कर पांच अधिकारियों ने खुले में रिश्वत ले ली। एसीबी को इसका अनुमान न था कि एक साथ सब रिश्वत के लिए तैयार हो जाएंगे। स्थिति यह थी कि पकड़े जाते ही आरोपी बोले... यहां तो सभी लेते हैं।

परेशान परिवादी ने एसीबी को शिकायत की। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन शुरू किया। इस दौरान परिवादी ने अधिकारियों से बात की तो सब तैयार हो गए।

गर्दन में सरिया आर-पार होने से एसआई की मौके पर ही मौत

प्रतापगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ में हथुनिया इलाके में प्रतापगढ़-मंदसौर रोड पर हथुनिया चौकी के पास शुक्रवार रात को सडक हादसे में एसआई की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और एसआई के शव के साथ घायल को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। एसआई के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। वहीं, एसपी व अन्य अधिकारियों ने गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस ने बताया कि प्रतापगढ़ की रिजर्व पुलिस लाइन में डूंगरपुर जिले के कारखंडा गांव का सुभाष परमार सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है। वह अपने एक अन्य साथी को लेकर शुक्रवार रात को जीप से मंदसौर की ओर जा रहे थे। मचलना घाटी के समीप बीच सडक पर लोहे के सलियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी। जिससे जीप उसमें जा घुसी। जीप सवार सब इंस्पेक्टर परमार की गर्दन में सलिए घुस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जीप चालक भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे के बाद आस-पास के इलाके के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सूचना पर हथुनिया थाना प्रभारी इंद्रजीत परमार, पुलिस उपाधीक्षक हैरंब जोशी आदि भी मौके पर पहुंचे।

घायल को 108 एंबुलेंस की सहायता से तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बाद में मृतक सब इंस्पेक्टर के शव को भी जिला चिकित्सालय लाया गया। यहां पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। वहीं रिजर्व पुलिस लाइन में एसपी सहित सभी पुलिस अधिकारियों ने मृतक को श्रद्धांजलि दी। हादसे में मौत होने के बाद आज सुबह पुलिस लाइन में मृतक सब इंस्पेक्टर सुभाष परमार को एसपी लक्ष्मण दास सहित सभी पुलिस अधिकारियों ने मृतक को गॉर्ड ऑफ ऑनर देखर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ मृतक के परिजन भी मौजूद रहे।

अब पेट्रोल पंप पर वाहनों में तेल भरते नजर आएंगे जेल के कैदी, क्या है सरकार की योजना ?

झुंझुनू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार की ओर से एक अनोखी योजना को हरी झंडी दिखा दी गई है। इस योजना के तहत जेल परिसरों की जमीन पर पेट्रोल पंप खोले जाएंगे। वहीं, इन पंप पर तेल भरने का काम लंबी सजा काट रहे कैदियों को दिया जाएगा। इस मामले में जिला जेज प्रमोद कुमार ने कहा कि सरकार की तरफ से झुंझुनू जिला कारागृह परिसर में पेट्रोल- डीजल पंप खोलने के आदेश दिए गए हैं। जेल प्रशासन ने इस योजना को अमल करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है।

सरकार की तहफ से शुरू की गई इस योजना को साकार करने के लिए अब जेल परिसर में किस जगह पंप खोला जाएगा, इसके लिए जगह तलाशी जा रही है। जेल प्रशासन ऐसी जगह की तलाश में है, जहां सुरक्षा व्यवस्था में व्यवधान न आए और कार्य भी सुचारू रूप से होता रहे।

नए खुलने वाले पेट्रोल पंप पर तेल बेचने का कार्य उन कैदियों को सौंपा जाएगा, जो लंबे समय से जेल में सजा काट रहे हैं और लंबे समय तक जेल में रहने वाले हैं। चाल चलन चरित्र और सही ट्रैक रिकॉर्ड रखने वाले कैदियों को भी पेट्रोल पंप से जुड़े कार्य में लगाया जा सकता है। वहीं, पंप पर लागू होने वाले नियम कायदे जेल प्रशासन की तरफ से तय होकर आएंगे। हर एक कार्य नियमों के मुताबिक किया जाएगा। बताया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल पंप के प्रबंधन का कार्य जेल प्रशासन के जिम्मे होगा। वहीं, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि जेल में खुलने वाले पेट्रोल पंप में तेल कंपनियों की भागीदारी कितनी होगी।

भूखंड पर निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवाद

खूब चले पत्थर और हुई फायरिंग, 9 लोग गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के वार्ड नंबर 13 में प्लाट पर निर्माण को लेकर दो पक्षों में पत्थरबाजी हो गई। इस दौरान एक पक्ष ने फायर भी कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों के 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से एक कारतूस का खोल, एक देसी कट्टा और तीन कारतूस बरामद किए गए। सूचना पर एएसपी सुरेंद्र कुमार और डीएसपी अमरजीत चावला भी मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि शहर के वार्ड नंबर 13 में मोहल्ले वासियों द्वारा शुक्रवार को पट्टे शुदा प्लाट पर निर्माण कार्य रुकवाने की मांग जिला कलेक्टर से की थी। इसके बाद प्लाट निर्माण करने वाले पक्ष और मोहल्ले के कुछ लोगों में विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्ष एक दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे तथा निर्माण पक्ष के लोगों ने फायर कर दिया। एएसपी ने बताया कि दो माह पहले भी मोहल्लावासियों और निर्माण कार्य करने वालों को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पाबंद किया गया था।

युवक को बलात्कार के झूठे केस में फंसाकर मांगे सात लाख रुपए

झुंझुनू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। झुंझुनूं के पचेरी कलां में हनीट्रैप का मामला सामने आया है। एक युवक को बलात्कार के झूठे मामले में फंसाकर सात लाख रुपए मांगने के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ़्तार किया है। दोनों महिलाओं को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेजा दिया गया। थानाधिकारी राजपाल यादव ने बताया कि एक जने ने रिपोर्ट दी कि 15 दिन पहले उसके पास एक अनजान महिला का फोन आया। उसने अपना नाम तीजा

बताया था और कहा कि उसके पति शराब पीने के आदी हैं। महिला ने अपने लिए नौकरी देने की बात कही। नौकरी के लिए मना किया तो उसने कहा कि वह अपने पति को लेकर कल आ रही है। इसके बाद तीन-चार बार महिला ने उससे बात की। बाद में 19 अगस्त को एक महिला ने पचेरीकलां थाने में उसके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज करवा दिया। राजीनामा के नाम पर उससे सात लाख रुपए की मांग की गई। पीड़ित ने जब पैसे देने से इनकार कर दिया तो उसे जेल भिजवाने की धमकी दी गई तथा साढ़े तीन लाख रुपए में मामला निपटाने की बात कही। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने मामले की जांच की। जांच में पता चला कि रुपए मांगने वाली महिला तथा उसकी सहेली पहले भी झूठे मामले दर्ज करवा चुकी हैं।

सीएम ने मैराथन विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज गच्चीबावली स्टेडियम में मैराथन 2024 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद को एक बड़े खेल केंद्र के रूप में उभरना चाहिए। पिछली सरकार ने खेलों की पूरी तरह उपेक्षा की और ऐतिहासिक शहर हैदराबाद खेलों में कोई उपलब्धि हासिल नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

छात्रों को खेल को अपने जीवन भर के करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सभी को आश्वस्त करते हुए कि सरकार खेलों को उनका पुराना गौरव वापस दिलाएगी और गच्चीबावली को भी खेल गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। अगले ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के उद्देश्य से, सरकार अगले शैक्षणिक वर्ष में यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी शुरू करेगी। प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कोचों को नियुक्त करेगी और उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्री को बताया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार खेल स्टेडियम स्थापित करेगी ताकि हैदराबाद में ओलंपिक आयोजित किया जा सके। हम देश में खेलों के लिए तेलंगाना को एक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे।

भाजपा को सत्ता में लाने का प्रयास करें कार्यकर्ता : सत्य कुमार

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सत्य कुमार ने नेताओं और कार्यकर्ताओं से तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने और आगामी चुनावों में पार्टी को अपने दम पर राज्य में सत्ता में लाने के लिए अथक प्रयास करने का आह्वान किया है। उन्होंने रविवार को हैदराबाद में सोलंकी श्रीनिवास के आवास पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देखा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मंत्री सत्य कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर पर भाजपा को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को पार्टी सदस्यता पंजीकरण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति कर रहा है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कार्यकर्ता तेलंगाना में बीजेपी को सत्ता में लाने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहिए हैं और आने वाले दिनों में अलग तेलंगाना आंदोलन के सपने को साकार करना चाहिए। आज के मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलुगु भाषा की महत्ता और महत्व की सराहना की और तेलुगु में तेलुगु भाषा दिवस की बधाई दी। प्रधानमंत्री ने देश की प्रगति की राह में कुछ उपलब्धियों और अंतरिक्ष क्षेत्र में लाए गए कई क्रांतिकारी सुधारों का जिक्र किया और युवाओं से इनका उपयोग करने का आह्वान किया। सत्यकुमार यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री की बातों और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का अनुरोध किया।

सड़क हादसे में दो की मौत

संगारेड्डी, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक भीषण सड़क दुर्घटना में रविवार को दो बाइक सवारों की मौत हो गई। निजामपेट में राष्ट्रीय राजमार्ग 161 पर सामने से आ रहे एक लॉरी से एक बाइक टकरा गई, जिससे दो व्यक्तियों की मौत हो गई। पीड़ितों में कांगटी मंडल के भीमरा निवासी सुनील (25) और कामारेड्डी जिले के निवासी श्रीनिवास (27) शामिल हैं। वे गलत रास्ते से जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ। सुनील की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि श्रीनिवास ने कुछ घंटों बाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

विद्यार्थी गीता के उपदेश को जीवन में उतारें

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति दिन श्रीमद्भागवत गीता का एक पाठ अवश्य पढ़ना चाहिए, ताकि वे उसे अपने जीवन में उतार कर गीता के अनुसार ही जीने का प्रयास करें। उक्त बातें सालीटेर स्कूल अमीरपेट के तत्वावधान में कालेज की प्राचार्य दीपिका ने कही। उन्होंने श्रीमद्भागवत और भगवान श्रीकृष्ण की विशेषताओं का वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे भगवान कृष्ण के बताए मार्ग पर चलें तो जीवन में कभी कोई बाधा सामने नहीं आएगी। कॉलेज में आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव पर छात्रों को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में दही हांडी फोड़ा, भगवद्गीता के श्लोक भी सुनाया। श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए गरबा नृत्य भी किया। समारोह में हिन्दी प्राध्यापक जगदीश सोबले, कंप्यूटर शिक्षक किशोर, रीब्बा, कासिफ, देबार्ती गीता, सपना, ऐजाज आदि उपस्थित थे।

सीरवी समाज शमशाबाद का बीज महोत्सव 5 सितंबर को

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित श्री आईमाता मंदिर (बडेर) में सिरवी समाज बन्धुओं का दो दिवसीय कार्यक्रम 4 सितंबर हो होगा। 5 सितंबर को प्रातः वेला में विशेष पूजा-अर्चना व महाप्रसादी आयोजित किया जायेगा।

अध्यक्ष आशाराम गहलोत, सचिव भोलाराम पंवार ने बताया कि 4 सितंबर प्रातः वेला में श्रीआईमाता जी का विशेष श्रृंगारकर रात्रि 9.11 बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें भजन कलाकार- माणक चन्द द्वारा भजन प्रस्तुत किया जाएगा। महिला मंडल द्वारा हरजस 8:00 से 9:00 बजे तक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले को अपना नाम 29 अगस्त तक महिला मंडल सचिव भारती परिहारिया को भेज दें। गणेश वंदना एवं आईमाता जी पुजा-अर्चना श्री आईमाताजी की पूर्ण आरती 5 सितंबर प्रातः 9.15 बजे ज्योत प्रज्वलित कर किया जाएगा। अध्यक्ष आशाराम गहलोत की अध्यक्षता में मुख्य अतिथियों का स्वागत, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार द्वारा आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। सचिव भोलाराम पंवार समाज में किये गये विकासशील कार्यो का विवरण देंगे।

रेल राज्य मंत्री ने मंडल अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेल राज्य व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रवनीत सिंह ने मंडल रेल प्रबंधक सम्मेलन कक्ष, नांदेड़ में दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के कार्य निष्पादन की समीक्षा की। बैठक में नीरज अग्रवाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, बी. नाग्या, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, नीति सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, नांदेड़ मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने रेल परिचालन की सुरक्षा बनाए रखने तथा नई लाइनों, मौजूदा लाइनों के दोहरीकरण, विद्युतीकरण, सड़क ओवर ब्रिज/सड़क अंडर ब्रिज के निर्माण, स्टेशन विकास, यात्री सुविधाओं के प्रावधान आदि से संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति में मंडल अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

हाइड्रा ने टॉलीवुड में हलचल मचा दी तेलुगु सिनेमा के दिग्गज एकत्रित हुए

हाइड्रा अधिकारियों ने टॉलीवुड अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन के एन कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त कर दिया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पांस एंड एसेट्स प्रोटेक्शन एजेंसी द्वारा शनिवार को टॉलीवुड स्टार अक्किनेनी नागार्जुन के माधापुर स्थित एन कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त करने के पीछे क्या कोई बड़ी साजिश है? टॉलीवुड को झकझोरने के अलावा, इस कदम से इंडस्ट्री के बड़े-बड़े लोग भी अभिनेता के समर्थन में एकजुट हो गए हैं। हाइड्रा ने इस संरचना को यह कहते हुए गिरा दिया था कि यह अवैध थी तथा इसने तुम्मादिकुंटा झील के एक बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। हाइड्रा अधिकारियों ने माधापुर में अभिनेता नागार्जुन के 'एन कन्वेंशन' को ध्वस्त कर दो दिया। यह तो सिक्के का एक पहलू है, लेकिन दूसरा पहलू कुछ सवाल भी खड़े करता है। एन कन्वेंशन के ध्वस्त होने के बाद पता चला है कि टॉलीवुड के कुछ दिग्गजों के बीच इस पर चर्चा हुई है। कहा जाता है कि उन्होंने कई कारकों पर चर्चा की, जिसमें मौजूदा स्थिति को संभालने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के अलावा भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करना भी शामिल है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि हालांकि बाहरी तौर पर, विध्वंस को राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह उद्योग के दिग्गजों को अन्य योजनाओं, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश के लिए, पर विचार करने के लिए दबाव बनाने की एक रणनीति भी है। याद रहे कि चंद्रबाबू नायुडू सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के पास अनंतवरम में मीडिया सिटी के लिए 5,000 एकड़ से ज्यादा जमीन निर्धारित की थी। इसके अलावा, अलग-अलग स्टूडियो स्थापित करने के लिए 20 से 30 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी।

हाल ही में, वरिष्ठ फिल्म निर्माताओं की एक टीम ने विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से मुलाकात की थी, जब वे सत्ता में आए थे।

अल्लू अरविंद, सी अश्विनी दत्त और एएम रत्नम जैसे प्रमुख निर्माताओं के अलावा, कुछ अन्य लोगों ने भी बैठक में भाग लिया, जिसके दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण लागत को कम करने, वितरण में सुधार करने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, आंध्र प्रदेश में फिल्म उद्योग को और समृद्ध बनाने में मदद करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अपनाए जाने वाले उपायों पर चर्चा की। इससे पहले भी पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने यहां के अभिनेताओं, निर्माताओं और निर्देशकों को आंध्र प्रदेश में बसने के लिए कुछ खुले प्रस्ताव दिए थे। उन्होंने विशाखापत्तनम और अन्य स्थानों पर फिल्म स्टूडियो स्थापित करने के लिए भूमि आवंटित करने का भी आश्वासन दिया था। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि एन कन्वेंशन के विध्वंस के बाद चर्चाएं इन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित थीं या नहीं, लेकिन संकेत हैं कि एपी एक महत्वपूर्ण विषय था। इस बीच, यह भी पता चला है कि कुछ लोगों ने गद्दर पुरस्कारों पर भी आपत्ति जताई है, उनका कहना है कि उनका फिल्मों से कोई संबंध नहीं है। रेवंत रेड्डी सरकार ने दिग्गज फिल्म निर्माता बी नरसिंह राव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी, जबकि निर्माता दिल राजू को उपाध्यक्ष बनाया गया था। फिल्म उद्योग में उपलब्धि हासिल करने वालों को दिए जाने वाले गद्दार पुरस्कारों के लिए दिशा-निर्देश, नियम और विनियम तथा लोगो तैयार करने के लिए समिति का गठन किया गया है। पता चला है कि टॉलीवुड में कई लोगों को यह पसंद नहीं आया है।

परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मासाब टैंक में महाकाली बोनालु समारोह में भाग लिया। मंत्री ने मंदिर में देवी की विशेष पूजा की।

सीरवी समाज की नई कार्यकारिणी गठित

मोहनलाल हाम्बड़ बने अध्यक्ष

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर हॉल में सीरवी समाज तेलंगाना की आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव प्रक्रिया के तहत 25 अगस्त 36 एरिया मेम्बरों द्वारा सीरवी समाज, सीरवी शिक्षा समिति व महिला

मंडल के पदाधिकारियों का गठन किया गया।

विज्ञप्ति में सचिव किशनसिंह राठोड़ ने बताया कि सीरवी समाज तेलंगाना की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसहमति से चुनाव प्रक्रिया के तहत किया गया। चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी मल्लाराम सेपटा एवं बाबुलाल मुलैवा व सहायक सीए जसाराम वर्फा को दी गयी। सर्वसहमति से चुने गये पदाधिकारियों में सीरवी समाज नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष-1 मूलाराम चोयल, उपाध्यक्ष-2 रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हीरालाल खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, शिक्षा समिति नवनिर्वाचित अध्यक्ष लाबुराम पंवार, उपाध्यक्ष-1 मांगीलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष-2 वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश परिहार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल नवनिर्वाचित अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्षा-1 इन्द्रादेवी आगलेचा, उपाध्यक्षा-2 अनितादेवी चोयल, सचिव निर्मला देवड़ा, सहसचिव कविता सोलंकी, कोषाध्यक्षा नीलु लचेटा प्रमुख रूप से रहे।

तीनों कमिटियों एवं सभी एरिया मेम्बरों को प्रमाण पत्र प्रदानकर एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने पर चुनाव अधिकारियों का पुष्प-मालाओं से विशेष सम्मान किया गया। सर्वसहमति से अध्यक्ष चुने जाने पर मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पंवार व सुशीला देवड़ा ने समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज के विकास के लिए वे हर सम्भव प्रयास करेंगे। अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़ ने चुनाव प्रक्रिया में समाज बन्धुओं द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से सहयोग करने के लिए आभार प्रकट किया। मंच का संचालन करते हुए सचिव किशनसिंह राठौड़ ने बताया कि आगामी कार्यकाल के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को भादवा सुदी दूज 5 सितंबर को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाकर वर्तमान पदाधिकारियों को विदाई देते हुए कार्यभार सौंपा जाएगा। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

कुकटपल्ली स्थित शिवालयम में स्व.श्रीमती मानोदेवी की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए रामगोपाल चौधरी, शम्भु, गिरिजेश चौधरी, सौरभसिंह, नरेन्द्रसिंह, रविशकुमार, अनिलकुमार, कृष्णानन्द, गजेन्द्रसिंह, लक्ष्मणसिंह, सोहनसिंह, नारायणसिंह निमाज, बीरबलसिंह व समाज बन्धु।

कलेक्टर ने डीपीआरओ के खिलाफ जांच के आदेश दिए

वारंगल, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर सत्य शारदा ने रविवार को जिला जनसंपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) मोहम्मद अयूब अली के खिलाफ एक महिला सहायक जनसंपर्क अधिकारी (एपीआरओ) के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में जांच का आदेश दिया। अखिल भारतीय अंबेडकर युवजन संगम (एआईएवाईएस) के राज्य महासचिव टी संदीप द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर कलेक्टर ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने सहायक कलेक्टर को जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। संदीप ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान डीपीआरओ ने महिला एपीआरओ का अपमान किया तथा वरिष्ठ अधिकारियों के सामने उनके खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने कलेक्टर से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। एपीआरओ ने बताया कि 15 अगस्त को जब वह राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के भाषण की कॉपी के बारे में पूछताछ करने के लिए डीपीआरओ

टीएयूके ने लंदन "इंडिया डे" समारोह में तेलंगाना का प्रदर्शन किया

टीएयूके स्टाल का उद्घाटन टीएसएफडीसी के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम ने किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर भारतीय उच्चायोग और भारतीय सामुदायिक संगठनों ने लंदन में भारत दिवस मनाया। तेलंगाना एसोसिएशन ऑफ यूनाइटेड किंगडम (टीएयूके) ने इस कार्यक्रम में एक अलग स्टॉल स्थापित करके तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम की शुरुआत उच्चायुक्त विक्रम दोराई स्वामी ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर किया। इसके बाद राष्ट्रगान गाया और फिर सभा को संबोधित किया। बाद में तेलंगाना राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले टीएयूके स्टॉल का उद्घाटन तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष और टीएयूके संस्थापक अनिल कुर्माचलम ने किया। इस दिन को सफल बनाने के लिए ब्रिटेन के सभी हिस्सों से हजारों भारतीय समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए। सामुदायिक संगठनों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों के व्यंजनों की पेशकश करने वाले लगभग 70 स्टॉल लगाए और भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का एक समृद्ध प्रदर्शन किया। टीएयूके स्टॉल भीड़ के लिए एक विशेष आकर्षण था क्योंकि यह तेलंगाना राज्य के इतिहास, संस्कृति, पर्यटन, विकास, तेलंगाना सरकार की उपलब्धियों से मिलता जुलता था। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराई स्वामी और ब्रिटिश पूर्व सांसद वीरेंद्र शर्मा ने "तेलंगाना स्टॉल" का दौरा किया और वैश्विक मंच पर तेलंगाना के विपणन में उनके प्रयासों के लिए टीएयूके सदस्यों की सराहना की, उन्होंने यह भी कहा कि यह दूसरों के लिए बहुत प्रेरणादायक है। तेलंगाना एनआरआई ने विशेष तेलंगाना स्टॉल का दौरा किया और उसकी सराहना की, साथ ही बताया कि तेलंगाना स्टॉल सुंदर है और तेलंगाना जैसा दिखता है। सचिव रवि रेटिनेनी ने कहा, स्टॉल पर आए सभी मेहमानों को हैदराबाद की विशेष बिरयानी परोसी गई और भारी प्रतिक्रिया ने हमें वैश्विक मंच पर तेलंगाना को बढ़ावा देने के लिए ऐसी कई और गतिविधियां करने के लिए प्रोत्साहित किया है।टीएयूके के महासचिव सुरेश बुडागम ने 78 वें भारत स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर भारत दिवस समारोह में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने के इस अवसर के लिए उच्चायोग को धन्यवाद दिया। टीएयूके के वरिष्ठ नेता नवीन रेड्डी ने कहा, टीएयूके 78 वें भारत स्वतंत्रता दिवस समारोह में पूरे तेलुगु समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र संगठन है। कार्यक्रम में में शामिल होने वालों में टीएयूके नेता और सदस्य सत्य चिलुमुला, सुरेश बुडागम, वेंकट रेड्डी डोनटूला, रवि रेटिनेनी, स्वाति, नवीन रेड्डी, रवि पुलुसु और क्रांति शामिल थे।

परिवारवादी राजनीति नई प्रतिभाओं का दमन करती है : पीएम

मन की बात के 113वें एपिसोड : बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड के युवा नेताओं से लोकतंत्र मजबूत होगा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह मन की बात के 113वें एपिसोड में कहा, परिवारवादी राजनीति नई प्रतिभाओं को दमन करती है। बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले युवाओं का राजनीति में आने से लोकतंत्र मजबूत होगा।

मैंने इस साल लालकिले से बिना पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले 1 लाख लोगों को पॉलिटिकल सिस्टम से जुड़ने की बात कही थी। इससे पता चला कि हमारे युवा राजनीति में आना चाहते हैं, लेकिन उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है। परिवारवादी राजनीति के अलावा मोदी ने तिरंगा अभियान, बच्चों में न्यूट्रिशन को लेकर जागरूकता जैसे 5 बड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्रों से स्पेस सेक्टर में स्टार्टअप को लेकर भी बात की।

पीएम मोदी ने कहा, इस 23 अगस्त को ही हम सब देशवासियों ने पहला नेशनल स्पेस डे मनाया। पिछले वर्ष इसी दिन चंद्रयान-3 ने चांद के दक्षिणी हिस्से में शिव-शक्ति पॉइंट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। भारत इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बना।

मोदी ने गैलेक्सी-आई स्टार्टअप खड़ा करने वाले आईआईटी मद्रास के स्टूडेंट से भी चर्चा की। स्टूडेंट ने स्टार्टअप शुरू करने की कहानी पीएम को बताई। स्टूडेंट ने कहा, हम लोग हाईपरलूप प्रोजेक्ट को लेकर एक साथ आए। हमने एक टीम बनाई, जिसका नाम अविष्कार हाईपरलूप रखा गया। स्टूडेंट ने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर हम अमेरिका भी गए थे। स्टूडेंट ने बताया कि आने वाले समय में स्पेस सेक्टर को लेकर कई चीजें होने वाली हैं। अगले साल हम अपना सैटेलाइट स्पेस में भेजेंगे। इसमें हमारे स्टार्टअप ने भी कुछ काम किया है।

'हर घर तिरंगा और पूरा देश तिरंगा' अभियान सफल रहा। देश के कोने-कोने से इस अभियान से जुड़ी अद्भुत तस्वीरें सामने आईं। घरों, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी में हमने तिरंगा देखा। इस अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। यही 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' है।

अरुणाचल में युवा-साथियों ने 3-डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करना शुरू किया है। क्योंकि वो, वन्य जीवों को सींगों और दांतों के लिए शिकार होने से बचाना चाहते हैं। नाबम बापू और लिखा नाना के नेतृत्व में ये टीम जानवरों के अलग-अलग हिस्सों की 3-डी प्रिंटिंग करती है।

हमने 19 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया। उसी दिन पूरी दुनिया में 'विश्व संस्कृत दिवस' भी मनाया। आज देश-विदेश में संस्कृत के प्रति लोगों का विशेष लगाव दिखता है। दुनिया के कई देशों में संस्कृत भाषा को लेकर तरह-तरह की रिसर्च और प्रयोग हो रहे हैं।

हर साल 1 सितंबर से 30 सितंबर के बीच बच्चों के न्यूट्रिशन के लिए पोषण माह मनाया जाता है। जागरूकता बढ़ाने के लिए एनीमिया कैंप लगते हैं। आंगनवाड़ी के तहत मदर एंड चाइल्ड कमेटी की स्थापना की गई है। पिछले साल इस अभियान को नई शिक्षा नीति से भी जोड़ा गया।

मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकॉस्ट किया जाता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दिल्ली कैपिटल्स के कोच बन सकते हैं युवराज सिंह

आईपीएल फ्रेंचाइजी ने पोंटिंग का साथ छोड़ा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल-2025 के लिए इस बार मेगा ऑक्शन कराने की तैयारी है। इससे टीमों में बड़ी संख्या में फेरबदल देखने को मिलेगा। आईपीएल की फ्रेंचाइजी इस मेगा ऑक्शन से पहले ही अपनी टीम के कप्तान व कोच की भूमिका को लेकर मंथन करने में जुटी हुई है। इस बीच युवराज सिंह को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

युवराज सिंह की हो सकती है दिल्ली में एंट्री

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स ने टीम की कोचिंग की भूमिका के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह से संपर्क किया है। पिछले महीने की शुरुआत में ही दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ अपने सात साल के अनुबंध को खत्म कर लिया था। स्पोर्टस्टार की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली कैपिटल्स पिछले 3 सत्रों में से किसी में भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी और 2024 में वो 6वें स्थान पर रही थी, इसलिए अब फ्रेंचाइजी रिकी पोंटिंग के बजाय युवराज सिंह को टीम के साथ जोड़ने की तैयारी में है।

इससे पहले न्यूज-18 ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि गुजरात टाइटन्स के हेड कोच आशीष नेहरा और क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी आईपीएल-2025 से पहले टीम का साथ छोड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स का मुख्य कोच युवराज सिंह को बनाना चाहती है। लेकिन अब ऐसी चर्चा है कि आशीष नेहरा पहले की तरह ही गुजरात टाइटन्स की टीम से जुड़े रहेंगे।

पहली बार निभाएंगे कोच की जिम्मेदारी

दिल्ली कैपिटल्स अगर युवराज सिंह को टीम का मुख्य कोच बनाती है तो ये युवराज सिंह के लिए पहला अनुभव होगा। अब तक उन्होंने बतौर कोच कभी भी काम नहीं किया है, हालांकि युवराज सिंह ने पिछले कुछ सालों में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी है। इन खिलाड़ियों में इस ट्रेनिंग के बाद अप्रत्याशित सुधार भी देखने को मिला है। जिसमें युवराज सिंह की बड़ी भूमिका रही है।

खराब प्रदर्शन के चलते रिकी पोंटिंग से तोड़ा नाता

दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग को 2018 में टीम के साथ जोड़ा था। पहले कार्यकाल में टीम अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर रही थी। इसके बाद 2019, 2020 व 2021 के संस्करण में लगातार तीन बार टीम प्लेऑफ तक पहुंची। 2020 में टीम ने फाइनल मैच भी खेला था। हालांकि टीम खिताब नहीं जीत पाई थी। 2021 के बाद टीम अब तक प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

गांगुली की भी चल रही थी चर्चा

एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली भी टीम के मुख्य कोच बनाए जा सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने इस भूमिका को निभाने की इच्छा भी जताई थी। हालांकि, बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स की सहयोगी फ्रेंचाइजी दुबई कैपिटल्स और प्रिटोरिया कैपिटल्स की भी देखरेख करते हैं, ऐसे में सौरव गांगुली को दोहरी भूमिका नहीं दी जाएगी।

वर्ल्ड चैंपियन इंडियन विमेंस रेसलिंग टीम जॉर्डन में फंसी

एसएआई ने कोच-खिलाड़ियों की अलग-अलग फ्लाइट में टिकट कराई थी, टीम ने 5 गोल्ड जीते

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतकर लौट रहीं भारत की अंडर-17 विमेंस रेसलिंग टीम जॉर्डन के अम्मान एयरपोर्ट पर फंस गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि रेसलर्स की फ्लाइट छूट गई है। क्योंकि, भारतीय खेल प्राधिकरण ने खिलाड़ियों और कोच की टिकट अलग-अलग एयरवेज में बुक की थी।

इस टीम ने 5 गोल्ड, एक सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज सहित कुल 8 मेडल जीतकर टीम चैंपियनशिप जीती है। इस मामले में अभी तक एसएआई का ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

मिली जानकारी के अनुसार, 9 महिला पहलवानों और 3 कोच भारत वापस लौटना था, लेकिन उनकी टिकट अलग-अलग उड़ानों में बुकिंग हो गई थी। कोच जय भगवान, शिल्पी श्योराण और रेखा रानी को दुबई में रुकने वाली एमिरेट्स उड़ान में सवार होना था, जबकि युवा पहलवानों की बुकिंग

कतर एयरवेज में हुई थी।

कोच की उड़ान (ईके904) को शाम 6:10 बजे अम्मान से रवाना होना था और रात 10:10 बजे दुबई पहुंचना था। वहां से उन्हें सुबह 3:55 बजे दूसरे विमान में सवार होकर सुबह 9:05 बजे दिल्ली आना था। वहीं, पहलवानों की उड़ान (क्यूआर401) को रात 8:30 बजे रवाना होकर रात 11:10 बजे दोहा पहुंचना था, लेकिन यह फ्लाइट शाम 6:18 बजे ही रवाना हो गई। यह क्लियर नहीं है कि उड़ान का समय बदला या नहीं।

एसएआई ने एक दिन पहले इस पोस्ट में लिखा था- 'भारतीय रेसलिंग का भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं।' लेकिन एसएआई और डब्ल्यूएफआई की लापरवाही के कारण जॉर्डर में 17 साल से कम उम्र की लड़कियों के फंसने के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारतीय रेसलर्स सेफ हैंड में हैं?

खिलाड़ियों को वापस लाने में जुटा डब्ल्यूएफआई

टीम से जुड़े सूत्र ने कहा कि कम से कम एक कोच को युवा पहलवानों के साथ जाना चाहिए था। अब उन्हें पहली उपलब्ध उड़ान से लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि पहलवानों को पहली उपलब्ध उड़ान से स्वदेश वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

क्या जल्द ही नीरज चोपड़ा फेंकने वाले हैं 93 मीटर का थ्रो?

देवेंद्र झाझरिया ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अपने प्रदर्शन से वर्षों से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। नीरज भारत के एकमात्र ऐसे एथलीट हैं जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक जीता है। हालांकि, एक ऐसी चीज है जो नीरज अब तक नहीं कर सकते हैं और वो 90 मीटर का थ्रो फेंकना है। नीरज कई बार कह चुके हैं कि ये ऐसी चीज है जो उनके दिमाग में रहती है, लेकिन इसे लेकर वह दबाव नहीं बनाना चाहते हैं। वहीं, दिग्गज पैरा एथलीट देवेंद्र झाझरिया का मानना है कि नीरज के लिए 90 मीटर दूर भाला फेंकना बस समय की बात है। झाझरिया ने भविष्यवाणी की है कि नीरज एक या दो साल में 93 मीटर दूर भाला फेंक सकते हैं। नीरज ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता था। उन्होंने गुरुवार को फिर से लुसाने डायमंड लीग में

89.49 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। झाझरिया खुद पैरा भाला फेंक के दिग्गज हैं और जिन्होंने एफ46 श्रेणी में दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि जब नीरज 90 मीटर की बाधा को पार करेंगे तो वह इसे बड़े अंतर से पार करेंगे जिसमें वह तीन से चार मीटर से आगे होंगे।

'नीरज के लिए 89 मीटर बैरियर बन गया है'

झाझरिया ने कहा, अगर मैं भाला फेंक की भाषा में कहूं तो 89 से अधिक मीटर इस वक्त नीरज के लिए एक बैरियर बन गया है। मैंने अपने 20 साल के खेल करियर में देखा है कि जब कोई बैरियर टूटता है तो वह महज एक मीटर या उससे कम से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर से टूटता है। जब नीरज ऐसा करेंगे तो वह सिर्फ 90 मीटर से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर दूर तक भाला फेंकेगे। मेरे शब्दों को याद रखना।

मार्च में भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष चुने गए झाझरिया ने कहा, उम्र उनके पक्ष में है, 26 साल कोई उम्र नहीं है और मुझे उम्मीद है कि जब वह 28 या 29 साल के होंगे तब वह अपने शिखर पर होंगे। तब तक वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। वह बहुत अनुशासित और बहुत समर्पित हैं। मैंने यह तब देखा है जब हमने 2022 में फिनलैंड में साथ में ट्रेनिंग की थी।

पेरिस में अब गोल्ड मेडल जीतकर लाएगा भारत

ओलंपिक के दर्द को दूर करने की होगी कोशिश

पेरिस, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक-2024 का सफर भारत के लिए निराशाजनक रहा। भारत ने इस टूर्नामेंट में 1 सिल्वर समेत कुल 6 मेडल ही जीते थे। जबकि उम्मीद की जा रही थी कि इस बार भारत 10 से अधिक पदक जीतेगा। इस टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब भारत को पेरिस पैरालंपिक्स गेम्स से बड़ी उम्मीदें हैं, जहां भारत इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है।

पेरिस ओलंपिक-2024 का संस्करण भारत के लिए निराशाजनक रहा। भारत ने इस टूर्नामेंट में 1 सिल्वर सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए थे। भारत का कोई भी एथलीट इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल नहीं जीत सका था। इस टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद एक बार फिर पेरिस में भारत अपनी चुनौती पेश करने जा रहा है। भारत 28 अगस्त से शुरू होने जा रहे पेरिस पैरालंपिक्स-2024 में पेरिस ओलंपिक के दर्द को दूर करने की

कोशिश करेगा। इस टूर्नामेंट में उम्मीद की जा रही है कि भारत अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा।

12 खेल स्पर्धा में हिस्सा लेगा भारत

भारत पेरिस पैरालंपिक्स गेम्स में इस बार अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है। भारत ने पेरिस पैरालंपिक्स के लिए कुल 84 एथलीट्स के नाम का ऐलान किया है। इसमें 32 महिला एथलीट्स भी शामिल हैं। भारत इस टूर्नामेंट में पैरा-साइक्लिंग, पैरा-रोइंग और ब्लाइंड जूडो सहित कुल 12 खेल स्पर्धा में हिस्सा ले रहा है।

पैरालंपिक्स गेम्स में कैसा रहा है भारत का इतिहास

पैरालंपिक्स गेम्स में भारत ने पहली बार तेल अवीव पैरालंपिक्स-1968 में हिस्सा लिया था। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत से कुल 10 एथलीट्स तेल अवीव पहुंचे थे। इनमें 8 पुरुष और 2 महिला एथलीट शामिल थीं। हालांकि, भारत इस टूर्नामेंट में कोई भी पदक नहीं जीत सका था।

यहां जीता पहला पदक

भारत ने पैरालंपिक्स गेम्स में अपना पहला पदक जर्मनी पैरालंपिक्स-1972 में जीता था। इस टूर्नामेंट में पैरा-तैराक मुरलीकांत पेटकर ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 37.331 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड समय दर्ज करते हुए ये मेडल अपने नाम किया था।

अब तक कैसा रहा है सफर

1972 में अपना पहला स्वर्ण जीतने के बाद भारत ने 1976 और 1980 के टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था।

इसके बाद 1984 के पैरालंपिक्स गेम्स में जोगिंदर सिंह बेदी ने तीन अलग-अलग खेल स्पर्धा में पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद 2004 के एथेंस पैरालंपिक्स गेम्स में देवेंद्र झाझरिया ने पुरुषों की भाला फेंक की स्पर्धा में स्वर्ण, राजिंदर सिंह राहेलू ने 56 किलोग्राम वर्ग की पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। रियो पैरालंपिक्स गेम्स-2016 में भारत ने 4 पदक जीते। इसमें पहली बार महिला एथलीट ने भारत के लिए पदक जीता। ये पदक दीपा मलिक ने शूटिंग में जीता था।

टोक्यो में किया था शानदार प्रदर्शन

भारत ने अब तक सबसे अच्छा प्रदर्शन पिछली बार यानी कि टोक्यो पैरालंपिक्स-2020 में किया था। इस टूर्नामेंट में भारत ने 5 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 19 मेडल जीते थे। टोक्यो पैरालंपिक्स में भारत की ओर से 54 एथलीट हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। जबकि इस बार भारत कुल 84 एथलीट्स को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भेज रहा है। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि भारत इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा।

शिखर धवन के संन्यास पर विराट कोहली हुए इमोशनल

मुंबई, , 25 अगस्त (एजेंसियां)। विराट कोहली और शिखर धवन ने काफी समय तक टीम इंडिया के लिए साथ में खेला. दोनों ही खिलाड़ी अच्छे दोस्त भी हैं. इन दोनों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को कई मैच जिताए. धवन ने शुक्रवार 24 अगस्त को ही इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था. इसके बाद सचिन तेंदुलकर समेत कई क्रिकेटर्स ने उनके रिटायरमेंट पर रिएक्ट किया था. अब टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज और धवन के दोस्त कोहली ने भी उनके लिए एक भावुक पोस्ट लिखा है. इस पोस्ट में उन्होंने धवन की तारीफ करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं. विराट कोहली ने अपनी पोस्ट में उनकी जमकर तारीफ की है. उन्होंने धवन के डेब्यू को फीयरलेस

मतलब निडर बताया और उन्हें भारत का सबसे भरोसेमंद ओपनर भी कहा. विराट ने उनके साथ टीम इंडिया में बिताए अच्छे पलों को याद करते हुए कहा कि "आपने बहुत सारी यादें दी हैं, जिन्हें संजो कर रखा जाएगा. आपका पैशन, आपकी खेल भावना और आपकी ट्रेडमार्क मुस्कान को मिस करेंगे, लेकिन आपकी लिगेसी हमेशा रहेगी." धवन ने भी संन्यास की घोषणा के बाद अपने इंटरव्यू में पुराने दिनों को याद किया. इस दौरान उन्होंने विराट कोहली को सबसे फनी बताया. धवन ने कहा कि वो विराट के साथ बचपन से ही क्रिकेट खेलते रहे हैं और दोनों की बहुत ही अच्छी दोस्ती है. आईपीएल के दौरान कई बार विराट उन्हें जान-बूझकर मजाक में परेशान करते थे.

2013 से 2019 तक धवन ने रोहित और विराट के साथ मिलकर टीम इंडिया के 100 शतक जड़ दिए थे. टीम इंडिया में ये उनके सुनहरे दिन थे. विराट कोहली और शिखर धवन लंबे समय तक भारतीय टीम का मजबूत स्तंभ बने रहे. 2010 में धवन की डेब्यू के बाद दोनों ने साथ में 221 इंटरनेशनल मुकाबले खेले. इस दौरान दोनों ने टीम के लिए 20 हजार से ज्यादा रन बनाए.

9 विकेट लेकर मचाया हड़कंप, टीम को जिताया टी20 मैच

भारतीय क्रिकेट में आया एक और प्रभाकर

बेंगलुरू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। 90 के दशक में मनोज प्रभाकर टीम इंडिया के स्ट्राइक गेंदबाज थे. और, अब एक और प्रभाकर ने भारतीय क्रिकेट में दस्तक दे दी है. 25 साल के अभिषेक प्रभाकर ने 9 विकेट लेकर महाराजा टी20 ट्रॉफी में खलबली मचा दी है. वो अपनी टीम के लिए हीरो साबित हो रहे हैं. और, ये सब उनकी गेंदबाजी के कमाल की बदौलत मुमकिन हो रहा है. अभिषेक प्रभाकर ने महाराजा टी20 ट्रॉफी में 9 विकेट लेने के 75 रन खर्च किए हैं.

अब आप सोच रहे होंगे कि 20 ओवर का टी20 मैच, जिसमें हरेक गेंदबाज के कोटे में सिर्फ 4 ओवर होता है. ऐसे में अभिषेक प्रभाकर के लिए 9 विकेट ले पाना मुमकिन हुआ कैसे? तो अभिषेक प्रभाकर ने 9 विकेट एक मैच में नहीं बल्कि 4 दिन के अंदर खेले 3 मैचों को मिलाकर हासिल किए हैं. और, जिसमें उनका बेस्ट प्रदर्शन 4 ओवर में 21 रन पर 5 विकेट झटकने का

है. अभिषेक प्रभाकर ने ये मैच 24 अगस्त की शाम मैसुरू वॉरियर्स के खिलाफ खेला था.

अभिषेक प्रभाकर की कहर बरपाती गेंदबाजी की बदौलत उनकी टीम गुलबर्ग मिस्टिक्स ने 7 गेंद पहले ही मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया. मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मैसुरू वॉरियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 154 रन बनाए. मैसुरू वॉरियर्स के 9 में से 5 विकेट अकेले अभिषेक प्रभाकर ने लिए, जिसके बाद उनकी टीम गुलबर्ग मिस्टिक्स ने 155 रन के लक्ष्य को 18.5 ओवर में ही 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया.

24 अगस्त को मैसुरू वॉरियर्स के खिलाफ झटके 5 विकेट से पहले अभिषेक प्रभाकर ने 23 अगस्त को मैंगलोर ड्रैगन्स के खिलाफ 1 विकेट और 21 अगस्त को शिवामोगा लायंस के खिलाफ 3 विकेट झटके थे. इसमें शिवामोगा और मैसुरू के खिलाफ मैच में अभिषेक प्रभाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने. इस तरह महाराजा T20 ट्रॉफी में उन्होंने अब तक 9 विकेट भी लिए हैं.

भारत की तन्वी ने किया गौरवान्वित

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अंडर -15 महिला एकल खिताब जीता

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री ने रविवार को चीन में आयोजित बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-15 महिला एकल का खिताब जीत लिया। फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की दूसरी वरीयता प्राप्त गुयेन थी थू ह्यूगेन को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

पाकिस्तान की हुई सरेआम बेइज्जती

23 साल में पहली बार बांग्लादेश ने दी टेस्ट में मात

खेल डेस्क, 25 अगस्त (एजेंसियां)।बांग्लादेश ने पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में मिली जीत के बाद बांग्लादेश ने इस सीरीज में भी 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तान को अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार बांग्लादेश के हाथों टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को जीत के लिए 30 रन का लक्ष्य दिया था। इस टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 448 के स्कोर पर 6 विकेट खोकर पारी घोषित कर दी थी। पाकिस्तान के लिए सऊद शकील (141) और मोहम्मद रिजवान (171) ने शतक लगाया था।

जवाब में बांग्लादेश ने पहली पारी में 565 रन बनाए थे।

बांग्लादेश के लिए रहीम ने 191 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा शादमान इस्लाम ने 93, लिटन दास ने 56, मेहदी हसन मिराज ने 77 रन बनाए थे। रहीम की इस पारी की वजह से बांग्लादेश ने 117 रनों की लीड हासिल की थी। दूसरी पारी में पाकिस्तान के बल्लेबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे और पूरी टीम 146 रन पर ही सिमट गई।

बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन मिराज ने 4 विकेट हासिल किए थे। उनके अलावा शाकिब अल हसन ने 3 और शोरफुल इस्लाम, हसन महमूद, नाहिद राणा ने 1-1 एक-एक विकेट हासिल किया। इसी के साथ बांग्लादेश को जीत के लिए 30 रनों का लक्ष्य मिला था। इस स्कोर को बांग्लादेश ने बिना कोई विकेट खोए 6.3 ओवर में हासिल कर लिया था। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में 17वीं बार हुआ है, जब किसी टीम को पहली पारी घोषित करने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। जबकि पाकिस्तान के साथ ऐसा चौथी बार हुआ है। इससे पहले दोनों देशों के बीच 13 टेस्ट मैच खेले गए थे। इसमें से 12 मैचों में पाकिस्तान ने जीत हासिल की थी, जबकि एक मैच में ड्रा रहा था। लेकिन बांग्लादेश ने 14वें टेस्ट मैच में इतिहास बना दिया।

तेलंगाना में शांति सरोवर होना गर्व की बात : रेवंत रेड्डी

सीएम ने शांति सरोवर में सामुदायिक सेवा परियोजनाओं का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को ब्रह्माकुमारी के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया। शांति सरोवर, हैदराबाद में सामुदायिक सेवा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि गच्चीबावली को महज 20 साल में एक बड़े शहर के रूप में विकसित किया गया है। मुझे खुशी है कि शांति सरोवर उसी इलाके में स्थित है।तेलंगाना सरकार ब्रह्माकुमारी के पदचिन्हों पर चल रही है। नशीली दवाओं के खतरे को जड़ से खत्म करने के लिए एक नारकोटिक टीम का गठन किया गया है और लोगों को ड्रग्स शब्द का उच्चारण करने से भी डरना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। यह लोगों की सरकार और किसान हितैषी शासन वाला राज्य है। कृषि ऋण माफी योजना को लागू करके पहले ही साबित कर दिया है कि सरकार किसान हितैषी है। तेलंगाना सरकार देश का एकमात्र राज्य है जिसने महज आठ महीनों में किसानों के 31,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की और मुचेरला में फ्यूचर सिटी विकसित की। कौशल विश्वविद्यालय भी इसी क्षेत्र में स्थापित किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारी तेलंगाना सरकार की मार्गदर्शक हैं। हम शांति सरोवर का समर्थन करते हैं और इसके पट्टे का नवीनीकरण करते हैं।माउंट आबू के बाद, तेलंगाना में शांति सरोवर होने पर हमें बहुत गर्व है।

मराठवाड़ा क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों के विकास पर विशेष ध्यान देने का प्रयास : रवनीत सिंह

रेल राज्य मंत्री ने 5 तख्त स्पेशल विशेष तीर्थयात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रवनीत सिंह ने रविवार को नांदेड़ रेलवे स्टेशन पर हजूर साहिब नांदेड़ से सिख धर्म के पांच पवित्र तीर्थस्थलों तक अपनी तरह की पहली 5 तख्त स्पेशल विशेष तीर्थयात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

पांच तख्त साहिबान के लिए विशेष ट्रेन का आयोजन शहीद बाबा भुजंग सिंह जी चैरिटेबल ट्रस्ट, नांदेड़ द्वारा किया गया था। इस अवसर पर जहेंद्र सिंह साहिब संत बहा कुलवंत सिंह , संत बाबा ज्योतिंदर सिंह जी, संत बाबा नरिंदर सिंह, संत बाबा बलविंदर सिंह , बाबा रामसिंह , नीरज अग्रवाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, बी. नाग्या, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, नीति सरकार, मंडल रेल प्रबंधक, नांदेड़ मंडल और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, रवनीत सिंह ने कहा कि, सिख धर्म के 5 पवित्र तीर्थस्थलों को कवर करने वाली पहली विशेष ट्रेन लोगों को जोड़ने और आध्यात्मिक संस्कृति और राष्ट्रवाद को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा एक श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि, भारतीय रेलवे क्षेत्र के लोगों को आरामदायक और सुविधाजनक रेल यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। भारतीय रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में रेल बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए अभूतपूर्व बजट आवंटित किया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मराठवाड़ा क्षेत्र में विभिन्न रेलवे स्टेशनों के विकास पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया जा रहा है। यह '5 तख्त स्पेशल ट्रेन' विशेष तीर्थयात्री ट्रेन गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व को समर्पित है। ट्रेन हुजूर साहिब रेलवे स्टेशन से पटना साहिब, आनंदपुर साहिब, दमदमा साहिब और श्री अमृतसर साहिब तक चलेगी। यह कुल 12 दिनों की यात्रा है जिसमें कुल 1300 श्रद्धालु मुफ्त यात्रा कर सकेंगे और प्रत्येक ठहराव पर 20,000 से अधिक श्रद्धालु मत्था टेकेंगे। ट्रेन का पहला कोच एक सैलून है जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब जी विराजमान होंगे। पूरी यात्रा के दौरान पेंट्री कार में श्रद्धालुओं के लिए लंगर की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक कोच में स्पीकर लगे हैं, जिसमें भक्त कीर्तन सुन सकेंगे। यह ट्रेन पटना साहिब, आनंदपुर साहिब, फतेहगढ़ साहिब, दमदमा साहिब और श्री अमृतसर साहिब के पवित्र केंद्रों को कवर करेगी।

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करें कर्मचारी : पोंगुलेटी

राजस्व मंत्री ने कर्मचारियों को संबोधित किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज एमसीआरएचआरडी में स्टाम्प और पंजीकरण विभाग के कर्मचारियों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया। उन्होंने कर्मचारियों से इंदिराम्मा राज्यम में परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने को कहा। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि वे पंजीकरण के लिए आने वाले लोगों को बिना किसी शिकायत की गुंजाइश दिए पारदर्शी तरीके से गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करें। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि किराए, बिजली शुल्क, वाहन किराए के शुल्क आदि के लिए आवश्यक बजटीय आवश्यकताओं को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। पंजीयन विभाग के लिए स्थायी सरकारी भवनों की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने कहा कि एक त्रि-आयामी रणनीति पर काम किया जा रहा है जिसके तहत सभी पंजीकरण कार्यालय कुछ वर्षों में सरकारी भवनों में काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने अधिकारियों को अन्य राज्यों के पंजीकरण विभागों में सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने का निर्देश दिया ताकि उन्हें हमारे राज्य में अपनाया जा सके। उन्होंने नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया जो जनता को निर्बाध सेवा प्रदान करने में सक्षम होंगी। शासन सचिव एवं आयुक्त स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन बुद्ध प्रकाश ज्योति ने पंजीयन विभाग की कार्यप्रणाली का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने बताया कि पंजीयन विभाग का राजस्व जो वर्ष 2014 में 2,746 करोड़ रुपये था, वह गत वर्ष बढ़कर 14,588 करोड़ रुपये हो गया है।

उन्होंने कहा कि मंत्री के कुशल मार्गदर्शन में कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित स्थानांतरण को सुचारू रूप से पूरा किया गया। मंत्री ने पंजीयन एवं स्टाम्प विभाग की वार्षिक रिपोर्ट भी जारी की। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने राजस्व जुटाने, विभाग की कार्यप्रणाली, विभाग के लिए स्वयं के भवन, विभाग के लिए बजट की आवश्यकता आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

फर्जी जीओ के मामले में एफआईआर

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में पकड़े गए रंगा रेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर एमवी भूपाल रेड्डी को सतर्कता प्रवर्तन विभाग में स्थानांतरित करने के मामले में जारी किए गए सरकारी आदेश सच नहीं हैं। जीएडी अधिकारियों ने जीओ 1109 के नाम से जारी इस नकली जीओ के खिलाफ साइबर अपराध की शिकायत दर्ज की।

इस शिकायत के बाद सैफाबाद में दर्ज सीआर संख्या 324/24 में मामला दर्ज किया गया था। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि इस फर्जी जियो को जारी करने वालों की जल्द ही पहचान कर ली जाएगी और उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

भगवान कृष्ण का संदेश जीवन को उत्सव में बदलना : मंत्री

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन व पर्यावरण तथा देवदाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि जीवन में हमें चाहे कितनी भी समस्याओं का सामना करना पड़े, चाहे हमें कितनी भी परेशानियों का सामना करना पड़े, हमें कठिनाइयों और खुशियों को समभाव से स्वीकार करना चाहिए और इस अनमोल जीवन को एक उत्सव में बदलना चाहिए। श्री कृष्णाष्टमी (26 अगस्त) के अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। मंत्री सुरेखा ने कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा अपने जीवन के विभिन्न चरणों में की गई लीलाएं और महिमाएं भक्तों को मंत्रमुग्ध कर देंगी। मंत्री ने कहा कि द्वापर युग में जन्मे भगवान श्रीकृष्ण का महान व्यक्तित्व और जीवनशैली आज के कलियुग में भी हमें बड़ी प्रेरणा देगी। मंत्री सुरेखा ने कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा बताई गई गीता केवल आध्यात्मिक शिक्षाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह ज्ञान का भंडार है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि गीता जीवन में किसी भी परिस्थिति में साहस और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए आवश्यक प्रेरणा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के बुरे प्रशिक्षण और सभ्य सुरक्षा के संदेश ने आज की शासन प्रणालियों का मार्गदर्शन किया है। मंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित उटला उत्सव का उद्देश्य खेलों के साथ जीवन को आनंदमय बनाना है। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि समस्याओं के चक्र में फंसी आज की दुनिया को भगवान श्रीकृष्ण का दर्शन सही रास्ता दिखाता है।

लापरवाही से चली गई ट्रक चालक की जान

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात हयातनगर में एक अजीब दुर्घटना में एक ट्रक चालक की अपनी ही ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। शनिवार की तड़के करीब दो बजे अब्दुल्लापुरमेट निवासी पीड़िता शीती राजेश (38) हयातनगर स्थित पार्किंग स्थल पर पहुंचा तो उसने देखा कि पार्किंग का गेट बंद था। ड्राइवर गेट खोलने के लिए अपने टिपर ट्रक से उतरा था, हालांकि, वह अपने टिपर ट्रक का हैंड ब्रेक लगाना भूल गया था। पीड़ित ट्रक का हैंडब्रेक लगाने में विफल रहा। जब वह बाहर गया और बंद पार्किंग गेट खोलने की कोशिश की, तो ट्रक आगे बढ़ गया और उससे टकरा गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हयातनगर इंस्पेक्टर जी रामकृष्ण ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं का कर्नाटक वाल्मीकि घोटाले से संबंध : केटीआर

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने आज आरोप लगाया कि तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं का कर्नाटक राज्य के बड़े वाल्मीकि घोटाले से संबंध है। अपने ट्विटर हैंडल पर उन्होंने सवाल उठाया कि वाल्मीकि निगम ने हैदराबाद में नौ लोगों के बैंक खातों में 45 करोड़ रुपये क्यों ट्रांसफर किए, साथ ही पूछा कि खाताधारक कौन थे? उन्होंने आलोचना की कि अगर घोटाले से तार खींचे गए तो पूरी तेलंगाना कांग्रेस हिल जाएगी। केटीआर को संदेह है कि तेलंगाना कांग्रेस ने हाल के संसदीय चुनावों में उस पैसे को खर्च किया है। उन्होंने पूछा, वी6 व्यवसाय का मालिक कौन है और उस खाते में 4.5 करोड़ रुपये क्यों ट्रांसफर किए गए? हैदराबाद में लोकसभा चुनाव के दौरान नकदी निकालने वाली बार और सोने की दुकानों का मालिक कौन है? उनका कांग्रेस पार्टी से क्या लेना-देना है? भले ही हैदराबाद का घोटाले से इतना संबंध है, लेकिन तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं को कौन बचा रहा है? कर्नाटक के मंत्री सतीश जरकीहोली के बयान का जिक्र करते हुए केटीआर ने कहा कि मंत्री कह रहे थे कि अगर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को हटा दिया गया तो बगल की तेलंगाना कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। केटीआर ने मांग की कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को घोटाले पर अपना मुंह खोलना चाहिए।

हाइड्रा ने ध्वस्तीकरण अभियान के माध्यम से 43.94 एकड़ भूमि वापस प्राप्त की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसमें कहा गया है कि 18 स्थानों पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया है और इसने अतिक्रमणकारियों से 43.94 एकड़ भूमि वापस प्राप्त की है। मंसूराबाद, बंजारा हिल्स, बीजेआर नगर, गजुलारामरम और अमीरपेट जैसे क्षेत्रों में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया और अतिक्रमित भूमि को पूर्व केंद्रीय मंत्री पल्लम राजू, फिल्म अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, चिंतल से बीआरएस नेता रत्नाकर राजू, कावेरी सीड्स के मालिक भास्कर राव और प्रो कबड्डी टीम की मालिक अनुपमा जैसे प्रमुख व्यक्तियों के चंगुल से वापस प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त, उन क्षेत्रों में अवैध संरचनाओं को भी ध्वस्त कर दिया गया। राज्य सरकार का मानना है कि हैदराबाद में अवैध निर्माण को हटाने के लिए हाइड्रा के प्रयासों की जनता ने व्यापक रूप से सराहना की है। नतीजतन, वह तेलंगाना राज्य के अन्य शहरों में भी इसी तरह की व्यवस्था लागू करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने कहा है कि जहां भी संभव हो अतिक्रमण हटाने और भविष्य में अवैध कब्जों को रोकने के लिए उपाय किए जाएंगे।

हाइड्रा अधिकारियों ने दानम नागेंद्र को क्यों नहीं गिरफ्तार किया : महेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल विधायक और बीजेएलपी नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने आज सवाल उठाया कि हाइड्रा अधिकारियों द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि एक या दो मशहूर हस्तियों के ढांचों को गिराने का काम केवल ध्यान भटकाने वाली राजनीति के लिए किया जा रहा है। उन्होंने पूछा, बेहतर होगा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं से ही तोड़फोड़ की शुरूआत हो।

क्या सीएम में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी जैसे अपने पार्टी नेताओं के अवैध ढांचों को गिराने की हिम्मत है। रेड्डी ने आरोप लगाया कि सीएम हाइड्रा द्वारा अवैध ढांचों को गिराने के नाम पर बड़ा नाटक कर रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जताई कि सीएम रेवंत रेड्डी किए गए वादों को नजरअंदाज करके हाइड्रा के नाम पर सनसनी फैला रहे हैं। रविवार को संगारेड्डी जिले में भाजपा कार्यालय में सदस्यता अभियान चलाया गया। महेश्वर रेड्डी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे।

राज्यपाल ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि शाश्वत ज्ञान के अवतार भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पवित्र कर्तव्य को अटूट विश्वास के साथ, कर्म के फल की आसक्ति के बिना, सभी परिणामों को ईश्वरीय इच्छा पर समर्पित करने के गहन सत्य को प्रतिपादित किया। भगवद गीता में निहित भगवान श्रीकृष्ण की कालातीत शिक्षाएं समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और असंख्य आत्माओं को धर्म के मार्ग पर मार्गदर्शन कर रही हैं। उनका दिव्य संदेश धार्मिकता के मार्ग को प्रकाशित करता रहता है, पीढ़ियों को ईमानदारी, निष्ठा, भक्ति और सांसारिक इच्छाओं से विरक्ति का जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। हम सभी भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिखाए गए धर्म और सद्गुण के मार्ग पर चलें, निस्वार्थ भाव और प्रेम से समाज की सेवा करें।

इस शुभ अवसर पर, मैं एक बार फिर सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं, इस प्रार्थना के साथ कि हमारे तेलंगाना राज्य में भाईचारे और एकता के बंधन को मजबूत करते हुए शांति, समृद्धि और सद्भाव पनपे और सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.